राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, गुरुवार, 30 जुलाई 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 74 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड में सड़कों पर उतरे छात्र

एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी

जितेंद्र सिंह बोले- युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए जरूरी कानून, विपक्ष ने पारदर्शिता और जवाबदेही पर उठाए सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को भारी हंगामे और सत्ता-विपक्ष के बीच तीखी बहस के बीच एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा पेश किए गए इस विधेयक पर कई घंटों तक चर्चा चली, जिसके दौरान दोनों पक्षों के सांसदों ने एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। विधेयक पारित होने की घोषणा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। इसके बाद सदन की कार्यवाही 30 जुलाई को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सरकार ने इस विधेयक को देश की परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से यह संशोधन लाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस गंभीर विषय पर रचनात्मक सुझाव देने के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को प्राथमिकता दी। बहस के दौरान जितेंद्र सिंह ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संसद में प्रयुक्त भाषा संसदीय गरिमा और परंपराओं के अनुरूप होनी चाहिए। उनके अनुसार, देश के युवाओं के बारे में की गई कुछ टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण हैं और विपक्ष के नेता के पद पर बैठे व्यक्ति से अधिक जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने 21 जुलाई की एक घटना का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी पर राजनीतिक टिप्पणी भी की। सदन में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे पर सरकार की ओर से सफाई देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि जिस घटना का विपक्ष उल्लेख कर रहा है, उसमें गोली नहीं चलाई गई थी, बल्कि केवल आंसू गैस का प्रयोग किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि गोली चलाने का प्रश्न ही नहीं उठता और ऐसी परिस्थितियों में कार्रवाई का अधिकार संबंधित मजिस्ट्रेट के पास होता है, न कि मंत्री के पास। वहीं विपक्ष ने विधेयक पर चर्चा के दौरान सरकार की परीक्षा प्रणाली और युवाओं से जुड़ी नीतियों पर सवाल उठाए। विपक्ष का कहना था कि केवल कानून बना देने से पेपर लीक जैसी समस्या समाप्त नहीं होगी, बल्कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बहस के बीच लोकसभा से पारित यह विधेयक अब आगे की संसदीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद कानून का रूप ले सकेगा। सरकार का दावा है कि नए प्रावधानों से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और पेपर लीक जैसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

14वीं जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर रांची में छात्रों का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। दिल्ली के बाद अब छात्रों के आंदोलन की गूंज झारखंड में भी सुनाई देने लगी है। बुधवार को रांची में बड़ी संख्या में छात्रों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मार्च निकालकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की परीक्षाओं में अनियमितताओं का आरोप लगाया। छात्रों का कहना है कि भर्ती परीक्षाएं निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं की जा रही हैं, जिससे अभ्यर्थियों में नाराजगी है। छात्रों ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा को रद्द कर दोबारा परीक्षा आयोजित करने की मांग की। उनका कहना है कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, ताकि सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिल सके। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सरकार और आयोग के खिलाफ नारेबाजी भी की तथा जल्द कार्रवाई की मांग उठाई। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

2.20 करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। रांची। झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबलों ने माओवादी विरोधी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2 करोड़ 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी नेता मिसिर बेसरा को गिरफ्तार कर लिया है। संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन दौरा पहाड़' के तहत हुई इस कार्रवाई में मिसिर बेसरा समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। बुधवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में सभी गिरफ्तार नक्सलियों को मीडिया के सामने पेश किया गया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का एकमात्र सक्रिय पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ सागर, उर्फ भास्कर, उर्फ सुनिर्मल को धनबाद जिले के बरवड्डा थाना क्षेत्र के जंगलों से गिरफ्तार किया गया। उसके साथ संगठन के शीर्ष कमांडर मेहनत उर्फ मोचू उर्फ विभीषण (आरसीएम), गौरव उर्फ बीरेंद्र हांसदा उर्फ सौरभ (एसीएम) तथा दो अन्य सहयोगियों को भी दबोचा गया। सीआरपीएफ के आईजी साकेत सिंह ने बताया कि मिसिर बेसरा लंबे समय से झारखंड और ओडिशा में वांछित था। उस पर झारखंड सरकार ने 1 करोड़ रुपये और ओडिशा सरकार ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उसके खिलाफ 175 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं, गिरफ्तार नक्सली मेहनत उर्फ मोचू उर्फ विभीषण पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित है और उसके खिलाफ 137 मामले दर्ज हैं। आईजी अभियान नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई धनबाद और गिरिडीह जिला पुलिस तथा 209 कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने की। अभियान के दौरान नक्सलियों के कब्जे से तीन एके-47 राइफल, आठ मैगजीन और 288 कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में माओवादी संगठन को लगातार बड़े झटके लगे हैं। 21 मई 2026 को 27 नक्सलियों ने 18 हथियार और 2,987 गोलियों के साथ आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद 13 जुलाई को शीर्ष कमांडर रविंद्र गंझू और 17 जुलाई को अजय महतो उर्फ टाइगर की गिरफ्तारी हुई, जबकि बबिता उर्फ अनीता किस्कू ने आत्मसमर्पण किया। वहीं, 28 जुलाई को भी 16 माओवादियों ने 11 हथियार और 1,562 गोलियों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। झारखंड पुलिस का दावा है कि शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी और लगातार हो रहे आत्मसमर्पण के बाद राज्य में भाकपा (माओवादी) की गतिविधियां लगभग समाप्ति की ओर हैं। पुलिस ने शेष उग्रवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाने की अपील की है।

रेलवे में जून 2026 तक 5.56 लाख नियुक्तियां : अश्विनी वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने मिशन मोड में भर्ती अभियान को तेज करते हुए वर्ष 2014 से जून 2026 तक 5.56 लाख नियुक्तियां की हैं। इनमें दक्षिण रेलवे में 50,485 नियुक्तियां शामिल हैं। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय रेल में रिक्तियां और उनकी पूर्ति एक सतत प्रक्रिया है। परिचालन आवश्यकताओं, तकनीकी बदलाव, मशीनीकरण और नवाचार को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त एवं उपयुक्त मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाता है। रिक्त पदों को परिचालन और तकनीकी जरूरतों के अनुसार रेलवे भर्ती एजेंसियों के माध्यम से भरा जाता है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2024 और 2025 की परीक्षा चक्र के दौरान कंप्यूटर आधारित परीक्षा में लगभग 4.5 करोड़ अभ्यर्थी शामिल हुए। भर्ती परीक्षाएं 150 से अधिक शहरों में 15 भाषाओं में आयोजित की गईं, जिससे अभ्यर्थियों को अधिक सुविधा और व्यापक अवसर मिले। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 से समूह 'सी' के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर लागू किया गया है। इससे अभ्यर्थियों को हर वर्ष पात्रता के अनुसार अवसर, परीक्षा की निश्चितता तथा भर्ती, प्रशिक्षण और नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी का लाभ मिल रहा है। वर्तमान में वार्षिक कैलेंडर 2024, 2025 और 2026 के तहत भारतीय रेल में 1,61,889 अराजपत्रित पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जिनमें दक्षिण रेलवे के 11,387 पद शामिल हैं। वर्ष 2024 के दौरान 92,116 पदों के लिए दस केंद्रीय रोजगार अधिसूचनाएं जारी की गईं थीं, जिनमें सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर, डिपो सामग्री अधीक्षक, रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक, पैरामेडिकल, गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियां, मंत्रालयिक एवं पृथक श्रेणियां तथा लेवल-1 के पद शामिल हैं। इन 92,116 पदों के लिए प्रथम अथवा एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 2026-27 में 30 जून 2026 तक तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरामेडिकल, मंत्रालयिक एवं पृथक श्रेणियों तथा सहायक लोको पायलट सहित विभिन्न पदों पर 3,300 से अधिक अभ्यर्थियों के चयन पैनल अंतिम रूप दिए जा चुके हैं, जिनमें अधिकांश पद रेलवे की सुरक्षा श्रेणी से जुड़े हैं।

बासुकीनाथ में राजकीय श्रावणी मेले का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम

एआई तकनीक से कवर की जाएगी पूरी व्यवस्था

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। विश्व प्रसिद्ध बाबा बासुकीनाथ धाम में बुधवार को राजकीय श्रावणी मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। संथाल परगना के आयुक्त संजय कुमार, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा नारियल फोड़कर मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, वरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त संजय कुमार ने कहा कि मेले में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारी और कर्मी इसे केवल ड्यूटी न समझें, बल्कि सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सहायता करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित और संतोषजनक अनुभव के साथ अपने घर लौटे। जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि बाबा बासुकीनाथ धाम की ख्याति देश-विदेश तक पहुंच चुकी है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां जलार्पण के लिए आते हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से श्रावणी मेले को राजकीय मेले के साथ-साथ विश्व स्तरीय मेले का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने प्रशासन और स्थानीय लोगों से श्रद्धालुओं को अपने घर का अतिथि मानकर सहयोग करने की अपील की। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करीब 150 चिकित्सकों की तैनाती की गई है। आवासन के लिए पांच हजार बेड क्षमता वाली टेंट सिटी तैयार की गई है तथा स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर लगभग सात हजार पुलिसकर्मियों और 700 दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। पूरे मेला क्षेत्र में 700 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की जाएगी। प्रशासन ने बताया कि मेले की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि श्रावणी मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों को पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं ताकि लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बासुकीनाथ आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण है और उसकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

27 लाख आबादी के लिए केवल 25 सरकारी एंबुलेंस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जमशेदपुर जिले की करीब 27 लाख आबादी के लिए मात्र 25 सरकारी एंबुलेंस उपलब्ध हैं, जबकि 108 आपातकालीन सेवा की केवल 16 एंबुलेंस ही संचालित हो रही हैं। इसके अलावा प्रसूता महिलाओं और एक वर्ष तक के बच्चों के उपचार के लिए 94 ममता वाहन उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और एंबुलेंस समय पर नहीं मिलने के कारण मरीजों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में उपलब्ध एंबुलेंस का उपयोग मुख्य रूप से मरीजों को एमजीएम अस्पताल या सदर अस्पताल तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। वहीं, ममता वाहन केवल प्रसव संबंधी मामलों और एक वर्ष तक के बच्चों के इलाज के लिए निर्धारित हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि 108 एंबुलेंस सेवा समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती, जिससे गंभीर मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। पिछले एक सप्ताह में एंबुलेंस नहीं मिलने या देरी होने के कारण दो मरीजों की मौत होने की बात सामने आई है। साथ ही कई एंबुलेंस तकनीकी खराबी के कारण भी प्रभावित हैं। इस मामले पर सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने कहा कि एंबुलेंस सेवा में लापरवाही को लेकर पहले भी एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी और संबंधित एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। साथ ही सभी सीएचसी और पीएचसी की एंबुलेंसों की स्थिति की रिपोर्ट तलब की गई है। जो वाहन खराब पाए जाएंगे, उन्हें तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

बिहार कैबिनेट के 24 प्रस्तावों पर मुहर, 22 हजार आंगनबाड़ी पदों पर होगी बहाली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बिहार मंत्रिपरिषद की बैठक में 24 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका के 22 हजार पदों पर बहाली, नई खेल नीति-2026 लागू करने, पेयजल, पुल निर्माण, सहकारिता और औद्योगिक विकास से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। समेकित बाल विकास सेवाओं के तहत राज्य में आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका के 22 हजार रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी। वहीं, खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार खेल नीति-2026 को स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत बिहार राज्य खेल छात्रवृत्ति योजना तथा प्रतिभा पहचान कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। मंत्रिपरिषद ने बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना के तहत वेजफेड की त्रि-स्तरीय सहकारी व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए 106.39 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इसके तहत प्रखंड स्तर पर आधारभूत संरचना का विकास, सहकारी समितियों को कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराना तथा रीफर वाहनों की व्यवस्था की जाएगी। पथ निर्माण विभाग की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भी प्रशासनिक स्वीकृति दी गई। जमुई जिले में एनएच-333ए के खैरा-सोनो मार्ग पर क्यूल नदी के नरियाना घाट में 93.82 करोड़ रुपये तथा मंगोबंदर-सुकनर नदी पर 55.96 करोड़ रुपये की लागत से दो नए उच्चस्तरीय आरसीसी पुलों का निर्माण कराया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने दरभंगा के रैयाम तथा मधुबनी के सकरी स्थित बंद पड़ी चीनी मिल परिसरों में नई सहकारी चीनी मिलें और गन्ना उपोत्पाद आधारित उद्योग स्थापित करने की परियोजना को भी स्वीकृति प्रदान की। इससे गन्ना किसानों को बेहतर बाजार, स्थानीय युवाओं को रोजगार तथा मिथिलांचल के औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित अमृत 2.0 मिशन के तहत लखीसराय एवं किशनगंज जलापूर्ति परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। लखीसराय जलापूर्ति योजना के लिए 150.96 करोड़ रुपये तथा किशनगंज जलापूर्ति योजना के लिए 53.71 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन योजनाओं के पूरा होने पर लाखों परिवारों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।

पटना के बांकीपुर में उपचुनाव आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए आज मतदान होगा। मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और निर्वाचन आयोग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम और वीवीपैट मशीनों को मतदान दलों के साथ संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान के लिए 164 मतदान केंद्रों पर कुल 422 मतदान बूथ बनाए गए हैं। सभी बूथों पर वेबकास्टिंग और लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था रहेगी। सुरक्षा के मद्देनजर केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की 14 कंपनियां, फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और सेक्टर पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। इस चुनाव में कुल 25 उम्मीदवार मैदान में हैं। हालांकि मुख्य मुकाबला भाजपा के नीरज कुमार, जन सुराज के प्रशांत किशोर और राष्ट्रीय जनता दल की रेखा कुमारी के बीच माना जा रहा है। चुनाव के दौरान इस सीट पर कई प्रमुख राजनीतिक दल के नेता भी अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 3 लाख 79 हजार 616 मतदाता हैं, जिनमें 4 हजार 998 मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। ट्रैफिक जाम, जलजमाव, सड़क, ड्रेनेज, स्वच्छता और अन्य शहरी सुविधाएं इस उपचुनाव के प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं।

80 हजार से अधिक स्कूलों को 296.64 करोड़ रुपये का समग्र अनुदान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 80,375 सरकारी, सहायता प्राप्त और प्रायोजित स्कूलों के विकास के लिए 296.64 करोड़ रुपये की समग्र अनुदान राशि जारी की है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह राशि नेट बैंकिंग के माध्यम से संबंधित स्कूलों के खातों में हस्तांतरित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पायलट परियोजना के तहत इस्कॉन कोलकाता चयनित क्षेत्रों के स्कूलों में मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराएगा। वहीं, राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से विद्यार्थियों को अंडे भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि स्कूलों की बड़ी संख्या को देखते हुए यह राशि बहुत अधिक नहीं है, लेकिन संस्थानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह अनुदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बीते तीन वर्षों में नीतिगत विफलताओं, अहंकार और उपेक्षा के कारण शैक्षणिक संस्थानों की अनदेखी हुई। उन्होंने बताया कि समग्र अनुदान योजना के तहत मिलने वाली राशि का 60 प्रतिशत केंद्र सरकार और शेष 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करती है।

उपायुक्त ने बीज, यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का किया निरीक्षण

अधिक मूल्य पर बिक्री एवं गुणवत्ता में अनियमितता पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने बुधवार को कालीबाड़ी मार्ग स्थित विभिन्न बीज, यूरिया एवं डीएपी बिक्री केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आलोक में यह कार्रवाई की गई, जिनमें यूरिया, डीएपी एवं पोटाश की कालाबाजारी तथा सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की सूचना मिली थी।

खरीफ फसली मौसम को देखते हुए किसानों को उर्वरक एवं बीज की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने ट/र उर्वरा, जगदम्बा ट्रेडर्स एवं पूजा ट्रेडर्स सहित कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस, स्टॉक एवं बिक्री पंजी, यूरिया की

ओपनिंग स्टॉक, उपलब्ध यूरिया बैगों की संख्या, बिक्री रजिस्टर तथा सरकार द्वारा निर्धारित दर पर उर्वरकों की बिक्री की विस्तार से जांच की। साथ ही उर्वरकों की गुणवत्ता का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने स्थानीय खुदरा विक्रेताओं एवं संबंधित लोगों से बातचीत की। जांच में यह जानकारी सामने आई कि सरकार द्वारा निर्धारित 266 रुपये प्रति बोरा की दर वाला यूरिया 360 रुपये प्रति बोरा तक बेचा जा रहा है तथा डीएपी भी निर्धारित मूल्य से अधिक दर, लगभग 1,850 रुपये प्रति बोरा, पर बेचे जाने की शिकायत मिली। इस पर उपायुक्त ने जिला कृषि पदाधिकारी को जिले के सभी गोदामों एवं खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की व्यापक जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर उर्वरकों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान ट/र उर्वरा प्रतिष्ठान में अधिक दर पर यूरिया एवं डीएपी की बिक्री की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित प्रतिष्ठान को स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया तथा दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से उर्वरकों पर सब्सिडी देती है, इसलिए किसी भी स्तर पर कालाबाजारी या मुनाफाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच के दौरान उपायुक्त ने स्वयं निरीक्षण में पाया कि उपलब्ध यूरिया नीम-कोटेड प्रतीत नहीं हो रहा था। इस पर उन्होंने तत्काल उर्वरक का नमूना संग्रहित कर प्रयोगशाला में गुणवत्ता परीक्षण कराने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित प्रतिष्ठानों से पीओएस मशीन के माध्यम से की गई बिक्री का विस्तृत विवरण तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि वास्तविक बिक्री एवं स्टॉक का मिलान कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त ने कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराना अनिवार्य है। यदि कोई भी विक्रेता कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और फरार अपराधियों की गिरफ्तारी का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने बुधवार को कटकमदाग थाना का औचक निरीक्षण कर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और थाना के कार्यों की विस्तृत

समीक्षा की। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना के विभिन्न पंजियों का अवलोकन किया तथा लंबित कांडों, वारंट, कुर्की-जब्ती, चरित्र सत्यापन और पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े मामलों की समीक्षा कर उनके शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने सभी फरार अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और विशेष रूप से अवैध मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में लंबित गिरफ्तारी अभियान तेज करने को कहा। एसपी ने नशा मुक्ति को लेकर थाना क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही आम जनता और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांतिपूर्ण विधि-व्यवस्था कायम रखने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान कटकमदाग थाना क्षेत्र में सक्रिय भू-माफियाओं की पहचान कर उनके विरुद्ध लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया। इसके अलावा कोल साइडिंग, ट्रांसपोर्टिंग क्षेत्रों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर नियमित गश्त जारी रखने और अपराध नियंत्रण के लिए सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को इन सभी बिंदुओं पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति में गिरिडीह के दिनेश प्रसाद यादव को मिली बड़ी जिम्मेदारी

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश द्वारा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की सहमति से प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की नई सूची जारी की गई है। जारी सूची में गिरिडीह महानगर के वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश प्रसाद यादव को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया है। सूची में उनका नाम क्रमांक-9 पर दर्ज है दिनेश प्रसाद यादव के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए जाने से गिरिडीह भाजपा कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके संगठनात्मक अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा और वे प्रदेश स्तर पर संगठन को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति में गिरिडीह ग्रामीण और गिरिडीह महानगर के कई नेताओं को भी स्थान दिया गया है, जिससे जिले का संगठनात्मक प्रतिनिधित्व और मजबूत हुआ है।

गुरु पूर्णिमा पर श्री कबीर ज्ञान मंदिर में उमड़ा सैलाब, श्रद्धालुओं ने किया सदगुरु 'मां ज्ञान' का पूजन

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री कबीर ज्ञान मंदिर में भव्य गुरु पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने अपने सद्गुरु परम आराध्य 'मां ज्ञान' के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर पूजन-वंदन किया कार्यक्रम की शुरूआत गुरु वंदना से हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों एवं बालिकाओं ने गुरु भक्ति पर आधारित भावनृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद गुरु महिमा पर आधारित नाट्य मंचन और भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु देर तक भक्ति रस में सराबोर रहे। शिष्यों ने गुरु के विभिन्न स्वरूपों और महत्व पर अपने विचार भी व्यक्त किए इस अवसर पर सद्गुरु मां ज्ञान ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान शिव आदिगुरु हैं और गुरु गीता में गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया गया है। सच्चे मन से गुरु भक्ति करने वाले शिष्य पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है तथा प्रकृति भी उसकी रक्षा करती है उन्होंने कहा कि शिष्यों को मन, वचन और कर्म से सद्गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए तथा लोभ, मोह और अहंकार का त्याग कर सद्गुरु के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गुरु की भूमिका निभाकर अर्जुन के अज्ञान का नाश किया और उसे सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी सद्गुरु मां ज्ञान ने कहा कि व्यक्ति के जीवन की पहली गुरु उसकी मां होती है, लेकिन जीवन का सच्चा मार्ग दिखाने वाले गुरु का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी श्रद्धालुओं से सद्गुरु के प्रति कृतज्ञ रहने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने सद्गुरु के चरणों में शीश नवाकर सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

गुरु पूर्णिमा पर पतंजलि परिवार का आयोजन, योग, भजन और कार्यकर्ता सम्मान ने बांधा समां

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पतंजलि परिवार गिरिडीह की ओर से पटेल नगर स्थित सोनल बैंक्वेट हॉल में भव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग साधकों, पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी नवीन कांत सिंह ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योगपीठ, झारखंड प्रांत के राज्य प्रभारी रामजीवन पांडे उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरूआत योगाभ्यास, वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ हुई। इस दौरान विश्व कल्याण, स्वस्थ समाज और मानवता की मंगलकामना की गई। इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में योग साधिका निमिता कुमारी ने कठिन योग आसनों का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। वहीं मुन्नी देवी, अरविंद कुमार, अजय शिवानी, उमा गुप्ता, अनीता, गंगा, सुनीता बर्नवाल, पिंकी खेतान, विजय बर्नवाल समेत अन्य कलाकारों ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया समारोह के दौरान संगठन एवं समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही पूर्व में प्रशिक्षित सह-योग शिक्षकों को प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।मुख्य अतिथि रामजीवन पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि योग और आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार के माध्यम से स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण करना ही गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और सेवा है कार्यक्रम में संगठन मंत्री सरदार देवेंद्र सिंह, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अरविंद कुमार, पतंजलि के जिला प्रभारी परमेंद्र कुमार, सोशल मीडिया जिला प्रभारी पुष्पा शक्ति, गंडेय प्रखंड प्रभारी शंकर भारती सहित पतंजलि परिवार एवं भारत स्वाभिमान के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में योग साधक मौजूद रहे।

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर भाजपा चलाएगी 'समरसता संकल्प अभियान', 20 फरवरी तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी, गिरिडीह महानगर की ओर से संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी "समरसता संकल्प अभियान" को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान अभियान की रूपरेखा साझा करते हुए कार्यकताओं से इसे जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया भाजपा गिरिडीह महानगर के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने बताया कि यह अभियान 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक पूरे देश में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समता, सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा, सद्भाव और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। इसके तहत समरसता दीप महोत्सव, कलश वंदन अभियान, संत संपर्क अभियान, समरसता यात्रा और समरसता संवाद जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे पूर्व जिला अध्यक्ष महादेव दूबे ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज का जीवन सामाजिक समानता और समरसता का आदर्श उदाहरण है। उनके विचार आज भी समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट रहने की प्रेरणा देते हैं पूर्व महापौर एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सुनील पासवान ने कहा कि गुरु रविदास महाराज का संदेश समाज के सभी वर्गों को जोड़ने वाला है।

उवि ईगुनिया में विधायक ने 75 विद्यार्थियों को बांटी साइकिलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। पडरिया पंचायत के उच्च विद्यालय ईगुनिया में बुधवार को साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई 75 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलें वितरित किया। इससे पूर्व विद्यालय परिसर पहुँचने पर स्कूली बच्चों, शिक्षकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने विद्यार्थियों से नियमित रूप से स्कूल आने की अपील की। उन्होंने कहा कि साइकिल मिलने से बच्चों को दूर-दराज से

स्कूल आने-जाने में सहूलियत होगी। कहा पढ़ाई ही एकमात्र ऐसा जरिया है, जिससे विद्यार्थी अपना और अपने परिवार का भविष्य संवार सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षकों और ग्रामीणों ने स्कूल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से विधायक को अवगत कराया, जिस पर विधायक ने सभी जायज मांगों और समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन भाजपा महामंत्री अरविंद सिंह ने किया। मौके पर कल्याण पदाधिकारी अंकित यादव, सांसद प्रतिनिधि रामस्वरूप पासवान, सहदेव प्रसाद यादव, विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया पप्पू रजक, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रंजन सिंह, प्रबंधन समिति अध्यक्ष रामफल सिंह, प्रमोद सिंह, प्रकाश सिंह, करुणा चंद्रवंशी, सुबन सिंह, रामानंद पांडेय, राजकिशोर सिंह, महेश सिंह, अर्जुन सिंह, दिनेश सिंह, प्राचार्य सुनील रजक, सहायक शिक्षक प्रदीप कुमार, आनंद पाल, विजय साव, मुकेश सिंह, सुरेंद्र दास, मनोज रवि, प्रसादी यादव, निर्मला कुमारी, प्रेमचंद तिर्की, अंजू उपाध्यक्ष एवं सौरभ सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शिकायत मिलते ही बीएलओ पहुंचीं घर, गणना प्रपत्र की प्रक्रिया पूरी कराई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान एसआईआर 2026 के तहत जिला प्रशासन मतदाताओं को सुगम और पारदर्शी निर्वाचन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार सक्रिय है। अभियान के अंतिम चरण में प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है इसी क्रम में बगोदर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता राहुल मोदी ने राष्ट्रीय शिकायत निवारण प्रणाली एनजीएसपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर बताया कि उनका गणना प्रपत्र परिजनों द्वारा भर दिया गया था, लेकिन उस पर हस्ताक्षर नहीं हो सके थे। उन्होंने यह भी बताया कि उनके माता-पिता चलने फिरने में असमर्थ हैं, जिससे प्रपत्र की औपचारिकता पूरी नहीं हो पा रही थी शिकायत मिलते ही संबंधित बूथ स्तर पदाधिकारी बीएलओ ने मामले की जांच की और पाया कि केवल हस्ताक्षर शेष थे। इसके बाद बीएलओ स्वयं मतदाता के घर पहुंचीं, आवश्यक हस्ताक्षर करवाए, गणना प्रपत्र की त्रुटि दूर की और उसकी ऑनलाइन प्रविष्टि भी सुनिश्चित कर दी। इससे शिकायत का समयबद्ध समाधान हो गया और संबंधित मतदाता का प्रपत्र निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण प्रक्रिया में शामिल हो सका इस पहल पर राहुल मोदी एवं उनके परिजनों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्यक्तित्व चरित्र और संस्कारों का निर्माण भी करते हैं गुरु : ज्ञानचंद प्रसाद मेहता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मालवीय मार्ग में बुधवार को "गुरु पूर्णिमा उत्सव "श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक आशुतोष जी, विद्यालय प्रबंधन समिति के माननीय सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता, सह सचिव सौरभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बादल गोयल, सदस्य दीपक खंडेलवाल, शैलेश चंद्रवंशी, अशोक कुमार मल्लिक, सदस्या ऋचा प्रिया सिन्हा तथा प्रधानाचार्य डॉ. अजय कुमार पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर, भारत माता का पूजन एवं महर्षि वेदव्यास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। अतिथि परिचय विद्यालय के

वरिष्ठ आचार्य मनोज कुमार पांडे ने कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव ज्ञानचंद प्रसाद मेहता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना गया है। गुरु केवल ज्ञान का संचार ही नहीं करते, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, चरित्र और संस्कारों का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में गुरु-शिष्य परंपरा के आदर्शों को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही परंपरा समाज में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करती है। उन्होंने भैया -बहनों से गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, विनम्रता एवं आज्ञाकारिता का भाव बनाए रखने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ,हजारीबाग विभाग के माननीय विभाग प्रचारक आशुतोष जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध करने का महान कार्य किया। उन्होंने कहा कि गुरु केवल विषय का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी दिखाते हैं। विद्यार्थी यदि गुरु के बताए मार्ग पर निष्ठा, अनुशासन और परिश्रम के साथ आगे बढ़ें, तो वे निश्चित रूप से अपने जीवन में सफलता प्राप्त करते हुए राष्ट्र एवं समाज के आदर्श नागरिक बन सकते हैं।

झामुमो महिला समिति की 33 सदस्यीय कमेटी का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड मुक्ति मोर्चा झामुमो के संगठन विस्तार अभियान के तहत लोपेटी पंचायत में महिला समिति की 33 सदस्यीय यूनिट कमेटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता झामुमो महिला समिति की सदस्य नमिता वर्मा ने की, जबकि सक्रिय सदस्य प्रीति भास्कर विशेष रूप से उपस्थित रहीं बैठक को संबोधित करते हुए प्रीति भास्कर ने महिलाओं को पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी दी और संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने का आह्वान किया सर्वसम्मति से राधा कुमारी को

अध्यक्ष, अनीता कुमारी को उपाध्यक्ष, देवंती देवी को सचिव, अंजना कुमारी को सह सचिव, विकसा देवी को कोषाध्यक्ष तथा देवी को संगठन मंत्री चुना गया। इसके अलावा समिति में कुल 33 महिला सदस्यों को शामिल किया गया, जो पंचायत एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का कार्य करेंगी बैठक में महिला संगठन के विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने, प्रत्येक वार्ड एवं टोली स्तर पर महिला समितियों के गठन तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा हुई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया इस अवसर पर नमिता वर्मा ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई मजबूती मिलेगी। वहीं प्रीति भास्कर ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

राज्य स्तरीय फुटबॉल में विजेता खिलाड़ियों को उपायुक्त ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राज्य स्तरीय 2 एनडी लिटिल चैंप्स फुटबॉल टूनार्मेंट 2026-27 में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और शिक्षकों को बुधवार को उपायुक्त रामनिवास यादव ने समाहरणालय में सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को हरसंभव प्रोत्साहन देता रहेगा उपायुक्त ने कहा कि किसी भी जिले की पहचान केवल विकास कार्यों से नहीं, बल्कि वहां के युवाओं और बच्चों की प्रतिभा से भी होती है। गिरिडीह के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन से साबित कर दिया है कि जिले में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि उचित प्रशिक्षण और बेहतर अवसर मिलने पर ये खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं रांची में 23 से 25 जुलाई तक आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों की अंडर-12 बालक एवं बालिका टीमों ने भाग लिया। संत जॉन ब्रिटो मध्य विद्यालय, महेशमुंडा गांडेय की बालक टीम ने फाइनल में निस्फीडा मध्य विद्यालय, बगोदर को 1-0 से हराकर राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

विभावि में स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक बैठक आयोजित

चतरा में स्पोर्ट्स हब तैयार करें, छात्राओं की सहभागिता बढ़ाएं, खेल गतिविधियां वर्ष भर संचालित करें : कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । खेलकूद को गंभीरता से लें। इससे कुछ दिनों के इवेंट में परिणत नहीं होने दे। इस पर साल भर काम करें। कला संस्कृति की भांति खेल में भी पूर्वी क्षेत्र में विश्वविद्यालय को नई पहचान दिलाएं। उक्त बातें विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने बुधवार को कही। वह आर्यभट्ट सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की वार्षिक सभा में बतौर अध्यक्ष अपना अभिभाषण प्रस्तुत कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि प्रत्येक संस्थान अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से एवं प्रतिष्ठित संस्थानों से अपने खेल कार्यक्रम तथा संरचना निर्माण को प्रायोजित करवाने की दिशा में पहल करें। बैठक में सर्वप्रथम छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ विकास कुमार ने सबका स्वागत करते हुए बैठक के कार्यवृत्त को प्रस्तुत किया। खेल निदेशक डॉ जॉनी रूफीना

तिर्की ने पिछले एक वर्ष के खेल गतिविधियों तथा उस पर हुए खर्च से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया। सर्वाधिक खेलों में भाग लेने के लिए तथा उम्दा प्रदर्शन के लिए संत कोलंबा महाविद्यालय एवं अन्नदा महाविद्यालय की खूब प्रशंसा हुई। वर्ष 2026-27 में आयोजित होने वाले विभिन्न अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु मेजबान संस्थान का चयन किया गया। अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व प्राप्त संस्थान को ही विश्वविद्यालय दल के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन तथा अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय दल का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने संबंधी दायित्व दिया गया । खेल अनुदेशकों (ढळ्क) की नियुक्ति पर सहमति बनी तथा जल्द से जल्द इससे संबंधित प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश संबंधित विभाग को दिया गया। आवश्यकता अनुसार खिलाड़ियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय दल के साथ एक फिजियोथेरेपिस्ट के जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। बढ़ती महंगाई को देखते हुए खिलाड़ी तथा खेल से जुड़े अधिकारी एवं प्रशिक्षकों के दैनिक भत्ता (ऊअ) को आंशिक रूप से बढ़ाने की सहमति को स्वीकृत करते हुए इसे विश्वविद्यालय की वित्त समिति के कार्यवृत्त में सम्मिलित करने का प्रस्ताव लिया गया। कुलपति ने चतरा जैसा पिछड़ा क्षेत्र में खेल के विकास के लिए वहां के तीनों महाविद्यालयों के लिए सम्मिलित रूप से "स्पोर्ट्स हब" बनाने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में अच्छी संख्या में प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ कुलपति ने खेलो में बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। कुलपति ने कहा कि इस वर्ष हॉकी खेल का विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए और हॉकी के अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में संत कोलंबा के अतिरिक्त जेजे कॉलेज तिलैया, अन्नदा महाविद्यालय, रामगढ़ महाविद्यालय, पीजी एथलेटिक क्लब तथा चतरा महाविद्यालय को पुरुष तथा महिला हॉकी दल तैयार करने का निर्देश दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक तथा पूर्व छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ सादिक रज्जाक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में विश्वविद्यालय के सीसीडीसी प्रोफेसर मिथिलेश कुमार सिंह कुलसचिव श्री सुरेंद्र कुशवाहा वित्त पदाधिकारी डॉ प्रदीप पाल पूर्व छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष डॉ इंद्रजीत कुमार तथा पूर्व खेल निदेशक डॉ राखो हरि, संत कोलंबा के प्राचार्य डॉ बिमल रेवन, मारखम कॉलेज के प्राचार्य डॉ गजेंद्र कुमार सिंह, रामगढ़ महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ रत्ना पांडे, पीजी एथलेटिक क्लब के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दुबे, सचिव श्री विजय कुजूर के अलावे लगभग 55 महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा खेल से जुड़े शिक्षक उपस्थित हुए।

एक नजर

विभिन्न मामले में पुलिस ने सात लोगों को भेजा जेल

हसपुरा। हसपुरा पुलिस विशेष छापामारी अभियान चलाकर मारपीट मामले सहित विभिन्न मामले में सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसमें धमनी गांव के चुनु कुमार को कांड संख्या 272 / 26 में बाल सुधार गृह गया जी तथा छः लोगों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में पेश कर अनुमंडल कारा दाउदनगर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि कांड संख्या 272 / 26 के मुख्य आरोपित सुबोध कुमार, कांड संख्या 155 / 26 के अभियुक्त जमाल विगहा के कृष्णा यादव सहित अहियापुर गांव के एनबीडब्ल्यू वारंटी अरविंद कुमार , हरी विगहा के गनौरी यादव , रामलगन यादव , धर्मेंद्र कुमार को न्यायिक हिरासत में पेश कर पुलिस ने जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि छापामारी अभियान बराबर चलता रहेगा और प्राथमिकी मामले में गैर जमानतीय नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तारी होती रहेगी।

संजीव सिंह बने कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष

मदनपुर। कांग्रेस कमेटी मदनपुर प्रखंड इकाई का प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह को बनाए जाने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश राम एवं बिहार कांग्रेस प्रभारी महासचिव कृष्णा अलावरू के द्वारा पटना में दो दिवसीय प्रखंड अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रमाण पत्र दिया गया। प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष बनाने पर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व एवं राज्य नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उसे हर हाल में पूरा करूंगा। बधाई देने वालों में इन्द्र देव भुईयां, मनोज सिंह, मो. जावेद अंसारी, योगेन्द्र सिंह, पदुमदेव सिंह, नरेन्द्र सिंह, उग्रह सिंह, मो. नेजाम, धीरेन्द्र सिंह, मो. गुडु अंसारी सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकताओं ने बधाई दिया। सभी ने यह कामना की कि मदनपुर प्रखंड में कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी। नव मनोनीत प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने कहा कि प्रखंड कांग्रेस कमेटी को पार्टी कार्यकताओं से सहयोग से मजबुत करेंगे।

चार राजस्व कर्मियों का तबादला, दो को मिली नई जिम्मेदारी

दाउदनगर (औरंगाबाद) । अंचल में कार्यरत चार राजस्व कर्मचारी का स्थानांतरण हो गया है। इनके जिम्मे में 12 पंचायत का दायित्व था। अब इन सभी का पंचायत का काम दो राजस्व कर्मचारी को सौंपा गया है। इस संबंध में अंचल अधिकारी दाउदनगर द्वारा बुधवार को पत्र जारी किया गया है। पत्र के अनुसार राकेश पटेल का भोजपुर स्थानांतरण हुआ है। इसके जिम्मे दाउदनगर, करमा और कनाप पंचायत का दायित्व था। आशुतोष कुमार का स्थानांतरण समस्तीपुर हुआ है। जिनके जिम्मे अंकोढ़ा मनार और तरार पंचायत का दायित्व था। इन छह पंचायतों का काम अब परमेश्वर मोची देखेंगे। इसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। इसी तरह कैमूर स्थानांतरित किए गए राहुल सिंह के जिम्मे संसा, चोरी और अरई तथा दरभंगा स्थानांतरित धीरज कुमार यादव के जिम्मे तरारी, बेलवां और सिंदुआर पंचायत था। इन छह पंचायतों की नई जिम्मेदारी देवेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

दो दिवसीय गुरू महोत्सव का आयोजन

रफीगंज। रफीगंज के विशम्भरपुर गांव के ठाकुरबाड़ी परिसर में गुरु पूर्णिमा को लेकर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दो दिवसीय गुरू महोत्सव का आयोजन किया गया। सैकड़ो श्रद्धालुओं एवं शिवयोगियो ने अवधुत शिवानन्द बाबा के तस्वीरों के पास धुमधाम के साथ पूजा-अर्चना की। बुधवार को गुरूपूजन, गुरूखंड पाठ, साधना, भजन, नौ कुवांरी पूजन, बाल भंडारा एवं रात्रि में प्रवचन एवं वृहस्पति वार को रुद्राभिषेक, एवं सामुहिक भंडारा किया गया।इस मौके पर अवकाश प्राप्त शिक्षक ललन प्रसाद सिंह, विश्वनाथ प्रसाद, धरमेन्दर सिह,, सुनील सिह,मुखिया बिरजा ठाकुर, श्यामसुन्दर शर्मा, प्रतिनिधि पिन्टू कुमार, गुडू पासवान बलि पासवान, बैदयनाथ पासवान, अनिल कुमार, जवासर प्रजापति ,मदन राम, अरूण पाठक, अजीत मिश्रा,संजय मिश्रा, परशुराम पासवान, विनोद यादव, अवधेश कुमार यादव, श्रवण शर्मा, शत्रुध्न प्रसाद सिंह, सहित सैकड़ों शिवयोगी महिला -पुरुषों ने हिस्सा लिया।

नशे की हालत में एक व्यक्ति गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना पुलिस ने मद्यनिषेध अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए खरोखर गांव से एक व्यक्ति को शराब के नशे की हालत में गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान खरोखर गांव निवासी राहुल सिंह के रूप में हुई है। चिकित्सीय जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने के बाद उसके विरुद्ध बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद औरंगाबाद न्यायालय भेज दिया गया। मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है।

20 सूत्री की बैठक में अधिकारियों की गैरहाजिरी पर उठे सवाल

हरनौत। प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में बुधवार को 20 सूत्री समिति की बैठक अध्यक्ष रविकांत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में हरनौत विधायक एवं पूर्व मंत्री हरिनारायण सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर बीडीओ डॉ. पंकज कुमार और सीओ रीता कुमारी ने विधायक का बुके देकर स्वागत किया। बैठक में जनहित और क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई, लेकिन कई महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण संबंधित योजनाओं की समीक्षा नहीं हो सकी। सीडीपीओ, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी और एमओ समेत कई अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर समिति के सदस्यों ने नाराजगी जताई। सदस्यों ने कहा कि अधिकांश बैठकों में अधिकारियों की गैरहाजिरी से जवाबदेही प्रभावित हो रही है और विकास कार्यों की समीक्षा अधूरी रह जाती है। विधायक हरिनारायण सिंह ने सभी विभागों को जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में बीडीओ डॉ. पंकज कुमार, सीओ रीता कुमारी, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन, विद्युत कनीय अभियंता मनीष कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समिति सदस्य मौजूद रहे।

वांछित आरोपित 399 सिम कार्ड के साथ गिरफ्तार

बिहारशरीफ। नालंदा पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कतरीसराय थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पेन ड्राइव और बैंक का एटीएम कार्ड बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई को थानाध्यक्ष कतरीसराय के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान गिरियक (कतरीसराय) थाना कांड संख्या 342/24 के वांछित अभियुक्त सुजीत कुमार पिता अर्जुन प्रसाद, निवासी लोहराजपुर को अहियाचक से लाल बिगहा जाने वाली सड़क स्थित एक तीन मंजिला मकान से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से 06 मोबाइल फोन, विभिन्न कंपनियों के 399 सिम कार्ड, 04 पेन ड्राइव तथा एयरटेल पेमेंट्स बैंक का एक एटीएम कार्ड बरामद किया गया। पुलिस ने सभी बरामद सामानों को जब्त कर लिया है।पुलिस का कहना है कि बरामद सामग्री के आधार पर मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए

पांच दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए 28 जुलाई से 1 अगस्त तक आयोजित पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, विभिन्न विभागों, उपलब्ध संसाधनों, संस्थान की कार्यप्रणाली, अनुशासन एवं तकनीकी शिक्षा की संस्कृति से परिचित कराते हुए उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत मणि द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने नवप्रवेशी विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार में हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन, नवाचार, नेतृत्व क्षमता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से परिश्रम, सकारात्मक सोच एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाकर अपने शैक्षणिक जीवन को सफल बनाने का आह्वान किया। कालेज के रजिस्ट्रार डॉ. राय

चन्द्र शेखर प्रसाद ने अपने संबोधन में छात्रों को कालेज के प्रशासनिक ढाँचे, संस्थान के नियमों एवं छात्र सुविधाओं की जानकारी देते हुए उन्हें अनुशासन एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने शैक्षणिक जीवन का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। अकादमिक प्रभारी प्रो. चंदन कुमार ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षा प्रणाली, क्रेडिट आधारित शिक्षा प्रणाली तथा अकादमिक उत्कृष्टता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, नवाचार एवं शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। 28 जुलाई 2026 से 01 अगस्त 2026 तक आयोजित इस पाँच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, आधुनिक प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, नवाचार एवं उद्यमिता गतिविधियों, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों, छात्र कल्याण योजनाओं तथा एंटी-रैगिंग नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त योग, स्वास्थ्य एवं मानसिक कल्याण, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, पर्यावरण संरक्षण, मानव मूल्य तथा कैरियर मार्गदर्शन जैसे विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान एवं संवाद सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। इंडक्शन प्रोग्राम के सफल आयोजन में समन्वयक प्रो. आरती कुमार, डॉ. राकेश रोशन, प्रो. जितेंद्र कुमार यादव एवं डॉ. प्रमोद कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समन्वयकों ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए उन्हें शैक्षणिक, तकनीकी एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि यह पांच दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम नवप्रवेशी विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा तथा उन्हें एक कुशल अभियंता, जिम्मेदार नागरिक एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाला युवा बनने के लिए प्रेरित करेगा।

छात्रों का भविष्य केवल कानून से नहीं होगा सुरक्षितः

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । काराकाट के सांसद राजाराम सिंह ने लोकसभा में बहस के दौरान लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026- पर अपनी बात रखी। स्पष्ट कहा कि देश के युवाओं का भविष्य केवल कड़े कानून बना देने से सुरक्षित नहीं होगा। जब तक परीक्षा प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वसनीय नहीं बनेगी, तब तक पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितताओं और लाखों छात्रों के साथ होने वाले अन्याय पर प्रभावी रोक संभव नहीं है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निष्पक्ष परीक्षा प्रत्येक छात्र का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी केवल दोषियों को सजा देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए जहां हर छात्र बिना भय, भेदभाव और भ्रष्टाचार के अपनी मेहनत के बल पर सफलता प्राप्त कर सके। लोकसभा में इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के दौरान सांसद राजाराम सिंह ने युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाते हुए पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायपूर्ण परीक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो, परीक्षा प्रणाली पारदर्शी हो, और शिक्षा व्यवस्था पर देश का विश्वास कायम रहे, यही हमारी प्रतिबद्धता है।

ट्रक से कुचलकर सेवानिवृत्त शिक्षक की मौत

लगभग 200 मीटर बाइक को घसीट कर ले गया ट्रक

दाउदनगर (औरंगाबाद) । पटना-औरंगाबाद पथ पर कुर्बान बिगहा के पास बुधवार की सुबह एक ट्रक ने बाइक सवार को कुचल कर मार डाला। बाइक सवार भखरुआं से औरंगाबाद रोड में जा रहे तब पीछे से ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। इस पर सवार सेवा निवृत शिक्षक की मौत हो गई। उनकी पहचान शहर के रामनगर वार्ड संख्या-16 निवासी 63 वर्षीय विजय सिंह के रूप में हुई है। वे लगभग दो वर्ष पूर्व शिक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी पत्नी भी शिक्षिका हैं। वे ओबरा प्रखंड की मझियांवा पंचायत के जमुहारा स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत हैं। इन दिनों वे दाउदनगर के प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रही थीं। पत्नी को वे बाइक से तरारी ओवर ब्रिज होते हुए बीआरसी पहुंचा कर वापस लौट रहे थे, तब यह हादसा हुआ। लौटते समय उन्होंने घर के लिए सब्जी और फल भी खरीदा था। बताया जाता है कि ट्रक चालक ने बाइक को लगभग 200 मीटर तक घसीटा। ग्रामीणों ने पीछा कर ट्रक को पकड़ लिया। बताया गया कि उनके परिवार में पत्नी और एक पुत्र हैं। पुत्र ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। घटना की सूचना मिलते ही दाउदनगर के अपर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार, सब इंस्पेक्टर विक्की कुमार, एएसआई भूपेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

बारुण और कंचनपुर थानों की अनूठी पहल से स्कूली बच्चे हुए जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार पुलिस द्वारा राज्य में कानून का राज स्थापित करने और जमीनी स्तर पर जन-जागरूकता फैलाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विधि पालक के तहत जिले में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज बारुण एवं कंचनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत महिला पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों द्वारा स्थानीय विद्यालयों में विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी और स्कूली बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों और सामाजिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक बनने के साथ-साथ खुद को सुरक्षित रख सकें। आज के डिजिटल युग में बच्चे और युवा तेजी से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए। साथ ही, साइबर अपराध होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। तस्करों द्वारा भोले-भाले बच्चों और किशोरों को बहला-फुसलाकर महानगरों में बेचने के कुप्रयासों के प्रति बच्चों और शिक्षकों को सतर्क किया गया। संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई। महिला एवं बाल सुरक्षा कानूनः महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनी प्रावधानों, पॉक्सो एक्ट और आपातकालीन सहायता सेवाओ डायल 112 और महिला हेल्प लाइन नंबरों की जानकारी दी गई। बारुण और कंचनपुर थाना की महिला पुलिस पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कानून का डर नहीं, बल्कि कानून की जानकारी ही सुरक्षा की सबसे बड़ी ढाल है। जागरूकता कार्यक्रम से स्कूली बच्चों में खासा उत्साह देखा गया और उन्होंने सुरक्षा से जुड़े कई सवाल भी पूछे, जिनका पुलिस कर्मियों ने सरल भाषा में जवाब दिया। स्थानीय लोगों और विद्यालय प्रबंधन ने बिहार पुलिस के इस सकारात्मक कदम की प्रशंसा की है।

गुरु पूर्णिमा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हसपुरा। हसपुरा औरंगाबाद गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आनंद संगीत महाविद्यालय के तत्वावधान में हसपुरा इटवां रोड़ में भव्य सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चंदन कुमार एवं आदित्य राज द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण गुरु वंदना ₹गुरुवर चरणों में दे दो ठिकाना मुझे₹ से हुआ, जिसने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। इसके उपरांत गुरु अर्जुन सिंह आनंद के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार ने की, जबकि मंच संचालन बिपिन कुमार ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के निदेशक अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की महान परंपरा का प्रतीक है। गुरु ही व्यक्ति

के जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करना सीखती है।मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार शम्भू शरण सत्यार्थी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति आस्था, सम्मान और समर्पण व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि गुरु के मार्गदर्शन से ही मनुष्य ज्ञान, संस्कार और जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने गुरु के प्रति सदैव आदर और कृतज्ञता का भाव बनाए रखना चाहिए।कार्यक्रम को सफल बनाने में आदित्य राज, सुशील कुमार, ज्ञान रंजन, सुजीत कुमार, सोनू कुमार, सिंटू कुमार सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

गुरु पूर्णिमा पर अपनी एक बुराई का किया त्याग

गायत्री प्रज्ञा पीठ में हुआ आयोजन

नबिटा संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद) । गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पचकठवा देवी मंदिर स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वेद माता गायत्री ट्रस्ट के तहत हुए आयोजन में वैदिक विधि से गुरु के प्रति श्रद्धालुओं ने अपना समर्पण व्यक्त किया। बताया गया कि यहां उपस्थित हर स्त्री-पुरुष ने अपने अंदर की एक बुराई का त्याग किया। इसे गुरु दक्षिणा के रूप में दे दिया। अच्छे जीवन का संकल्प लिया ताकि समाज को बेहतर बना सकें।

मुख्य ट्रस्टी विद्यासागर और बलदेव प्रसाद, अरुण कुमार, बिंदु देवी ने बताया कि वसुधेव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा को व्यापक बनाने के लिए यह कार्यक्रम किया गया।

आपस में भाईचारा रहे, किसी प्रकार का कोई जाति भेदभाव ना हो, इसलिए आयोजन हुआ। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। लगभग 300 स्त्री पुरुष इसमें शामिल हुए। पूजा अर्चना के बाद भंडारा का आयोजन किया गया। प्रसाद का वितरण हुआ। चंदन कुमार, पनचून विश्वकर्मा, परिवाचक राजीव कुमार एवं अनुराधा देवी, अंजू लता, अंजू कुमारी समेत कई महिलाएं शामिल हुईं।

जन-सुनवाई में डीएम ने दिखायी सख्ती

बिहारशरीफ। समाहरणालय में आयोजित साप्ताहिक जन-सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी उदिता सिंह ने जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से पहुंचे 31 फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए कई मामलों में मौके पर ही सख्त निर्देश जारी किए।जन-सुनवाई में सबसे अधिक भूमि विवाद और राजस्व से जुड़े मामले सामने आए। हिलसा अनुमंडल के भूमि विवादों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। नगर निगम की नाली क्षतिग्रस्त करने की शिकायत पर नगर आयुक्त को जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।वर्षों से लंबित भूमि विवाद, जमाबंदी सृजन, खेत की मापी तथा गैर मजरूआ आम भूमि पर अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश अपर समाहर्ता एवं जिला राजस्व शाखा के अधिकारियों को दिया गया।

एफएलएन एवं टीचिंग एट द राइट लेवल कार्यक्रम पर उन्मुखीकरण कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुटुंबा (औरंगाबाद)। बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) तथा टीचिंग एट द राइट लेवल कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को प्रखंड संसाधन केंद्र, कुटुंबा में प्रखंड स्तरीय एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रखंड के सभी संकुलों से संकुल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने भाग लिया।

कार्यशाला में कक्षा 4 से 8 तक के हिंदी एवं गणित विषय में कमजोर दक्षता वाले बच्चों को बुनियादी अधिगम स्तर तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि ऐसे बच्चों को लक्ष्य समूह मानते हुए उन्हें विशेष शैक्षणिक सहयोग दिया जाएगा। विद्यालयों के नामित शिक्षक समावेशी कक्षा के माध्यम से गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाते हुए एफएलएन किट एवं टीएलएम की सहायता से पढ़ाई को रोचक और आनंददायक बनाएंगे। खेल, चहक एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के

सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रत्येक संकुल से प्राथमिक कक्षाओं के दो शिक्षक (हिंदी एवं गणित) तथा उच्च प्राथमिक कक्षाओं के दो शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाएगा। शुक्रवार को हिंदी के नामित शिक्षकों तथा शनिवार को गणित के नामित शिक्षकों का संकुल स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित होगा। संकुल स्तर के मास्टर प्रशिक्षक विद्यालयों से नामित शिक्षकों को यह प्रशिक्षण देंगे कि कमजोर बच्चों को हिंदी में कहानी स्तर तथा गणित में बुनियादी गणितीय संक्रियाओं के स्तर तक कैसे पहुंचाया जाए।

कार्यशाला में यह भी बताया गया कि सभी विद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों का पहले बेसलाइन सर्वे किया जाएगा। इसके आधार पर हिंदी एवं गणित में कमजोर बच्चों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद खेल एवं गतिविधि आधारित शिक्षण के माध्यम से उन्हें विशेष रूप से शिक्षित कर उनकी अधिगम क्षमता में सुधार किया जाएगा। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर चंद्रशेखर प्रसाद साहू, राजीव रंजन सिंह, ज्योति भूषण, राहुल रंजन, कुमार बिजेंद्र, लेखापाल अविनाश कुमार, डेटा इंट्री ऑपरेटर विपिन कुमार सहित विभिन्न संकुलों से नामित मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

मनीष पत्रकार संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष, संतोष उपाध्यक्ष निर्वाचित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्षता और एकजुटता की मिसाल पेश करते हुए रजौली पत्रकार संगठन के चुनाव में एक बार फिर कुमार मनीष देव को अध्यक्ष पद पर चुना गया है। पत्रकारों ने भारी मतों से अपना भरोसा जताते हुए उन्हें संगठन की कमान सौंपी है। बुधवार को रजौली के एनएच-20 किनारे स्थित स्वस्तिक रेस्टोरेंट में हुए संगठन के वार्षिक चुनाव में पत्रकारों की भारी उपस्थिति रही। चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के बाद मतगणना में कुमार मनीष देव को स्पष्ट बढ़त मिलते ही पत्रकारों ने तालियों से उनका स्वागत किया। वहीं संतोष कुमार सिंह उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। संगठन के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को पत्रकार साथियों ने मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। **पत्रकारों की एकता ही हमारी ताकत है** अध्यक्ष चुने जाने के बाद कुमार मनीष देव ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि रजौली के सभी पत्रकारों की एकता और भरोसे की जीत है। उन्होंने कहा, ₹आज के दौर में पत्रकारों के सामने कई चुनौतियां हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्ष होकर समाज की आवाज बनें और प्रशासन व आमजन के बीच सेतु का काम करें। पत्रकारों के हित और सुरक्षा के लिए संगठन हमेशा आगे रहेगा।₹ उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपने कार्यकाल में संगठन को और मजबूत किया जाएगा। पत्रकारों की समस्याओं को जिला और राज्य स्तर तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही प्रखंड में होने वाली गलत गतिविधियों को उजागर कर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका को मजबूती से निभाया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया में वरिष्ठ पत्रकारों और निर्वाचन पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। नए कार्यकारिणी के गठन के बाद संगठन में नई ऊर्जा देखी जा रही है।

नालंदा में उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर, व्यापार सुगमता के लिए जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में औद्योगिक विकास, निवेश को प्रोत्साहन और उद्यमियों के लिए पारदर्शी एवं सुगम कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को समाहरणालय में जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में श्व्यापार सुगमता एवं जिला व्यापार सुधार कार्य योजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य व्यापार सुधार कार्य योजना, जिला व्यापार सुधार कार्य योजना तथा सिंगल विंडो सिस्टम के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में उद्योगों और निवेश को बढ़ावा देने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि उद्यमियों को किसी भी प्रकार की अनावश्यक प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़े।बैठक में भूमि आवंटन, भवन मानचित्र स्वीकृति, व्यापार लाइसेंस, व्यावसायिक बिजली कनेक्शन, पर्यावरणीय स्वीकृति, अग्निशमन विभाग की एनओसी सहित विभिन्न विभागीय अनुमतियों से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कागजी प्रक्रियाओं को न्यूनतम करते हुए सभी स्वीकृतियां डिजिटल, पारदर्शी और निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा कर उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम को पूरी तरह प्रभावी बनाने तथा नए उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने जिला उद्योग केंद्र और स्टार्टअप सेल के माध्यम से नए उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक, जीएसटी, कृषि, अग्निशमन, विद्युत, स्वास्थ्य, एलडीएम, बियाडा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व बाघ दिवस पर राजगीर जू सफारी में एमओयू, वन्यजीव संरक्षण को मिलेगा नया बल

बिहार वेटनरी कॉलेज और जू सफारी के बीच समझौता 480 विद्यार्थियों ने चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

राजगीर। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर राजगीर जू सफारी में वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को समर्पित भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (पटना) डॉ. नेसामणि के. तथा विशिष्ट अतिथि बिहार वेटनरी कॉलेज, पटना के डीन डॉ. पल्लव शेखर रहे।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बिहार वेटनरी कॉलेज, पटना और राजगीर जू सफारी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर रहा। डीन डॉ. पल्लव शेखर और जू सफारी के निदेशक राम सुन्दर एम ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत वन्यजीव चिकित्सा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, वेटनरी छात्रों के प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, प्रयोगशाला सहयोग और क्षमता विकास के क्षेत्र में दोनों संस्थान मिलकर कार्य करेंगे।इस अवसर पर राजगीर के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 480 विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। विजेता विद्यार्थियों को डॉ. नेसामणि के. ने पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि बाघ हमारे वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण संकेतक हैं और इनके संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने जू सफारी परिसर में स्थापित एटीएम का भी उद्घाटन किया।डॉ. पल्लव शेखर ने एमओयू को वन्यजीव उपचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताया। निदेशक राम सुन्दर एम ने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ती पर्यावरण जागरूकता का सकारात्मक संकेत है और यह साझेदारी बिहार में वन्यजीव संरक्षण को नई मजबूती प्रदान करेगी। कार्यक्रम में वन विभाग, जू सफारी एवं बिहार वेटनरी कॉलेज के अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर

सोना कारोबारी से 70 हजार, चेन व मोबाइल की लूट

बिहारशरीफ। रहुई थाना क्षेत्र के डीहरा मोड़ से रहीमपुर जाने वाले मार्ग पर मंगलवार देर शाम चार बदमाशों ने एक सोना कारोबारी से पिस्टल के बल पर 70 हजार नकद, सोने की चेन और मोबाइल फोन लूट लिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। रहीमपुर निवासी मिथिलेश कुमार सिन्हा ने बताया कि वह रहुई बाजार में वर्षों से सोने-चांदी की दुकान चलाते हैं। मंगलवार शाम करीब सात बजे दुकान बंद कर घर लौटने के दौरान दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। हथियार के बल पर बैग में रखी नकदी, गले की चेन और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित के शोर मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और डायल-112 तथा रहुई थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे भाग निकले। पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है तथा गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सफाई व पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने पर नगर परिषद की बैठक में मंथन

राजगीर। नगर परिषद राजगीर की सामान्य बोर्ड की बैठक बुधवार को सभापति जीरो देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नगर परिषद की विकास योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की गई तथा लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक में सशक्त स्थायी समिति के पूर्व निर्णयों की पुष्टि एवं अनुमोदन पर भी चर्चा हुई। शहर की सफाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और पेयजल आपूर्ति में सुधार के लिए जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सुझाव दिए। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। बैठक में विधायक कौशल किशोर, मंत्री प्रतिनिधि मुन्ना कुमार, सभापति जीरो देवी, डॉ. अनिल कुमार, महेंद्र यादव, मीरा कुमारी, अजय यादव, मुन्ना चौधरी, कुमारी सविता चंद्रवंशी सहित वार्ड पार्षद और नगर परिषद के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नागरिक सुविधाओं में सुधार और नगर के समग्र विकास के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

गुरु पूर्णिमा पर आत्मज्ञान और सद्भाव का संदेश

गिरियक। विश्व धर्म जागृति अभियान के तत्वावधान में बुधवार को पावापुरी स्थित बाबा ठाकुर मंदिर परिसर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। श्री सुबोध जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। गुरु वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसके बाद भजन, स्तुति, सत्संग एवं प्रवचन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।प्रवचन में श्री सुबोध जी महाराज ने कहा कि आज समाज ज्ञान-विज्ञान के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन अंधविश्वास और अफवाहें भी तेजी से फैल रही हैं। बिना सत्य जाने किसी बात पर विश्वास करना समाज और देश दोनों के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अच्छा इंसान होने के साथ सजग और व्यवहारिक भी बनना चाहिए। अंत में वैदिक मंगलकामना "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः" के साथ सभी के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अरहर की वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नालंदा के सभी प्रखंडों में प्रदर्शनी

बिहारशरीफ। अरहर की खेती को बढ़ावा देने और किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) नालंदा द्वारा जिले के सभी 20 प्रखंडों में प्रदर्शन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रत्येक प्रखंड से तीन किसानों का चयन कर उन्हें अरहर की उन्नत खेती के लिए आधार बीज, माइकोराइजा जैव उर्वरक, इमीदाक्लोप्रिड तथा इमैमेक्टिन बेंजोएट सहित आवश्यक कृषि सामग्री उपलब्ध कराई गई।कार्यक्रम के दौरान किसानों को बीज उपचार, फसल प्रबंधन, पौधों के पोषण और समय पर कीट एवं रोग नियंत्रण की वैज्ञानिक जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि माइकोराइजा जैव उर्वरक पौधों की जड़ों के विकास, पोषक तत्वों के अवशोषण और मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर फसल की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि प्रदर्शन कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है, ताकि वे नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हों।

ट्रेनों की संख्या बढी,प्रतिदिन आय बढी, पर बूंद-बूंद पानी को तरस रहे यात्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिले के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन बिहारशरीफ पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही होती है, लेकिन यहां बुनियादी सुविधाओं का गंभीर अभाव बना हुआ है। नवादा, शेखपुरा और नालंदा जिले के विभिन्न इलाकों से आने-जाने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी पेयजल संकट के कारण उठानी पड़ रही है। स्टेशन पर पानी की ऐसी किल्लत है कि लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। वहीं पानी के अभाव में शौचालयों की स्थिति भी बदतर हो गई है।बिहारशरीफ रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन 16 जोड़ी यानी कुल 32 ट्रेनों का परिचालन होता है। सुबह तीन बजे से लेकर रात दस बजे तक ट्रेनों की आवाजाही जारी रहती है। बावजूद इसके यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। जानकारी के अनुसार स्टेशन पर पेयजल आपूर्ति के लिए बनी दो पानी की टंकियां जर्जर होने के कारण ध्वस्त कर दी गई थीं। इसके बाद अब तक नई पानी टंकी का निर्माण नहीं कराया गया, जिससे पेयजल संकट लगातार बना हुआ है। स्टेशन पर सिर्फ पेयजल ही नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म संख्या दो से पांच तक पर्याप्त यात्री शेड का भी अभाव है। गर्मी और बारिश के मौसम में यात्रियों को खुले आसमान के नीचे ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा शौचालय और यूरिनल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बिहारशरीफ रेलवे स्टेशन से रेलवे को प्रतिदिन करीब दो से ढाई लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता है। यहां से देश के विभिन्न हिस्सों के लिए आरक्षण भी कराया जाता है। इसके बावजूद स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी यात्रियों में नाराजगी का कारण बनी हुई है। लोगों का कहना है कि इतना राजस्व देने वाले स्टेशन पर पेयजल, शौचालय, यात्री शेड और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकता होनी चाहिए।भारत सरकार की ओर से बिहारशरीफ रेलवे स्टेशन परिसर में देश की आन, बान और शान के प्रतीक तिरंगे को फहराने के लिए 100 फीट ऊंचा पोल लगाया गया था। कुछ माह पहले आई तेज आंधी में यह पोल क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। इसके बाद अब तक नया पोल नहीं लगाया गया है। पहले दूर से ही स्टेशन परिसर में लहराता तिरंगा दिखाई देता था, लेकिन अब उसकी अनुपस्थिति लोगों को खल रही है।

नूरसराय लूटकांड का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई अपाची बाइक बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना क्षेत्र के ननौरा स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप हुई बाइक लूट की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई अपाची मोटरसाइकिल एवं अन्य सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार 27 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे चार अज्ञात अपराधियों ने ननौरा बजरंगबली मंदिर के पास एक व्यक्ति से अपाची मोटरसाइकिल एवं अन्य सामान लूट लिया था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-2) के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।इस संबंध में नूरसराय थाना में कांड संख्या 419/26 दर्ज किया गया। तकनीकी, वैज्ञानिक एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर की गई जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूटी गई अपाची मोटरसाइकिल तथा अन्य सामान भी बरामद कर लिए गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में विकास कुमार पिता शिवकुमार यादव, निवासी अतवलचक, थाना थरथरी, रोहित कुमार पिता सुभाष यादव, बड़ी देवी स्थान, थाना नूरसराय,साहिल कुमार पिता हरेंद्र पासवान, नूरसराय एवम रविश कुमार उर्फ भेटारी पिता श्याम किशोर यादव, अतवलचक, थाना थरथरी एवम नीरज कुमार पिता अलिन्द्र रविदास बड़ी देवी स्थान, थाना नूरसराय शामिल है।

श्रावणी मेला की तैयारियों का डीएम ने किया स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। श्रावणी मेला-2026 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर नालंदा की जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने बुधवार को राजगीर के कुंड क्षेत्र एवं व्यावहारगिरि पर्वत का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं 533 सीढियां चढ़कर मेला मार्ग, सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पर्वत श्रृंखलाओं के धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन महत्व की जानकारी दी तथा प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं की मांग रखी। डीएम ने पूरे मार्ग में समुचित प्रकाश, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, कंट्रोल रूम, मेडिकल टीम तथा आवश्यकता पड़ने पर आपदा मित्रों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सिद्धनाथ मंदिर, बेलवेदार क्षेत्र और जरासंध अखाड़ा का भी निरीक्षण किया तथा वर्षा जल संरक्षण के लिए जलाशय को और गहरा करने एवं मंदिर परिसर के आसपास अतिक्रमण हटाकर पार्किंग विकसित करने का निर्देश दिया। डीएफओ के साथ भू-जल संरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। डीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी विभाग समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करें। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, राजगीर एसडीओ सहित अन्य अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नवादा

रजौली प्रखंड सभागार में विकास योजनाओं की समीक्षा, छह करोड़ की मिली मंजूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रमुख सरोज देवी की अध्यक्षता में पंचायत समिति सदस्यों, मुखियाओं एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क नवीकरण योजना, राशन कार्ड, सहकारिता, 15वें एवं षष्ठम वित्त आयोग की अनुपूरक राशि, पंचायत समिति योजनाओं के चयन, सामाजिक सुरक्षा, श्रम, वन, अंचल, पीएचईडी, विद्युत, पशुपालन, सिंचाई तथा जीविका से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया, जबकि जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने पंचायतों की समस्याएं रखीं। बीडीओ संजीव झा ने बताया कि विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 5 करोड़ तथा पंचायत समिति योजनाओं के लिए करीब 1 करोड़ की स्वीकृति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायतों की सभी योजनाएं भी स्वीकृत कर दी गई हैं, जिससे विकास कार्यों में तेजी आएगी। प्रमुख सरोज देवी ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से स्वीकृत राशि का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी, उपप्रमुख विनोद राजवंशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।।

एसपी अभिनव धीमान ने किया कौआकोल थाना का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। नवादा के पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने मंगलवार को कौआकोल थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना के विभिन्न अभिलेखों,लंबित कांडों, मालखाना, हाजत, थाना परिसर तथा पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर लंबित कांडों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अनुसंधानकर्ता समयबद्ध तरीके से मामलों की जांच पूरी कर आरोप पत्र समर्पित करें,ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। एसपी ने क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के धंधेबाजों,अपराधियों तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर पुलिस की पैनी नजर रहनी चाहिए और किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में नियमित एवं सघन गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी रखने तथा अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने का निर्देश दिया। साथ ही आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार बनाए रखने और उनकी शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने पर भी बल दिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी निष्ठा,ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। मौके पर थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

पीड़ित परिवार से मिले पासवान एकता मंच के कार्यकर्ता

50 लाख मुआवजे व फांसी की मांग

पकरीबरावां। थाना क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीया बच्ची के दुष्कर्म के बाद उसकी निर्मम हत्या को लेकर पूरे इलाके में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इस दुखद और दर्दनाक घटना के बाद से ही क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है। इसी क्रम में पासवान एकता मंच का एक प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर शोकाकुल परिजनों का हाल-चाल जाना व उन्हें ढांढस बंधाया। मुलाकात के दौरान मंच के सदस्यों ने पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। मृतका के पिता तथा भाई ने रोते-बिलखते हुए प्रतिनिधिमंडल को घटनाक्रम की पूरी घटना बतायी। पीड़ित परिवार को इस कठिन घड़ी में हर संभव सहयोग और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। पासवान एकता मंच के अवधेश पासवान, आशो पासवान, भरत पासवान, राजू आजाद पासवान,आकाश पासवान, दामोदर पासवान एवं रंजीत पासवान ने इस जघन्य अपराध पर गहरा दुख व्यक्त किया। मंच के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से 50 लाख रुपए मुआवजा की मांग की। दुष्कर्म और हत्या में शामिल सभी आरोपियों को पुलिस तुरंत गिरफ्तार करे और मामले को स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषियों को फांसी की सजा दिलाए।

महानिरीक्षक (मगध), गया को आवेदन देकर न्याय की गुहार

नारदीगंज,नवादा। नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र के गंजपर निवासी कपिल यादव ने पुलिस महानिरीक्षक (मगध), गया को आवेदन देकर न्याय का गुहार लगाई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि नारदीगंज थाना कांड संख्या 250/2026 के मुख्य नामजद आरोपी को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी खुलेआम क्षेत्र में घूम रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री रूनी कुमारी की शादी वर्ष 2020 में दलेलपुर नंदग्राम गांव के विपिन कुमार से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उसे प्रताड़ित किया जाने लगा था। जिसके बाद उसने वर्ष 2024 में दहेज प्रताड़ना का मामला न्यायालय में भी दर्ज कराया था। आरोप है कि उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई, जिसके संबंध में नौ जुलाई 2026 को प्राथमिकी दर्ज हुई। लेकिन अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आरोपी के ठिकाने की सूचना पुलिस को देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है । इस मामले को निष्पक्ष जांच कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

शिक्षक की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ, नवादा ने शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बुधवार को जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संघ ने समयबद्ध प्रोन्नति, वेतन संरक्षण, सेवा पुस्तिका संधारण और बकाया भुगतान सहित कई मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष दिनेश नाथ पासवान ने बताया कि शिक्षा विभाग के निर्देशों के बावजूद जिले के किसी भी प्रखंड में 12 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके नियोजित एवं विशिष्ट शिक्षकों को कालबद्ध प्रोन्नति नहीं दी जा रही है। वहीं, प्रधान शिक्षक, प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय अध्यापक बनने वाले शिक्षकों को वेतन संरक्षण का लाभ भी अब तक नहीं मिल सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरई-01, टीआरई-02 एवं टीआरई-03 के विद्यालय अध्यापकों की सेवा पुस्तिका खोलने के आदेश के बावजूद अधिकांश प्रखंडों में कार्य लंबित है। संघ का आरोप है कि सेवा पुस्तिका संधारण के नाम पर अवैध राशि की मांग की जा रही है, जिससे शिक्षकों में रोष है। संघ ने मांग की कि जिला मुख्यालय में प्रखंडवार शिविर लगाकर सेवा पुस्तिका संधारण कराया जाए, ताकि शिक्षकों का आर्थिक एवं मानसिक शोषण रोका जा सके। जिला सचिव अजय कुमार ने कहा कि विशिष्ट शिक्षक से प्रधान शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक बने शिक्षकों के बकाया वेतन का भुगतान, नियोजित शिक्षकों के लंबित देयकों का निपटारा तथा एमएसीपी और राघवेंद्र शर्मा बनाम बिहार सरकार मामले से लाभान्वित नियमित शिक्षकों के एरियर का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही नियमित शिक्षकों की सेवा पुस्तिका भविष्य निधि कार्यालय भेजने की भी मांग की गई।

जानलेवा हमला मामले में दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के ऊपरटंडा में बीते 16 जुलाई की रात्रि को चाचा-भतीजा पर हुई जानलेवा हमला मामले में पुलिस बलों ने एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर शराब मामले में पांच वर्षों से फरार चल रहे अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि महसई निवासी सुधीर मालाकार की पत्नी रीता देवी ने थाने को लिखित आवेदन देकर बताई कि उनका बेटा रौशन कुमार अपने दोस्तों के साथ नदी के तरफ घूमने गया था। इसी क्रम में ऊपरटंडा के मोहित कुमार, सौरव कुमार, विकास कुमार व सुजीत कुमार के अलावे नीचे बाजार निवासी मंटू कुमार द्वारा रौशन को भद्दी-भद्दी गालियां दी गई। रौशन द्वारा विरोध करने पर उक्त पांचों लोगों द्वारा लोहे के रॉड से सिर पर मारकर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया। सूचना पर पहुंचे संजीत कुमार के सीने में भी बोतल को फोड़कर जानलेवा हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़ित रीता देवी के द्वारा दिया आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अभियुक्तों की गिरफ्तारी में जुटी हुई थी। इसी बीच गुप्त सूचना के आलोक में नामजद अभियुक्त श्री साव के पुत्र मंटू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2021 में पुलिस ने 100 लीटर शराब के साथ दो बाइकों को जब्त किया था एवं दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया था,जबकि कुछ तस्कर भाग गए थे। इसको लेकर रजौली थाना कांड संख्या 294/21 में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। पुलिस ने कांड के वांछित अभियुक्त झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र के झुमरी तिलैया के बेलाटांड़ मोहल्ला निवासी शिवशंकर प्रसाद के पुत्र पंकज कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

अपहृत बच्ची की हत्या का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

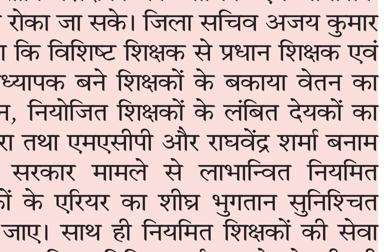

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पकरीबरावां थाना क्षेत्र में बच्ची के अपहरण और हत्या के मामले का नवादा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। जांच के दौरान 28 जुलाई की सुबह देवधा कॉलेज के समीप खेत से बच्ची का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर जांच आगे बढ़ाई गई। पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी जांच के आधार पर लखनपुर निवासी धुनंदन मांझी उर्फ तेतरी मांझी को गिरफ्तार किया। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने बच्ची के अपहरण, उसके साथ दुष्कर्म और बाद में हत्या कर शव खेत में फेंकने की बात स्वीकार की है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है। साथ ही, पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और स्पीडी ट्रायल के माध्यम से आरोपी को शीघ्र सजा दिलाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिले के नरहट थाना क्षेत्र के ओलीपुर गांव में बुधवार को करंट लगने से लगभग 59 वर्षीय राम स्वरूप महतो की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम स्वरूप महतो गांव के अपना घर के पास बिजली के पोल के समीप खड़े थे। इसी दौरान अचानक वे बिजली के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना मिलने पर नरहट थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक राम स्वरूप महतो समाजसेवी राजेंद्र प्रसाद के पिता बताए जाते हैं। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और शुभचिंतक परिजनों को सांत्वना देने उनके घर पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हबीबा को दिया गया बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ का अवार्ड

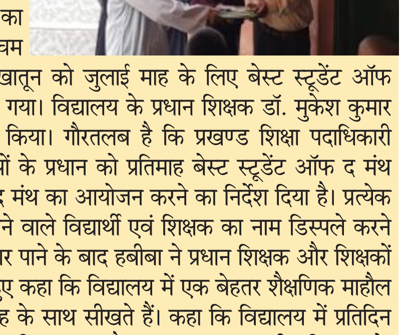

प क री ब रा वां। पकरीबरावां प्रखण्ड की उत्तरी ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय सुदनपुर उर्दू में एक समारोह आयोजित कर द बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ का अवार्ड दिया गया। पंचम वर्ग की छात्रा हबीबा खातून को जुलाई माह के लिए बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ का अवार्ड दिया गया। विद्यालय के प्रधान शिक्षक डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा ने उसे पुरस्कृत किया। गौरतलब है कि प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी राहुल रंजन ने विद्यालयों के प्रधान को प्रतिमाह बेस्ट स्टूडेंट ऑफ द मंथ एवं बेस्ट टीचर ऑफ द मंथ का आयोजन करने का निर्देश दिया है। प्रत्येक माह इससे सम्मानित होने वाले विद्यार्थी एवं शिक्षक का नाम डिस्पले करने को कहा गया है। पुरस्कार पाने के बाद हबीबा ने प्रधान शिक्षक और शिक्षकों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि विद्यालय में एक बेहतर शैक्षणिक माहौल बना है। बच्चे पूरे उत्साह के साथ सीखते हैं। कहा कि विद्यालय में प्रतिदिन गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर वरीय शिक्षक मो. अख्तर, शिक्षक मो. सोहराब कुरैशी, फरहत जहां, अजय कुमार विश्वकर्मा, अभिजीत कुमार, तालीमी मरकज की शिक्षा सेविका नुरैसा खातून सहित अन्य उपस्थित थे।

राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई: 12 अधिकारियों और कर्मियों पर गिरी गाज

राजस्व मंत्री के आदेश पर अब तक 82 अधिकारियों व कर्मियों पर हुई विभागीय कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

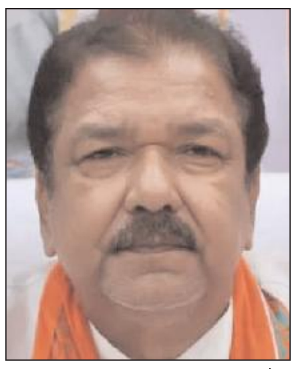

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 राजस्व अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की है। विभिन्न मामलों की समीक्षा और जांच के बाद कई अधिकारियों के विरुद्ध आरोप पत्र गठित किए गए हैं, जबकि अन्य पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड लगाए गए हैं। कुछ अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी जारी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार, लापरवाही और विभागीय निर्देशों की अवहेलना के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि भू अर्जन कार्यालय, मुंगेर के राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो अरविंद कुमार, राघोपुर (वैशाली) के अंचल अधिकारी दीपक कुमार तथा बिस्फी (मधुबनी) की तत्कालीन अंचल अधिकारी वंदना कुमारी के विरुद्ध विभागीय आरोप पत्र गठित किए गए हैं। इसके अलावा गोपालगंज सदर के अंचल अधिकारी रजत कुमार वर्णवाल, एकमा (सारण) के अंचल अधिकारी अमलेश कुमार, गोह (औरंगाबाद) के तत्कालीन अंचल अधिकारी विश्वजीत नीलांकर, औरंगाबाद के तत्कालीन अंचल अधिकारी अंशु कुमार सिंह तथा कल्याणपुर (समस्तीपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी राजन कुमार पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड अधिरोपित किए गए हैं। वहीं रामनगर (पश्चिम चंपारण) के तत्कालीन अंचल अधिकारी उदय शंकर मिश्रा, कुढ़नी (मुजफ्फरपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी रणभू ठाकुर, हाजीपुर (वैशाली) की तत्कालीन अंचल अधिकारी अंजली कुमारी तथा सासाराम के तत्कालीन अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ओंकारा के विरुद्ध विभागीय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई संचालित की जा रही है। डॉ. जायसवाल ने कहा कि पिछले दो माह के कार्यकाल में अब तक 82 अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध विभिन्न मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें भ्रष्टाचार, दाखिल-खारिज में अनियमितता, सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा विभागीय निर्देशों की अवहेलना जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि राजस्व विभाग में ईमानदारी से काम करने वालों को पूरा संरक्षण मिलेगा, लेकिन भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितता करने वालों के लिए विभाग में कोई जगह नहीं है। जनता के हितों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

गुरु पूर्णिमा पर पार्टी कार्यकर्ता के घर पहुंचे नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना साहिब स्थित गया जिला के जदयू के वरिष्ठ नेता चंदन कुमार सिंह के आवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना, स्नेहाशीष दिया तथा चंदन कुमार सिंह की माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों ने नीतीश कुमार का आत्मीय स्वागत किया। उनके आगमन से पूरे परिवार में हर्ष और उल्लास का वातावरण रहा। परिवार ने उनके स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद को अपने लिए सौभाग्य बताया। चर्चा के दौरान नीतीश कुमार और चंदन कुमार सिंह के परिवार के बीच लंबे समय से रहे आत्मीय संबंधों की भी चर्चा हुई। चंदन कुमार सिंह के दिवंगत पिता एवं प्रख्यात समाजसेवी सुरेश नारायण सिंह से नीतीश कुमार का वर्षों पुराना व्यक्तिगत संबंध रहा। उनके सहयोग और आग्रह पर गया जिले के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों की शुरुआत हुई तथा कई जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिली, जिनका लाभ आज भी जिले के लोगों को मिल रहा है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित इस आत्मीय मुलाकात में सामाजिक सरोकार, पारिवारिक संबंधों और जनसेवा की भावना पर भी चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने इसे वर्षों पुराने आत्मीय संबंधों और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक बताया। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ भी मौजूद रहे। उन्होंने भी परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं।

लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लें मतदाता, भाजपा रचेगी जीत का नया कीर्तिमान : संजय सरावगी

समर्पित कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा विकास की गति को देंगे नई उड़ान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए 30 जुलाई को होने वाले मतदान से पूर्व मतदाताओं से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता अपने घर से निकलकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब अधिक से अधिक लोग मतदान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। हर एक वोट बांकीपुर के उज्ज्वल भविष्य, सुशासन और निरंतर विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। संजय सरावगी ने कहा कि बांकीपुर की जनता ने पिछले कई चुनावों में विकास, सुशासन और जनहित की राजनीति पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। यही कारण है कि यह क्षेत्र लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहा है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस बार भी बांकीपुर के मतदाता विकास और प्रगति की निरंतरता बनाए रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के पक्ष में मतदान करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा बांकीपुर उपचुनाव में जीत का एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। जनता का व्यापक समर्थन भाजपा के साथ है और मतदाताओं का आशीर्वाद एक बार फिर कमल के पक्ष में मिलेगा। उन्होंने कहा कि बांकीपुर की जनता विकास की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है और इस बार भी रिकॉर्ड मतदान के माध्यम से लोकतंत्र को और अधिक मजबूत करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी ने एक समर्पित, कर्मठ और जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध कार्यकर्ता नीरज कुमार सिन्हा को विधानसभा में जनता का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है।

आर्ट ऑफ लिविंग का संकल्प: गांव-गांव पहुंचेगा योग व प्राणायाम, सावन भर प्रतिदिन होगा रुद्राभिषेक

पटना में 'गुरु पूर्णिमा स्पेशल सत्संग' का हुआ भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विश्वविख्यात आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर जी की संस्था 'आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा आज पटना के दादी जी मंदिर (गांधी मैदान) में 'गुरु पूर्णिमा महोत्सव पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भावपूर्ण सत्संग का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। भक्ति, ज्ञान और संगीत से सराबोर इस पावन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इस विशेष अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सांसद रविशंकर प्रसाद जी तथा बिहार के महाधिवक्ता एस डी संजय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा समाज कल्याण, नशामुक्ति और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए चलाए जा रहे अभियानों की सराहना की।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च : प्रमोद चंद्रवंशी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के आह्वान पर पूरे बिहार के जिला, प्रखंड, मंडल एवं शक्ति केंद्र स्तर पर संत रविदास जी, भगवान सूर्यनारायण, श्री गणेश जी, भगवान शिव सहित विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन एवं आरती का आयोजन कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धापूर्वक किया गया। पटना के कच्ची तालाब स्थित संत रविदास मंदिर, भगवान सूर्यनारायण मंदिर एवं श्री गणेश मंदिर में भाजपा ओबीसी मोर्चा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन एवं आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही ज्ञान, संस्कार, सत्य एवं सदाचार का मार्ग प्रशस्त कर जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। उन्होंने सभी से अपने गुरुओं के बताए आदर्शों पर चलने तथा ज्ञान, सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। श्री चंद्रवंशी ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुकेश पटेल, वीरेंद्र सिंह चंद्रवंशी, संतोष पटेल, संजय निषाद, संजय गुप्ता, प्रदीप निषाद, रिंटू पटेल, मुकेश मंडल, सोनी देवी, आनंद शंकर प्रसाद, संजय बाबा, नीरज कुमार बबलू सहित अनेक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, हवन, भजन-कीर्तन एवं आरती में भाग लिया।

गुरु पूर्णिमा आत्मिक जागरण और गुरु के प्रति कृतज्ञता का पर्व : प्रो. रणबीर नंदन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित शाही कॉलोनी में आयोजित रामाश्रम सत्संग के गुरुपूजन समारोह में भाग लेकर गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. ज्योति प्रसाद के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने पारंपरिक विधि से गुरुपूजन किया। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और साधक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में आत्मिक जागरण और गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पावन अवसर है। उन्होंने कहा कि जीवन में सही मार्गदर्शन का आधार गुरु तत्व है और उसी के माध्यम से आत्मबोध तथा सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। गुरु व्यक्ति के जीवन को संतुलित दिशा देने के साथ ज्ञान, शांति और विवेक का संचार करते हैं। उन्होंने रामाश्रम सत्संग, मथुरा की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परंपरा गृहस्थ जीवन के साथ आध्यात्मिक साधना, सेवा और आत्मानुशासन का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि दादा गुरु रामचंद्र महाराज (लालाजी) और समर्थ गुरु डॉ. चतुर्भुज सहाय के मार्गदर्शन ने लाखों लोगों को आध्यात्मिक जीवन की प्रेरणा दी है और उनके विचार आज भी साधकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि गुरुपूजन श्रद्धा, समर्पण और आत्मचिंतन का प्रतीक है। यदि जीवन को सार्थक बनाना है तो अहंकार, दिखावा और द्वेष का त्याग कर सरलता, सेवा और विनम्रता का मार्ग अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि सद्गुरु के प्रति प्रेम और विश्वास ही आध्यात्मिक जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है, जिससे सेवा, सहनशीलता और समर्पण जैसे गुण विकसित होते हैं। कार्यक्रम में सत्संग, गुरु वंदना और आध्यात्मिक चर्चा का भी आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने सामूहिक गुरुपूजन कर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। आयोजकों ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक मूल्यों और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

गुरु पूर्णिमा पर बी.डी. कॉलेज में भारतीय मनोविज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना के मनोविज्ञान विभाग द्वारा गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय मनोविज्ञान दिवस का दो दिवसीय आयोजन 28 एवं 29 जुलाई, 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवाकर प्रसाद के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता तिवारी के नेतृत्व में तथा डॉ. सीमा कुमारी, समन्वयक, काउंसलिंग सेल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 28 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक भारतीय मनोविज्ञान विषयक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भारतीय मनोवैज्ञानिक चिंतन, गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा आधुनिक मनोविज्ञान से संबंधित प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया। प्रतियोगिता में अभिराज कुमार ने प्रथम, संजना कुमारी ने द्वितीय तथा रश्मि कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। द्वितीय दिवस 29 जुलाई को प्रातः 11:00 बजे से 1:00 बजे तक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने भारतीय मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मबोध, योग, ध्यान एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टरों का निर्माण कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में कुमार गौरव प्रथम, रानी कुमारी द्वितीय तथा सोनम प्रिया तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवाकर प्रसाद ने कहा कि भारतीय मनोविज्ञान केवल एक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित, सकारात्मक एवं मूल्यपरक बनाने की एक सशक्त जीवन-दृष्टि है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्ष को समझने तथा अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता तिवारी ने कहा कि भारतीय मनोविज्ञान दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध मनोवैज्ञानिक विरासत से जोड़ना तथा उनमें अनुसंधान, नवाचार एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना है। डॉ. सीमा कुमारी, समन्वयक, काउंसलिंग सेल ने भारतीय मनोविज्ञान के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी ऐसी शैक्षणिक एवं सृजनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बिनोद कुमार, डॉ. एन. एन. ठाकुर, वरीय शिक्षक, समाजशास्त्र विभाग और महाविद्यालय के बर्सर डॉ. आमित कुमार ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य के द्वारों सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

छात्रों पर दमन और पेपर लीक के खिलाफ चार अगस्त को पटना में होगा एनएसयूआई का महाआंदोलन : विनोद जाखड़

छात्रों पर दमन मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि देशभर में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं और छात्रों पर बढ़ते दमन के खिलाफ विद्यार्थियों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार और बिहार की एनडीए सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री जाखड़ ने कहा कि छात्र शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पेपर लीक पर रोक, समयबद्ध भर्तियां, समय पर परीक्षा परिणाम तथा भर्ती कैलेंडर लागू करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे, लेकिन उन पर वाटर कैनन, आंसू गैस, लाठीचार्ज और गोलीबारी जैसी कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। उन्होंने मांग की कि गोली से घायल सभी छात्रों को 50 लाख का मुआवजा दिया जाए तथा उनके इलाज, शिक्षा और भविष्य की जिम्मेदारी सरकार उठाए। एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि आंदोलन समाप्त होने के बाद छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में छात्रों पर एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया और जेल भेजा गया। राजेश राम ने कहा कि उन्होंने स्वयं अस्पताल के आईसीयू में भर्ती उस घायल छात्र से मुलाकात की जिसे गोली लगी है। गोली उसके घुटने को पार करते हुए हड्डी को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर चुकी है।

क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं समीक्षा बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय/हाजीपुर में क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 87वीं बैठक अमरेन्द्र कुमार, अपर महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री कुमार ने कहा कि पूर्व मध्य रेल 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां अधिकांश कार्य हिंदी में ही होता है फिर भी राजभाषा से संबंधित अनुदेशों का अनुपालन दृढ़तापूर्वक किए जाने की आवश्यकता है। यदि अधिकारीगण छोटे-छोटे आदेश/टिप्पणी हिंदी में लिखें तो हिंदी के प्रयोग-प्रसार की दिशा में एक सकारात्मक माहौल बनेगा और इससे अधीनस्थ कर्मचारी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। हिंदी की व्यापकता और सार्थकता सभी स्वीकारते हैं।

150 किलोवाट तक के नए बिजली कनेक्शन के शुल्क तय, अब प्रक्रिया होगी अधिक पारदर्शी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड एवं साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने 150 किलोवाट तक के नए बिजली कनेक्शन के लिए सेवा संयोजन (सर्विस कनेक्शन) शुल्क निर्धारित कर दिए हैं। बिहार विद्युत विनियामक आयोग के निर्देशों के अनुपालन में लागू की गई इस व्यवस्था से उपभोक्ताओं को आवेदन के समय ही कनेक्शन पर होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी। नई व्यवस्था के तहत विद्युतीकृत क्षेत्रों में एलटी सिंगल फेज, एलटी थ्री फ़ेज तथा एचटी श्रेणी के 150 किलोवाट तक के नए बिजली कनेक्शन निर्धारित शुल्क के आधार पर जारी किए जाएंगे। इससे कनेक्शन की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध होगी। निर्धारित सर्विस कनेक्शन शुल्क इस प्रकार हैं– एलटी सिंगल फेज (7 किलोवाट तक सभी श्रेणियां): 3 किलोवाट तक 900 प्रति किलोवाट तथा 3 किलोवाट से अधिक भार पर 2,700 के साथ प्रत्येक अतिरिक्त किलोवाट पर 1,000। एलटी 3 फेज (5 से 19 किलोवाट): 5 किलोवाट तक ₹4,500 तथा 5 किलोवाट से अधिक भार पर 4,500 के साथ प्रत्येक अतिरिक्त किलोवाट पर 1,500। एलटी 3 फ़ेज (20 से 44 किलोवाट): 20 किलोवाट तक 21,000 तथा 20 किलोवाट से अधिक भार पर 21,000 के साथ प्रत्येक अतिरिक्त किलोवाट पर 2,000। एचटी श्रेणी उपभोक्ता (45 से 150 किलोवाट): 7,000 प्रति किलोवाट की दर से सर्विस कनेक्शन शुल्क देय होगा। दोनों बिजली वितरण कंपनियों द्वारा उपरोक्त वर्णित राशि के भुगतान उपरांत तकनीकी आवश्यकता के अनुसार विद्युत मीटर (प्वाइंट ऑफ सप्लाई) तक विद्युत संरचना (सर्विस तार सहित) उपलब्ध कराते हुए उपभोक्ताओं को नया विद्युत संबंध स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में दोनों वितरण कंपनियों ने अपने सभी विद्युत आपूर्ति अंचलों, प्रमंडलों एवं उपप्रमंडलों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

कार्लो ऑटोमोबाइल्स में नई मारुति ब्रेजा एसयूवी मॉडल लांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के बोरिंग रोड स्थित कार्लो ऑटोमोबाइल्स में नई मारुति ब्रेजा एसयूवी मॉडल को एक समारोह आयोजित कर लांच किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर नए मॉडल का उद्घाटन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर डॉ. संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र लगातार आधुनिक तकनीक और बेहतर सुविधाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। नई पीढ़ी के वाहनों में सुरक्षा, आराम और ईंधन दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर विकल्प उपलब्ध हो रहे हैं।

आदिशक्ति प्रेमनाथ खन्ना तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत बज्जिका पुस्तक का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार एवं 'सामयिक परिवेश' के संयुक्त तत्वावधान में 11वें आदिशक्ति प्रेमनाथ खन्ना तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत पटना संग्रहालय में एक भव्य कवि सम्मेलन, पत्रिका विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर ममता मेहरोत्रा ने कहा कि 'पिता की स्मृति में आयोजित यह कार्यक्रम मन को सुकून और नई ऊर्जा प्रदान करता है। कविता मन के भावों एवं सामाजिक जीवन को अभिव्यक्त करने का अत्यंत सुंदर माध्यम है।' कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि ज्वालासांध्य पुष्प ने की। उन्होंने कहा कि बज्जिका को आगे बढ़ाने के लिए सभी को लिखने के साथ अपनी भाषा में लिखना भी अत्यावश्यक है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिन्दी, बज्जिका की लेखिका सविता राज ने अत्यंत कुशलता से किया। इस प्रभावी संचालन ने कवियों एवं श्रोताओं को अंत तक बांधे रखा। इस अवसर पर देशभर के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों ने सामाजिक सरोकार, मानवीय मूल्य, देश-प्रेम एवं नारी शक्ति पर आधारित कविताएं प्रस्तुत कीं जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा।

संजय गांधी जैविक उद्यान में जन्मे चार बाघ शावकों का नामकरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर हाल ही में जन्मे चार बाघ शावकों का नामकरण किया गया। शावकों के नाम रुद्र, तेजस्वी, सृष्टि और पूर्णिमा रखे गए। कार्यक्रम में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, जू प्रशासन, वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में वन्यजीव प्रेमी शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस का उद्देश्य बाघों के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और उनकी घटती संख्या को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पूर्व मध्य रेल, पटना में अग्निशमन विभाग, कंकड़बाग, पटना द्वारा एक व्यापक फायर मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों को आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं सुरक्षित बचाव कार्यों व अग्निशमन उपकरणों के सही उपयोग तथा आपदा प्रबंधन की प्रक्रियाओं के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित सभी कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाली सावधानियों एवं प्राथमिक प्रतिक्रिया व सुरक्षित निकासी तथा अग्निशामक यंत्रों के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन कर विस्तार से जानकारी दी। मॉक ड्रिल के दौरान अस्पताल परिसर में आपदा प्रबंधन की तैयारियों का भी आकलन किया गया।

संपादकीय

छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई पर सवाल

अपनी मांगों के साथ 'संसद मार्च' का आह्वान करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, उससे यह सवाल उठा है कि सरकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के संवैधानिक अधिकारों को कैसे देखती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में जनता को किसी मसले पर शांतिपूर्ण विरोध और असहमति जाहिर करने का अधिकार होता है और सरकार को इसे सकारात्मक नजरिए से देखना चाहिए। जब भी जनता के किसी हिस्से में सरकार के रुख की वजह से असंतोष पैदा हो, तो यह जिम्मेदारी सरकार की ही होती है कि वह संवाद के जरिए समस्या का समाधान निकाले।मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि अगर सरकार की उदासीनता की वजह से लोग अपनी बात कहने सड़क पर उतरें, तो उन्हें रोकने के लिए बातचीत की गुंजाइश निकालने के बजाय दमन का रास्ता अख्तियार किया जाए। नीट 2026 के प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर जब विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की, तो सरकार के पास वक्त था कि वह संवाद के जरिए एक आदर्श समाधान सामने रखे।अगर इस दौरान स्थिति बिगड़ने की आशंका होती, तो उसे नियंत्रित करने के लिए भी हर वह विकल्प आजमाए जाने चाहिए थे, जिससे प्रदर्शन बेलगाम न हो और न ही पुलिस को हिंसक बलप्रयोग करने की जरूरत पड़े। मगर अपनी मांगों के साथ 'संसद मार्च' का आह्वान करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ पुलिस ने जैसी सख्ती दिखाई, उससे यह सवाल उठा है कि सरकार देश के लोकतांत्रिक ढांचे और जनता के संवैधानिक अधिकारों को कैसे देखती है।गौरतलब है कि नीट प्रश्नपत्र लीक होने पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ दिल्ली में प्रदर्शन करने वालों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। मगर इस क्रम में ज्यादा गंभीर आरोप यह सामने आया कि आंदोलनकारियों पर पुलिस की ओर से पेलेट गन भी चलाया गया। वहीं पुलिस के इस रवैये के विरोध में जब देश के अन्य हिस्सों में भी प्रदर्शन शुरू हुए, तो वहां भी गैरजरूरी तरीके से आक्रामक रुख अख्तियार किया गया।एक अन्य आरोप के मुताबिक, बिहार के सिवान में एक पुलिसकर्मी ने एके-47 राइफल से विद्यार्थियों पर गोलियां चलाई। सवाल है कि महज प्रश्नपत्र लीक होने के मसले पर अपना विरोध जताने वालों के खिलाफ घातक हथियार चलाने की हद तक जाकर पुलिस आखिर क्या संदेश देना चाहती है। क्या ऐसे आरोपों के बाद अनिवार्यता की दलील पर विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसे बर्ताव को उचित ठहराया जा सकता है?यों आज के दौर में अमूमन हर सार्वजनिक गतिविधि की जीवंत तस्वीरें बहुत कुछ बयान कर जाती हैं, लेकिन अगर इस तरह के आरोप भी लगे, तो क्या यह संविधान और देश के लोकतांत्रिक ढांचे के प्रति सरकार की वचनबद्धता पर सवालिया निशान नहीं हैं? कायदे से अपनी लोकतांत्रिक और संवैधानिक जिम्मेदारियों को लेकर सरकार को खुद सजग रहना चाहिए था।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधन- अस्तित्व पर मंडराता खतरा

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है।

(ललित गर्ग)

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है।

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा

जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक परिवार प्रतिदिन कुछ लीटर पानी भी बचाए तो राष्ट्रीय स्तर पर करोड़ों लीटर जल की बचत संभव है। सरकार को भी जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। प्रत्येक जिले के लिए भूजल बजट तैयार किया जाए, भूजल दोहन पर वैज्ञानिक नियंत्रण हो, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों-ड्रिप और स्प्रिंकलर-को व्यापक प्रोत्साहन मिले तथा ऐसे कृषि अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली किस्में विकसित करे। साथ ही जल शिक्षा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी जल के महत्व को केवल पुस्तकों में नहीं, व्यवहार में भी समझ सके। भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हमारे पास आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल बचेगा? यदि आज भी हमने जल को केवल उपभोग की वस्तु समझा तो आने वाले वर्षों में जल के लिए संघर्ष, पलायन और सामाजिक असंतोष बढ़ना स्वाभाविक होगा। खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा, महंगाई बढ़ेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा संकट आएगा। इसलिए जल संरक्षण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक शांति का भी प्रश्न है। आज समय की पुकार है कि 'जल बचाना ही भविष्य बचाना है।' हमें बदलती जलवायु के अनुरूप अपनी नीतियों, कृषि प्रणाली और जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन लाने होंगे। वर्षा की प्रत्येक बूंद को धरती में उतारना, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करना और जल अनुशासन को जन-आंदोलन बनाना ही इस संकट का सबसे प्रभावी समाधान है। यदि सरकार, वैज्ञानिक, किसान, उद्योग, सामाजिक संगठन और आम नागरिक मिलकर इस दिशा में संकल्पबद्ध प्रयास करें तो जल संकट को अवसर में बदला जा सकता है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष करना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी विवशता बन जाएगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भागदौड़ भरी जिंदगी में खुशी की तलाश बाहर नहीं, अपनों के भीतर करें

(रितुप्रिया)

जिस पल हम अपने आपको बहुत ही हल्का और खुशनुमा महसूस करते हैं, वहीं हमारी खुशी के सबसे महत्त्वपूर्ण पल होते हैं। खुशी के पल वे अनमोल क्षण हैं, जो हमें अपने जीवन की असली अहमियत बताते हैं। वे पल जिनमें गहराई होती है और हमारे मन की खुशी होती है। चाहे जीवन की उपलब्धि से भरे पल हों या फिर अपने परिवार के साथ गुजरने वाले सामान्य क्षण, जिस पल हम अपने आपको बहुत ही हल्का और खुशनुमा महसूस करते हैं, वहीं हमारी खुशी के सबसे महत्त्वपूर्ण पल होते हैं। इन्हें किसी असाधारण उपलब्धि से जोड़कर नहीं देखा जा सकता, बल्कि ये किसी भी रूप में हमें प्राप्त हो सकते हैं, बशर्ते कि हम सकारात्मक रहें। सकारात्मक सोच ही हमारी खुशी के पलों के लिए एक माहौल तैयार करती है। दरअसल, खुशी का मूल स्रोत हमारा अंतर्मन है, लेकिन हमारा अंतर्मन इच्छाओं से घिरा रहता है, और जब हमारी ऐसी इच्छाएं पूरी नहीं होती तो हम मन में दुख की अनुभूति करते हैं। यह विचार कुछ ऐसा है, जैसे हम जीना तो बहुत चाहते हैं, लेकिन अपनी ही सोच और विचारों में इतने उलझ जाते हैं कि असली जीवन क्या है, इसे पहचान नहीं पाते। हमारे धर्मग्रंथों से लेकर विचारकों ने यह दर्ज किया है कि इच्छाएं अनंत हैं, लेकिन उसके लिए अपने आप को दुखी करना हमारी खुशी के मूल स्रोत को खत्म करने के बराबर है। कुछ लोग क्षणिक चीजों में सुख खोजना चाहते हैं, जो कुछ क्षण के लिए खुशी प्रदान कर देगा, लेकिन दीर्घकाल के लिहाज से उतना उपयोगी नहीं है। कई बार खुशियां भी हमारे दुख का कारण बनती हैं, क्योंकि कभी यह गलत रास्ते से पाई हुई खुशियां भी हो सकती हैं। खुशी के पल वही होते हैं, जो हमें दीर्घकाल का आनंद प्रदान करें और हमें चिंता से मुक्त कर पाए। प्रसिद्ध दार्शनिक एपिक्यूरस का भी यही दृष्टिकोण है कि दुख और चिंता से मुक्ति का असली मतलब ही खुशी के पल है। यानी व्यक्ति सरल जीवन जीए, मित्रतापूर्ण व्यवहार करे और मानसिक रूप से शांति का अनुभव करे, तो यही सच्चे सुख के स्रोत हैं। मगर भौतिकता की अंधी दौड़ ने हमें इस विचार से अलग कर दिया है। अब हम यह सोच ही नहीं पाते कि बहुत कम में बहुत अधिक चीजों की प्राप्ति संभव है। इसका मतलब यह है कि छोटी-छोटी खुशियां हमें बड़े सुख को प्रदान करने वाली होती हैं, न कि बड़ी-बड़ी उपलब्धियां। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि खुशी असल में हमारा आत्मिक विकास है, जो हमें संघर्ष की स्थितियों से प्राप्त होता है और जब हम इसे पार कर लेते हैं, तो हमें बड़ा ही संतोष मिलता है। हम जीवन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं और यही चुनौतियां हमें जीवन के असली रंग से परिचित कराती हैं और ये जीवन के नए-नए रंग हमें खुशी के पलों को प्राप्त करने में सहायक होते हैं। मगर आज हम इतनी उलझनों में उलझे हैं कि हमने अपनी खुशी के पलों की गणना केवल भौतिकतावादी सोच के तहत की है, जबकि हम अपनी भागदौड़ भरी जीवनशैली से अक्सर हमारी खुशी के पलों को ओझल कर देते हैं। हम अपने बच्चों को बड़ी सफलताओं के पीछे लगा देते हैं, माता-पिता को अपनी सफलता का रोड़ा समझकर उन्हें उपेक्षित छोड़ देते हैं। पति-पत्नी अक्सर भाई-बहन और बच्चों को कुछ हासिल करने के नाम पर नजरअंदाज कर देते हैं। क्या इस तरह हम कभी खुशी प्राप्त कर सकते हैं, जब हमारे अपने ही हमारे साथ न हों? ऐसा शायद कभी नहीं हो सकता कि बिना अपनों के हम अपनी खुशी के पलों को अर्जित कर पाएं। सफलता जीवन का आयाम है, लेकिन यह सब कुछ नहीं है। पैसा कमाना, यश कमाना, पराजित न होना और हर स्थिति में विजय का तिलक अपने माथे पर लगा लेना। अगर यही खुशी के पलों को निर्धारित करता है, तो ऐसी खुशी से कोई लाभ नहीं है।यह कोरी कल्पना है कि हम खुशी हासिल कर रहे हैं, क्योंकि यह सतही तौर पर होता है। हमारी असली खुशी हमारे अपनों और परिवार के साथ बिताए उन पलों में हैं, जब हम खिलखिला के हंस पाते हैं और दूसरे के चेहरे पर भी हंसी ला पाते हैं। यह कोई मुश्किल काम नहीं है, बल्कि आसान और अर्थपूर्ण है। अपने आसपास के माहौल को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। इसी से हमें असली शांति खुशी और सही दृष्टिकोण प्राप्त होता है। जब हम टीवी और मोबाइल की दुनिया में नहीं थे, तब भी तो लोग खुशी तलाशते थे। आज भी दूरदराज के गांवों के लोग अपने परिवार के साथ बैठ कर जब भोजन करते हैं, तो उनके चेहरे देखने लायक होते हैं। ऐसा लगता है, जैसे उन्होंने सब कुछ प्राप्त कर लिया। जबकि आधुनिक माने जाने वाले लोग यह मानकर चलते हैं कि ये सारे रिश्ते बोझ हैं और उसकी सारी खुशी उनकी सफलता में ही है। एक बार इन खुशी के पलों को अपने घर में खोजना चाहिए। समाज को हमारी आवश्यकता है, तो समाज के काम आना चाहिए। खुशी हमारी सृजनात्मकता है।

भारत में विज्ञान पत्रकारिता- वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ जवाबदेही और पारदर्शिता क्यों जरूरी है?

भारत में विज्ञान और अनुसंधान पर खर्च लगातार बढ़ रहा है लेकिन वैज्ञानिक दावों, संस्थागत जवाबदेही और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र पड़ताल अब भी सीमित है। भारत ने वर्षों से अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का व्यापक उत्सव मनाया है। फिर भी इन उपलब्धियों के पीछे की संस्थाएं, निवेश, असफलताएं और जवाबदेही अक्सर सार्थक सार्वजनिक जांच-पड़ताल से बाहर रही हैं। आज भारत में विज्ञान सार्वजनिक जीवन में पहले से कहीं अधिक दिखाई देता है। चंद्र अभियानों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर मौसम पूर्वानुमान और रोग प्रकोपों तक, वैज्ञानिक उपलब्धियां नियमित रूप से सुर्खियां बनती हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय वर्ष 2010-11 के 60,196.75 करोड़ से बढ़कर 2020-21 में 1,27,380.96 करोड़ हो गया।

(रोहन सिंह)

भारत में विज्ञान और अनुसंधान पर खर्च लगातार बढ़ रहा है लेकिन वैज्ञानिक दावों, संस्थागत जवाबदेही और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र पड़ताल अब भी सीमित है। भारत ने वर्षों से अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों का व्यापक उत्सव मनाया है। फिर भी इन उपलब्धियों के पीछे की संस्थाएं, निवेश, असफलताएं और जवाबदेही अक्सर सार्थक सार्वजनिक जांच-पड़ताल से बाहर रही हैं। आज भारत में विज्ञान सार्वजनिक जीवन में पहले से कहीं अधिक दिखाई देता है। चंद्र अभियानों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर मौसम पूर्वानुमान और रोग प्रकोपों तक, वैज्ञानिक उपलब्धियां नियमित रूप से सुर्खियां बनती हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत का सकल अनुसंधान एवं विकास व्यय वर्ष 2010-11 के 60,196.75 करोड़ से बढ़कर 2020-21 में 1,27,380.96 करोड़ हो गया। जबकि यह व्यय सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.6-0.7 फीसद के आसपास बना रहा। फिर भी इस प्रगति के पीछे एक कम चर्चित वास्तविकता मौजूद है। भारत में विज्ञान संबंधी अधिकांश सुर्खियां अब भी घोषणाओं, उपलब्धियों और आधिकारिक कथाओं पर केंद्रित रहती हैं। दूसरे शब्दों में, भारत विज्ञान को बढ़ावा देने में तो अधिक सफल रहा है, लेकिन उसकी आलोचनात्मक समीक्षा करने में नहीं। साक्ष्यों की पड़ताल करने वाली, दावों की जांच करने वाली, सार्वजनिक धन के उपयोग पर प्रश्न उठाने वाली और वैज्ञानिक सीमाओं को समझाने वाली स्वतंत्र सामग्री अपेक्षाकृत दुर्लभ है। जैसे-जैसे विज्ञान सार्वजनिक नीतियों और दैनिक जीवन को अधिक प्रभावित कर रहा है, यह अंतर अनदेखा करना कठिन होता जा रहा है। भारत में विज्ञान लेखन और विज्ञान प्रसार की एक लंबी परंपरा रही है। स्वतंत्रता के बाद वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल रहा। मगर विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और विज्ञान पत्रकारिता के बीच एक महत्त्वपूर्ण अंतर है। विज्ञान प्रसार का उद्देश्य वैज्ञानिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना होता है, जबकि विज्ञान पत्रकारिता का दायित्व वैज्ञानिक दावों, नीतियों, संस्थानों और सार्वजनिक निवेश की स्वतंत्र जांच-पड़ताल करना भी है। समस्या विज्ञान की कमी नहीं है। समस्या उन संस्थागत ढांचों के सीमित विकास की है, जो विज्ञान को समाज से जोड़ने का कार्य करते हैं। विज्ञान पर लेखन और विश्लेषण को अक्सर वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रचार तक सीमित कर दिया गया है, जबकि उसकी वास्तविक जिम्मेदारी इससे कहीं व्यापक है। उसका कार्य केवल यह बताना नहीं है कि कोई खोज हुई है, बल्कि यह भी समझाना है कि वह खोज क्यों महत्त्वपूर्ण है, उसकी सीमाएं क्या हैं, उसके सामाजिक प्रभाव क्या हो सकते हैं और उसके पीछे मौजूद वैज्ञानिक साक्ष्य कितने मजबूत हैं। भारत में विज्ञान लेखन को जगह मिलने का सवाल भी चिंता का विषय है। जब मुख्यधारा के सूचना माध्यमों में विज्ञान को प्राथमिकता नहीं मिलती है, तब विज्ञान पत्रकारिता स्वाभाविक रूप से हाशिये पर चली जाती है। अनेक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि विज्ञान लेखन और विश्लेषण को अक्सर महामारी, आपदा या किसी बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि के समय ही प्रमुखता मिलती है, जबकि सामान्य दिनों में राजनीति, अपराध और मनोरंजन जैसे विषय समाचार एजंडे पर हावी रहते हैं। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, अनुसंधान नीति, वैज्ञानिक जवाबदेही और शोध की गुणवत्ता जैसे विषय मुख्यधारा की बहसों में अपेक्षित स्थान नहीं बना पाते। विज्ञान पत्रकारिता के लिए समय, विशेषज्ञता और संसाधनों की आवश्यकता होती है। टीवी की दुनिया में 'ब्रेकिंग न्यूज' के विपरीत, इसमें पत्रकारों को वैज्ञानिक निष्कर्षों का मूल्यांकन कर उन्हें व्यापक सामाजिक संदर्भ में दुनिया के सामने रखना पड़ता है। अधिकतर समाचार संस्थानों में राजनीति, चुनाव, अपराध और मनोरंजन को अधिक स्थान मिलता है, जबकि विज्ञान को अक्सर एक विशेषीकृत विषय मान लिया जाता है। परिणामस्वरूप जटिल वैज्ञानिक विषयों पर निरंतर और सुगठित लेखन विकसित नहीं हो पाता। हालांकि सोशल मीडिया ने वैज्ञानिक जानकारी तक पहुंच का विस्तार किया है, लेकिन उसने भ्रामक सूचनाओं के प्रसार को भी बढ़ाया है। अधिकांश विज्ञान लेखन उपलब्धियों और सफलता की कहानियों पर केंद्रित रहते है। जहां वैज्ञानिक उपलब्धियों को व्यापक ध्यान मिलता है, वहीं अनुसंधान की गुणवत्ता, वैज्ञानिक कदाचार, सार्वजनिक धन के उपयोग और संस्थागत जवाबदेही जैसे विषयों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत की वैज्ञानिक व्यवस्था का बड़ा हिस्सा करदाताओं के धन से संचालित होता है। फिर भी, अनुसंधान की प्राथमिकताएं कैसे तय होती हैं, परिणामों का मूल्यांकन कैसे किया जाता है और संस्थानों को किस प्रकार जवाबदेह बनाया जाता है? यह सब सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा होना चाहिए। शोध-पत्रों की वापसी, वैज्ञानिक कदाचार और भारत की 'प्रकाशित करो या समाप्त हो जाओ' संस्कृति पर हाल के विवादों ने अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रकाशन दबाव और संस्थागत जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। ये ऐसे मुद्दे हैं जिनका सीधा संबंध वैज्ञानिक विश्वसनीयता से है, लेकिन वे आमतौर पर उतनी सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा नहीं बनते, जितना महत्त्व किसी नई वैज्ञानिक उपलब्धि या तकनीकी सफलता को मिलता है। फिर भी जवाबदेही और विश्वास को परस्पर विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित एक टिप्पणी में तर्क दिया गया है कि वैज्ञानिकों और पत्रकारों को मिलकर अनुसंधान की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि भ्रामक सूचनाएं और राजनीतिक दबाव विज्ञान में सार्वजनिक विश्वास के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। अक्सर विज्ञान लेखन किसी नई खोज की घोषणा पर समाप्त हो जाता है, लेकिन पाठकों को यह भी जानना चाहिए कि साक्ष्य कितने विश्वसनीय हैं, कौन-से प्रश्न अब भी अनुत्तरित हैं और क्या खोज से जुड़े दावे वास्तव में उचित हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में लिए जाने वाले वैज्ञानिक निर्णय सीधे नागरिकों के जीवन को प्रभावित करते हैं। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है। जब वैज्ञानिक ज्ञान सार्वजनिक नीतियों, स्वास्थ्य, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी संबंधी निर्णयों को प्रभावित करता है, तब नागरिकों का यह अधिकार भी बनता है कि वे उन निर्णयों के पीछे मौजूद साक्ष्यों, सीमाओं और अनिश्चितताओं को समझ सकें। विज्ञान पत्रकारिता लोगों को इन मुद्दों को समझने और उनसे जुड़ी नीतिगत बहसों में सार्थक भागीदारी करने में मदद करती है।

साथ ही, भारत में विज्ञान पत्रकारिता के लिए अवसर पहले से कहीं अधिक हैं। जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खाद्य सुरक्षा और जल संकट जैसे मुद्दे सीधे नागरिकों के जीवन से जुड़े हैं। इन सभी के केंद्र में विज्ञान मौजूद है। भविष्य की सबसे सफल विज्ञान पत्रकारिता वही होगी, जो प्रयोगशाला और समाज के बीच की दूरी को कम कर सके। भारत को अब केवल अधिक विज्ञान नहीं, बल्कि विज्ञान पर अधिक सार्वजनिक निगरानी की भी जरूरत है। वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। आखिरकार विज्ञान में सार्वजनिक विश्वास केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों पर निर्भर नहीं करेगा, बल्कि इस बात पर भी कि वैज्ञानिक संस्थाएं प्रश्नों और आलोचनात्मक समीक्षा के लिए कितनी खुली हैं।

गुरु पूर्णिमा पर अव्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मनिहारी गंगातट पर जिले सहित आसपास के कई क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर गुरुजनों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की तथा सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह से ही घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूजा-अर्चना का सिलसिला देर तक चलता रहा।हालांकि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद गंगातट पर प्रशासनिक तैयारियां नाकाफी नजर आईं। घाट तक पहुंचने वाले मार्गों पर अव्यवस्था, पसरी गंदगी, रेनकट के कारण बने गढ्ढे के कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष परेशानी हुई। भीड़ नियंत्रण, अस्थायी वस्त्र परिवर्तन घर तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी समुचित प्रबंध नहीं दिखा। श्रद्धालुओं ने बताया कि मनिहारी गंगातट का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व होने के कारण प्रत्येक पर्व और मांगलिक अवसर पर हजारों लोग यहां स्नान के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद सुविधाओं के अभाव से परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने प्रशासन से प्रमुख धार्मिक अवसरों पर बेहतर व्यवस्था, सुरक्षित स्नान, साफ-सफाई तथा आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा पर्व भारतीय संस्कृति में गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। जिन्होंने वेदों का संकलन तथा महाभारत सहित अनेक ग्रंथों की रचना की। इसलिए इस पर्व को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु अपने गुरुजनों का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं तथा ज्ञान,सद्बुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करते हैं। इस दिन गंगा सहित पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व है। मनिहारी गंगातट पर भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किए गए स्नान, दान और गुरु वंदना से जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

आरक्षी अधीक्षक ने किया मनसाही थाना का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। आरक्षी अधीक्षक कटिहार ने मनसाही थाना का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर आरक्षी अधीक्षक ने बताया कि प्रत्येक थाना का औचक निरीक्षण किया जा रहा हैं इस कड़ी में मनसाही थाना का भी औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओडी रजिस्टर का अवलोकन एवं जांच की गई तथा अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की गई साथ ही थाना क्षेत्र में विधि - व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने हेतु थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन वाहन जांच करें एवं जो भी संदिग्ध मिले उन पर तुरंत ही कानूनी कार्रवाई करें साथ ही जो भी अपराधी किस्म के लोग हैं उन्हें बक्सा नहीं जाएगा।इस अवसर पर थानाध्यक्ष नरेंद्र कुमार प्रसाद आदि उपस्थित रहे ।

गंगातट पर श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर नगर मुख्य पार्षद ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन के पावन अवसर पर गंगा स्नान के लिए मनिहारी गंगातट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर मुख्य पार्षद राजेश कुमार ऊर्फ लाखो यादव ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को नगर मुख्य पार्षद परिसर एवं संपर्क मार्गों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने, पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने की बात कही। उन्होंने घाट पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था

लाखो यादव,कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद कुमार ने गंगातट एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य पार्षद श्री यादव ने घाट परिसर, पहुंच पथ, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय, कूड़ादान तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। नगर पंचायत की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएंगी ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगम वातावरण में स्नान एवं पूजा-अर्चना कर सकें। मुख्य पार्षद ने सफाई कर्मियों को घाट को लेकर प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मनिहारी गंगातट का धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व रहा है। सीमांचल सहित बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां गंगा स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर परिषद की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि, उप मुख्य पार्षद शुभ पोद्दार,वार्ड पार्षद ओम गुप्ता, गुलाब चौधरी, प्रतिनिधि पंकज यादव, सहदेव यादव,जे ई शेख रिजवान, अभिषेक कुमार, स्वच्छता पदाधाकारी आरुष, संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रेल सेवा पुरस्कार से 51 रेलकर्मियों को डीआरएम ने किया सम्मानित

कटिहार (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। कटिहार मंडल में वर्ष 2024-25 के रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण,उत्कृष्ट कार्यशैली और रेलवे की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 51 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह ने प्रशस्ति-पत्र एवं रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक किरेंद्र नरह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष निवेदिता नरह,अपर मंडल रेल प्रबंधक मनोज कुमार सिंह एवं महिला कल्याण संगठन की उपाध्यक्षा पूजा सिंह द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अपने संबोधन में डीआरएम श्री नरह ने पुरस्कार प्राप्त रेलकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने तथा रेलवे के विकास में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मंडल के सभी विभागों के अधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियनों एवं एसोसिएशनों के पदाधिकारी, महिला कल्याण संगठन के सदस्य तथा बड़ी संख्या में रेलकर्मी उपस्थित रहे। समारोह का आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अंजनी प्रसाद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान मंडल सांस्कृतिक एसोसिएशन एवं स्काउट एंड गाइड द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। जिन्होंने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

संदिग्धावस्था में मिला किशोर का शव, सनसनी

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। थाना क्षेत्र के सौरिया पंचायत के जनकपुर गांव के खेल मैदान में बुद्धवार की सुबह एक किशोर की संदिग्ध अवस्था में शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।जानकारी के अनुसार शव की पहचान जनकपुर गांव के हीं बेसरु केवट के पुत्र रवि कुमार (14) के रुप में हुई है।बताया जाता है कि मृतक रवि कुमार 25 जुलाई की सुबह जो अपने घर से निकला था,फिर घर नहीं लौटा था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किये जाने के बाद भी जब उसका कोई पता चला। तो डंडखोरा थाना में उसके गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई गई थी। पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। रोज की तरह बुद्धवार की सुबह परिजनों के साथ उसके पिता उसकी तलाश में निकले। तो जनकपुर गांव स्थित खेल मैदान के पास रवि का शव देखा गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों में भी सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते हीं थानाध्यक्ष विजय कुमार महतो दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुला लिया गया।पुलिस व एफएसएल की टीम घटनास्थल का बारीकी से भौतिक एवं वैज्ञानिक जांच कर साक्ष्य जुटाने में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस हर बिंदु की जांच कर रही है।उन्होंने बताया कि अब तक परिजनों द्वारा आवेदन भी नहीं दिया गया है और लाश का पोस्टमार्टम कराने से भी इंकार कर दिया है।घटना को लेकर गांव में मातमी माहौल है। तो वहीं परिजन रो-रोकर बेहाल हैं।

मां जानकी धाम के मुख्यालय हेतु 1.80 एकड़ भूमि अनुबंधित : गुरनानी

कटिहार (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन दिवस पर भाजपा नेता सह मां जानकी धाम अखाड़ा सह तीर्थक्षेत्र के संस्थापक राजेश गुरनानी ने बताया कि इक्कीस प्रकल्पों से सुसज्जित सनातन संस्कृति के साथ मिथिलांचल की देवी मां जानकी की शौर्यपूर्ण और ओजस्वी गाथा को युवा पीढ़ीयो से आत्मसात कराने हेतु कटिहार में मां जानकी धाम अखाड़ा सह तीर्थक्षेत्र प्रस्तावित है और इसकी स्थापना के लिए वैष्णव अघोड आश्रम की पूरी टीम संकल्पित हैं। इसी सन्दर्भ में आज 1.80 एकड़ जमीन का अनुबंध कराया गया। यह भूमि कटिहार के बाजार समिति से हफलागंज मुख्य मार्ग पर वार्ड संख्या 45 में अवस्थित हैं।इसी सन्दर्भ में जिला पदाधिकारी कटिहार को अवलोकन सह आमंत्रण पत्र सौंपा गया ताकि प्रशासनिक सहयोग से तीर्थ क्षेत्र के निर्माण में तेजी आ सके। यह भूमि पार्वती ट्रस्ट की है जो खुबेश्वर मंदिर नयाटोला से जुड़ी हुई है। इस जमीन को 40 वर्षो के लिए लीज पर लिया गया है। जिसे बाद में बढ़ाया जा सकता है इस मुख्यालय में माँ जानकी के रूप अर्थात मातृशक्तियों को सरकार की स्वावलंबी सहकारी योजनाओं के माध्यम आर्थिक रूप से सबल बनाया जाएगा तथा प्रभु महादेव के केदारनाथ मंदिर की छोटी प्रतिकृति बनाई जाएगी जोकि दर्शनीय स्थल आश्रम के केंद्र द्वारा विकसित होगी इसकी सूचना जिलापदाधिकारी कटिहार के साथ साथ महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री गृहमंत्री मुख्यमंत्री और जिले के सम्मानित सांसद एवं विधायकगणों को भी दी जा रही है साथ ही इसके भूमिपूजन हेतु श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के उत्तराधिकारी अध्यक्ष परम पूज्य गुरुदेव कमल नयन दास जी महाराज को भी दी जा चुकी हैं जिसमें महंत विमल कृष्ण दास जी एवं महंत गणेश राय दास जी महाराज ने भी बढ़ चढ़ कर सहयोग दिया उनके जल्द ही कटिहार आने की संभावना है।

आरोग्य दिवस सत्रों के प्रभावी संचालन को लेकर निर्देश जारी

कटिहार (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। जिला स्वास्थ्य समिति ने आरोग्य दिवस सत्र के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध संचालन के उद्देश्य से एएनएम एवं फील्ड स्वास्थ्य कार्यकताओं के लिए विस्तृत निर्देश जारी किया है। जिसका उद्देश्य प्रत्येक स्वास्थ्य उपकेंद्र एवं पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले आरोग्य दिवस सत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना तथा निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करना है। जिला समिति द्वारा जारी निर्देशानुसार सभी एएनएम एवं फील्ड स्वास्थ्य कार्यकताओं को पहचान पत्र आईडी कार्ड के साथ निर्धारित ड्रेस कोड में समय पर उपस्थित रहना है।साथ हीं सभी सत्र पूर्वाह्न 08:00 बजे से 04:00 बजे अपराह्न तक संचालित किया जाना है। वहीं सत्र स्थल पर बीपी मशीन, स्टेथोस्कोप, हीमोग्लोबिनोमीटर वजन मापने की मशीन, यूरिन किट,माप टेप सहित अन्य आवश्यक उपकरण तथा संसाधन उपलब्ध रहना अनिवार्य है। प्रत्येक सत्र में कम-से-कम 50 लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच एएनसी, प्रसव उपरांत जांच पीएनसी, योग्य दम्पति सेवाएं, किशोरियों के लिए आयरन एवं एल्बेंडाजोल टेबलेट का वितरण, पूर्ण टीकाकरण, जीरो डोज, आदर्श दम्पति परामर्श एवं ओपीवी-० सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसको लेकर एएनएम को प्रत्येक सत्र का कांप्रेंस टैली शीट एवं आरसीएच रजिस्ट्रर का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

51.68 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में मनिहारी थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा के नेतृत्व मे सूखा नशा एवं शराब पीने पीलानेवाले व नशे के सौदागरों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाये जा रहे हैं। थानाध्यक्ष श्री झा ने जानाकारी दी गुप्त सूचना मिली थी कि मनिहारी नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या दो नयाटोला में एक व्यक्ति द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही है। मिली सूचना के आधार पर की गयी छापेमारी के क्रम में एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। मुस्तैद जवानों ने भाग रहे व्यक्ति को धर दबोचा।पकडे गये व्यक्ति ने आपना नाम बुलबुल कुमार (20) पिता बिट्टन महतो,साकिन नयाटोला वार्ड संख्या दो जिला कटिहार निवासी बताया। पकडे गये व्यक्ति के घर की तलाशी लेने पर उसके घर से 51.68 ग्राम स्मैक के साथ 83790 रुपये नगद, एक ग्रे कलर का छोटा ईलेक्ट्रानिक तराजू, एक स्मार्ट एक की-पेड फोन एवं एक एल्यूमिनियम फायल का डब्बा बरामद की गयी। इस संदर्भ मे मनिहारी थानाकांड संख्या 329/26 दर्ज कर धारा 8(सी)/21(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है। पुलिस अग्रतर कार्रवाई मे जूटी है। दूसरी ओर संध्या गस्ती के क्रम में मिली गुप्त सूचना के आधार पर कुमारीपुर बैंक के पास शराब की नशे में हो हल्ला करने के आरैप में पाच लोगों को हिरासत में लेकर ब्रेथ एनालाईजर मशीन से जांच करने पर राब पीने की पुष्टि होने के उपरांत विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पकडेङ्गये लोगों की हचान शेख तालिबान (21),पिता मो. मुस्ताक, साकिन रसूलपुर,बीरेन्द्र कुमार (25) पिता दिलीप कुमार, साकिन मेदिनीपुर राहुल कुमार (30) पिता दिनेश पासवान, साकिन गांधी टोला,बिक्का कुमार (23) पिता धनश्याम सहनी, साकिन नयाटोला बौलिया और किशोर पासवान (34) पिता स्व विजय पासवान साकिन शंभूडीह सभी थाना मनिहारी जिला कटिहार के रुप मे हुई है।

चोरी की दो बाइकों के साथ आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सालमारी पुलिस को वाहन चोरी के एक मामले में महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। थाना कांड संख्या 116/26 दिनांक 28 जून 2026 जो भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023 की धारा 303(2) के तहत दर्ज किया गया था। के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने चोरी की गई दो बाइक को बरामद कर लिया है। मामले की जांच के क्रम में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान केसर महलदार उर्फ किशोर(37) पिता कालू महलदार ग्राम बागडोब थाना बायसी जिला पूर्णिया के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष कुमारी जुली ने बताया कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए क्षेत्र में लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की दोनो बाइक बरामद की गई।बरामद वाहनों के संबंध में आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की जा रही है ताकि उन्हें उनके वैध स्वामियों को सौंपा जा सके। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अपराध नियंत्रण और चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए आगे भी विशेष अभियान जारी रहेगा।

जीविका की ओर से सामान्य निकाय की द्वितीय वार्षिक आम सभा आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आरके उच्च विद्यालय परिसर में स्तुति जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड आजमनगर की ओर से सामान्य निकाय की द्वितीय वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित एवं स्वागत गीत के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जीविका की प्रखंड परियोजना प्रबंधक मिली दास गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में जीविका दीदियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया तथा संस्था की उपलब्धियों, वर्तमान गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।सभा के दौरान समिति की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, आय-व्यय का विवरण तथा आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की गई। बैठक में महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार को बढ़ावा देने, बचत एवं ऋण गतिविधियों को मजबूत करने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने, महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने, सतत आजीविका संवर्धन, दीदी की रसोई एवं कम्युनिटी न्यूट्रिशन केयर सेंटर को विस्तार देने पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं एवं पेंशन के दायरे में सभी सदस्य परिवारों को शामिल करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली जीविका दीदियों एवं कर्मियों को बेस्ट कैडर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस वित्तीय वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सीएलएफ कैडरों को पुरस्कार स्वरूप पुस्तकें एवं आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। एमबीके मास्टर बुककीपर पूजा कुमारी, कम्युनिटी मोबिलाइजर क्लस्टर फैसिलिटेटर सुमन सिन्हा , उमा बैंक मित्र सहित अन्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले समूहों एवं दीदीयों को भी सम्मानित किया गया।

मनिहारी में बीडीओ ने काली पट्टी बांधकर किया कार्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी। बिहार के विभिन्न जिलों में ड्यूटी के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारियों पर हुए हमलों के विरोध में बुधवार को मनिहारी प्रखंड कार्यालय में भी प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सनत कुमार के नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय के अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर अपने दैनिक कार्यों का निष्पादन किया। इस दौरान सभी सरकारी कार्य सामान्य रूप से संचालित होते रहे। मनिहारी बीडीओ सनत कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में छपरा सदर और रिविलगंज के बीडीओ पर ड्यूटी के दौरान हुए हमले की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों पर इस प्रकार के हमले न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित करते हैं,बल्कि कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल पर भी प्रतिकूल असर डालते हैं।उन्होंने कहा कि बिहार ग्रामीण विकास सेवा संघ के आह्वान पर पूरे राज्य में यह शांतिपूर्ण एवं सांकेतिक विरोध दर्ज कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकार का ध्यान अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था की ओर आकर्षित करना है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। बीडीओ ने कहा कि संघ की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर ड्यूटी के दौरान अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बल उपलब्ध कराने तथा जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में कार्यरत अधिकारियों के लिए प्रभावी सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग की गई है। इसके अलावा हमले में घायल अधिकारियों के लिए समुचित उपचार, मुआवजा और आवश्यक प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई है।

भेड़ एवं बकरी विकास योजना के तहत 17 लाभुकों को मिली तीन-तीन बकरियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। प्रखंड मुख्यालय स्थित कोढ़ा पशु चिकित्सालय परिसर में बुधवार को समेकित भेड़ एवं बकरी विकास योजना के तहत चयनित लाभुकों के बीच बकरियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कुल 17 लाभुकों को तीन-तीन बकरियां प्रदान की गईं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बकरी पालन को बढ़ावा देकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार मेहता ने लाभुकों को बकरी पालन के वैज्ञानिक तरीकों, पशुओं के उचित रखरखाव, संतुलित आहार, समय-समय पर टीकाकरण एवं रोगों से बचाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि लाभुक आधुनिक तकनीक और विभागीय सलाह के अनुरूप बकरी पालन करेंगे तो यह उनके लिए आय का एक स्थायी एवं लाभदायक स्रोत बन सकता है। डॉ. मेहता ने बताया कि कटिहार जिले में समेकित भेड़ एवं बकरी विकास योजना के तहत कुल 262 लाभुकों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में विभिन्न प्रखंडों में चयनित लाभुकों के बीच क्रमवार बकरियों का वितरण किया जा रहा है।

खुले में कचरा फेंकने वालों पर नगर निगम का शिकंजा, 6,200 का जुमार्ना वसूला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नगर निगम कटिहार की ओर से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नगर आयुक्त संतोष कुमार के निर्देश पर गर्ल्स स्कूल रोड एवं न्यू मार्केट क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान खुले में कचरा फेंकने वाले लोगों एवं प्रतिष्ठानों को अपशिष्ट प्रबंधन नियम- नियम-2026 का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए लोगों से ₹6,200 का जुमार्ना वसूला गया। नगर निगम की टीम ने लोगों को बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना कानूनन दंडनीय है तथा सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे कचरे का उचित निस्तारण करें और नगर निगम द्वारा निर्धारित स्वच्छता नियमों का पालन करें। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जुमार्ना सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने नागरिकों से स्वच्छ कटिहार के निर्माण में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर स्वच्छता पदाधिकारी मो. नुर अली खान, जेई अजय कुमार सिंह, सिटी मैनैजर ज्योति कृष्णमुर्ति, राजीव चाकी, मुकेश महतो, अमरेन्द्र झा सहित अन्य मौजूद रहे।

मुकदमें के कारण रुकी पैक्स गोदाम की भूमि की मापी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमीन बिना पैमाइश लौटे अंचल कार्यालय

प्राणपुर (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र केवाला पंचायत के मौजा रामचन्द्रपुर स्थित प्रस्तावित पैक्स गोदाम की भूमि की मापी मंगलवार को न्यायालय में लंबित टाइटल सूट का मामला सामने आने के बाद नहीं हो सकी। प्राणपुर अंचल कार्यालय के निर्देश पर पहुंचे अमीन को भूदाता के वंशजों द्वारा संबंधित भूमि से जुड़े न्यायालय में लंबित टाइटल सूट के दस्तावेज दिखाए गए। जिसके बाद मापी की कार्रवाई तत्काल रोक दी गई और अमीन बिना पैमाइश किए लौट गए। केवाला पैक्स अध्यक्ष तौहीद नय्यर के आवेदन पर जिला पदाधिकारी के निर्देश के बाद अंचल कार्यालय ने मामले की जांच करते हुए भूमि की पैमाइश कराने का निर्णय लिया था। अंचलाधिकारी शिखा कुमारी के आदेश पर अंचल अमीन सुप्रिया भारती एवं अभिषेक कुमार निर्धारित तिथि पर स्थल पर पहुंचे। इसी दौरान भूदाता के वंशजों ने भूमि से संबंधित न्यायालय में लंबित टाइटल सूट के दस्तावेज प्रस्तुत किया।न्यायालय में मामला विचाराधीन होने की जानकारी मिलने के बाद अमीन ने मापी की कार्रवाई रोक दी और वापस लौट गए। मामले में बताया गया कि संबंधित भूमि की रजिस्ट्री वर्ष 1989 में पैक्स के नाम कराई गई थी तथा वर्ष 1990 में वहां पैक्स गोदाम का निर्माण कराया गया।अमीन ने बताया कि भूदाता के वंशजों का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2016 में उक्त भूमि को लेकर न्यायालय में टाइटल सूट दायर किया था। जो आज भी लंबित है। इसी लंबित वाद का हवाला देते हुए मापी पर आपत्ति दर्ज कराई गई। पैक्स अध्यक्ष मोहम्मद नय्यर ने बताया कि प्रस्तावित पैक्स गोदाम की भूमि के चारों ओर अतिक्रमण हो चुका है। धान अधिप्राप्ति के मौसम में अनाज रखने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं रहने से पैक्स को हर वर्ष परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि इसी समस्या के समाधान के लिए जिला पदाधिकारी से शिकायत की गई थी। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अंचल कार्यालय ने वस्तुस्थिति स्पष्ट करने के उद्देश्य से भूमि की मापी कराने की प्रक्रिया शुरू की थी। लेकिन न्यायालय में लंबित टाइटल सूट का मामला सामने आने से कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। इस संबंध में अंचलाधिकारी ने बताया कि पैक्स गोदाम की भूमि की मापी के लिए अमीन को भेजा गया था। स्थल पर न्यायालय में लंबित टाइटल सूट से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।जिसके कारण मापी की कार्रवाई रोक दी गई।

सरकार ने माना

एफसीआई ने एथेनॉल बनाने वालों को 40 प्रतिशत घाटे पर बेचा चावल

नई दिल्ली, एजेंसी। एथेनॉल वाले पेट्रोल को लेकर पूरे देश में बहस चल रही है। कई लोगों की शिकायत है कि इससे गाड़ियों का माइलेज प्रभावित हो रहा है और इंजन में खराबी आ रही है। सरकार ने भी माना है कि श्व20 पेट्रोल से माइलेज में मामूली गिरावट आती है। सरकार पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाने पर विचार कर रही है ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। इस बीच सरकार का कहना है कि फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 40 फीसदी घाटे पर एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को चावल बेचा है। सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के जवाब में कहा कि एफसीआई ने जून 2025 और जून 2026 के बीच एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को लिए 2,250-2,320

रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर चावल बेचा जबकि कॉर्पोरेशन की औसत खरीद लागत 3,720-3,889 रुपये प्रति क्विंटल थी। यानी एफसीआई ने एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों को करीब लगभग 40 प्रतिशतकम कीमत पर चावल बेचा।

किसे मिला सबसे ज्यादा फायदा

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमूबेन जयंतीभाई बांभनिया ने बताया कि एफसीआई ने पिछले 12 महीनों के दौरान अपने गोदामों से एथेनॉल प्लांट्स को 6.35 मिलियन टन चावल भेजा। इसकी कुल कीमत 14,596.78 करोड़ रुपये थी। सबसे ज्यादा चावल हरियाणा की एथेनॉल डिस्टीलरीज को मिला। इस राज्य को पिछले एक साल में एफसीआई से 844,141 टन चावल मिला। हरियाणा के बाद उत्तर प्रदेश (838,645 टन), पंजाब और हिमाचल प्रदेश (दोनों मिलाकर 658,952 टन), पश्चिम बंगाल (584,672 टन) और मध्य प्रदेश (432,485 टन) का नंबर रहा। ओपन मार्केट सेल स्कीम (डोमेस्टिक) के तहत एथेनॉल कंपनियों के लिए चावल की कीमत जून से अक्टूबर 2025 तक 2,250 रुपये प्रति क्विंटल थी। इसके बाद नवंबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक इसे 2,320 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। नवंबर 2026 से जून 2027 के लिए इसे 2,390 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है।

खरीद लागत वर्सेज इकनॉमिक कॉस्ट

2024-25 में एफसीआई के लिए चावल की औसत खरीद लागत 3,719.72 रुपये प्रति क्विंटल थी जबकि 2025-26 में यह 3,889.46 रुपये प्रति क्विंटल (संशोधित अनुमान) थी। हालांकि एफसीआई की आर्थिक लागत इससे कहीं ज्यादा है। खरीद लागत वह राशि होती है जिस पर कॉर्पोरेशन किसानों से चावल खरीदता है। दूसरी ओर आर्थिक लागत में खरीद, स्टोरेज, ट्रांसपोर्ट और वितरण या बिक्री तक के सभी खर्च शामिल होते हैं। बांभनिया ने कहा कि एथेनॉल प्रोड्यूसर्स को कोई सब्सिडी नहीं दी जा रही है और उन्हें चावल ओपन मार्केट सेल स्कीम (डोमेस्टिक) के तहत तय कीमत पर बेचा जाता है। हालांकि उन्होंने बिक्री मूल्य और एफसीआई की खरीद लागत के बीच गैप के बारे में कुछ नहीं बताया। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एग्रीकल्चर एक्सपर्ट जीके सूद ने कहा कि यह बिक्री असल में एक सब्सिडी है क्योंकि चावल को इकनॉमिक कॉस्ट से कम कीमत पर बेचा जा रहा है।

कितना चावल बेचने की है योजना- उन्होंने कहा कि सरकार 2026-27 के एथेनॉल सप्लाई ईयर के लिए एफसीआई के भंडार से लगभग 7.2 मिलियन टन चावल बेचने की योजना बना रही है।

सोने का भाव आज गिरा और चांदी के रेट में इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर बुधवार (29 जुलाई) सुबह सोने और चांदी के भाव में मिलाजुला बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह 9ः05 बजे के करीब एमसीएक्स पर अगस्त वायदा सोना 0.21 प्रतिशत गिरकर 1,41,331 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि सितंबर वायदा चांदी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 2,16,577 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था।

डॉलर और बॉन्ड यील्ड का असर

इधर, डॉलर इंडेक्स 0.10 प्रतिशत फिसलकर 101.30 पर आ गया, जबकि अमेरिकी 10-साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड पिछले सत्र के 4.60 प्रतिशत से बढ़कर 4.61 प्रतिशत हो गई।

- **भू-राजनीतिक तनाव का असर-** अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। खबरों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने मध्य पूर्व में अपनी सेनाओं पर ईरान की ओर से दागी गई कई बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका। इस ताजा तनाव का सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा और ब्रेंट क्रूड सुबह 9:30 बजे के आसपास 4 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 88 प्रति बैरल के पास पहुंच गया।
- **आज क्या सोना-चांदी खरीदें या रुकें-** पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन के अनुसार, आज के सत्र में सोने को 4,010 और 3,974 पर सपोर्ट तथा 4,070 और 4,110 पर रजिस्टेंस मिलेगा। चांदी के लिए सपोर्ट 56.80 और 56 पर, जबकि रजिस्टेंस 58.40 और 59.10 पर रहेगा। भारतीय बाजारों के लिए जैन ने कहा कि सोने को 1,40,800 और 1,40,000 पर सपोर्ट तथा 1,42,200 और 1,43,100 पर प्रतिरोध है।चांदी के लिए सपोर्ट 2,14,000 और 2,12,200 पर, जबकि प्रतिरोध 2,17,700 और 2,20,000 पर है।

सोने-चांदी की चाल को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स

- **फेड की नीति बैठक और ब्याज दरों का अनुमान-** अमेरिकी फेड का नीतिगत फैसला आज भारतीय समयानुसार रात 11ः30 बजे आएगा, जबकि फेड चेयरमैन केविन वार्श के बयान की उम्मीद रात 12ः00 बजे है। बाजार को उम्मीद है कि फेड इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा, क्योंकि जून में मुद्रास्फीति के आंकड़े अनुमान से कम आए थे। हालांकि, मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से मुद्रास्फीति फिर से उछल सकती है, जिससे फेड को सितंबर और दिसंबर में दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, फेडवॉच टूल के आंकड़े बताते हैं कि बाजार सितंबर में दर बढ़ोतरी की 76 प्रतिशत संभावना जता रहा है, जबकि 29 जुलाई को 25 आधार अंकों (0.25 प्रतिशत) की बढ़ोतरी की संभावना 30 प्रतिशत है। मास्टर कैपिटल सर्विसेज के मुख्य शोध अधिकारी रवि सिंह ने कहा, बाजार अभी दर बढ़ने की लगभग एक-तिहाई संभावना के साथ कारोबार कर रहा है। सख्त मौद्रिक नीति की आशंका ने डॉलर इंडेक्स को 14 महीने के हाई पर पहुंचा दिया है, जिससे सोने-चांदी पर दबाव बना है।

दूसरे देशों के बैंकों पर नजर

अमेरिका के अलावा, बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान भी गुरुवार और शुक्रवार को ब्याज दरों में बदलाव न करने का फैसला ले सकते हैं। गौरतलब है कि ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए नकारात्मक होती हैं, क्योंकि इससे बिना ब्याज देने वाली इस मेटल को रखने का अवसर लागत बढ़ जाता है।

रूस से दोस्ती निभाने की कीमत 100 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिका ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पर 100 प्रतिशततक अमेरिकी टैरिफ लगने की आशंका को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी सीनेट ने एक ऐसे बिल को शुरुआती मंजूरी दे दी है, जिसके कानून बनने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशततक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। इस बिल का मकसद रूस की ऊर्जा से होने वाली कमाई को कम करना और यूक्रेन युद्ध पर दबाव बढ़ाना बताया जा रहा है।

बिल के पक्ष में 86 सीनेटरों ने दिया वोट

इस बिल के पक्ष में 86 सीनेटरों ने वोट दिया, जबकि 12 ने इसका विरोध किया। बिल को दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने तैयार किया था, जो यूक्रेन के प्रबल समर्थक माने जाते थे। उनके निधन के बाद यह बिल आगे बढ़ाया गया और अब यह अमेरिकी संसद की अगली प्रक्रिया की ओर बढ़ चुका है।

किस पर लगेगा टैरिफ- अगर यह बिल आखिरकार कानून बन जाता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत, चीन और रूस से ऊर्जा खरीदने वाले अन्य देशों पर 100 प्रतिशततक आयात शुल्क लगाने का अधिकार मिल सकता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि भारत पर तुरंत 100 प्रतिशतटैरिफ लग जाएगा। यह केवल राष्ट्रपति को ऐसा करने का कानूनी अधिकार देगा। टैरिफ लगाना है या नहीं और कितना लगाना है, इसका फैसला बाद में परिस्थितियों के आधार पर किया जाएगा।

राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद बनेगा कानून

रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल का समर्थन किया है। उन्होंने इसमें ईरान से जुड़े प्रतिबंध भी जोड़ने की मांग की थी, जिसे शामिल कर लिया गया है। अब यह बिल सीनेट में कुछ और प्रक्रियाओं से गुजरेगा और उसके बाद प्रतिनिधि सभा में जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ही यह कानून बनेगा।

अमेरिका के भीतर छिड़ी बहस

इस प्रस्ताव ने अमेरिका के भीतर भी बहस छेड़ दी है। कई डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि अगर राष्ट्रपति को इतनी व्यापक टैरिफ लगाने की शक्ति मिल जाती है, तो इसका असर सिर्फ भारत या चीन पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका के सहयोगी देशों और खुद अमेरिकी उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। उनका तर्क है कि इससे आयात महंगा होगा और आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। वहीं, बिल के समर्थकों का कहना है कि रूस की ऊर्जा बिक्री उसकी सबसे बड़ी कमाई का स्रोत है। यदि रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर दबाव बनाया जाता है, तो रूस की आय कम होगी और यूक्रेन युद्ध को जारी रखने की उसकी क्षमता भी कमजोर पड़ेगी। उनका मानना है कि यह बिल यूक्रेन के समर्थन में अमेरिका का सबसे मजबूत कदम साबित हो सकता है। भारत के लिए फिलहाल यह स्थिति चिंता की बजाय निगरानी की है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदता है। अगर भविष्य में यह बिल कानून बनता है और अमेरिका भारत पर टैरिफ लगाने का फैसला करता है, तो इसका असर दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों और भारतीय निर्यात पर पड़ सकता है। हालांकि, अभी यह केवल एक विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम फैसला आने में समय लगेगा।

तेल के दाम फिर गिरे, ब्रेंट क्रूड 85 से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले तीन दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी दिखी जबकि, ब्रेंट क्रूड 4.27 डॉलर प्रति बैरल गिरकर 84.09 डॉलर पर बंद हुआ। हालांकि, अभी बाजार पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है और आगे का रास्ता अभी भी टेढ़ा नजर आ रहा है। इन तीन-चार दिनों में ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर से 84 डॉलर के बेहद करीब आ गया है।

हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पहले की तरह स्थिर हैं और इनमें कोई बदलाव नहीं आया है। अगर कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर के आसपास आकर स्थिर हो जाता है तो पेट्रोल-डीजल के रेट में कमी होने के चांस बढ़ जाएंगे। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर बढ़ती उम्मीदें हैं। मध्य पूर्व में यह संघर्ष अब अपने छठे महीने में प्रवेश कर चुका है।

ईरान की सख्त शर्त, ओमान को साफ संदेश

कूटनीतिक मोर्चे पर ईरान ने ओमान को अपनी बात बिल्कुल साफ कर दी है। ईरान ने कहा कि होर्मुज को लेकर ओमान का प्रस्ताव उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं है। प्रस्ताव के तहत 50 प्रतिशत नियंत्रण ईरान और 50 प्रतिशत ओमान के पास रखने की बात कही गई थी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजिम गरीबाबादी ने राज्य टीवी पर कहा कि तेल ले जाने वाले जहाजों के आने वाले रास्ते पर पूरी तरह ईरान का ही नियंत्रण होना चाहिए, साथ ही बाहर जाने वाले रास्ते का कुछ हिस्सा भी ईरान के पास होना चाहिए।

क्या कम होंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

- **दुनिया की नजर होर्मुज स्ट्रेट पर टिकी-** सबकी निगाहें दुनिया की सबसे अहम तेल नाका, होर्मुज स्ट्रेट पर टिकी हैं। यहां से तेल की आवाजाही अब भी बाधित है, जिससे सप्लाई पर खतरा बना हुआ है। इसी बीच, सऊदी अरब ने पूर्वी प्रांत में ऑयल फैसिलिटीज को निशाना बना रहे कई ड्रोनों को मार गिराया। सऊदी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये ड्रोन हमले ईरान से जुड़ी मिलिशिया ने इराकी क्षेत्र से किए थे, जिससे इस क्षेत्र में जंग की आशंका और गहरा गई है।
- **आने वाले दिनों में क्या होगा-** ब्लूमबर्ग के मुताबिक आने वाले समय में तेल की कीमतें दो पहलुओं पर निर्भर करेंगी। टॉर्टोइज कैपिटल एडवाइजर्स के सीनियर पोर्टफोलियो मैनेजर रॉब थुमेल कहते हैं कि आने वाले कुछ महीनों के लिए तेल के वायदा दाम में और गिरावट आ सकती है, लेकिन अगर ईरान के साथ कोई ठोस कूटनीतिक समझौता नहीं हुआ, तो लंबी अवधि के वायदा दाम ऊपर की ओर जा सकते हैं।

अडानी की झोली में गिरेंगे 21 पोर्ट!

ब्रिटेन में बड़ी खरीदारी की तैयारी, बनेंगे सबसे बड़े इंटरनेशनल खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप ब्रिटेन में बड़ी खरीदारी की तैयारी में है। ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन ब्रिटेन की सबसे बड़ी पोर्ट ऑपरेटर कंपनी एसोसिएटेड ब्रिटिश पोर्ट्स के लिए बोली लगाने पर विचार कर रही है। गौतम अडानी की इस कंपनी ने 2031 तक दुनिया की सबसे बड़ी ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी कंपनी का लक्ष्य रखा है और ब्रिटेन में अधिग्रहण इसी रणनीति का हिस्सा है।

सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक एबीपी में अभी लगभग 63.9 प्रतिशतकी कंट्रोलिंग हिस्सेदारी बिक्री के लिए उपलब्ध है। फिलहाल

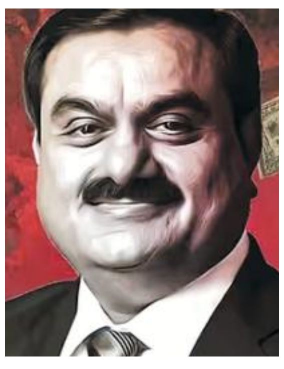

यह हिस्सेदारी दो कनाडाई पेंशन फंड्स के पास है। दोनों ने अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए बैंकरों को नियुक्त किया है। कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड के पास 30 प्रतिशतऔर ओंटारियो म्यूनिसिपल एम्प्लॉइज रिटायरमेंट सिस्टम के पास एबीपी की 33.88 प्रतिशतहिस्सेदारी है।

किस-किसकी हिस्सेदारी- एबीपी के अन्य शेयरहोल्डर्स में सिंगापुर का सॉवरेन वेल्थ फंड जीआइसी (20 प्रतिशत), कुवैत इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी के मालिकाना हक वाली रेन हाउस इन्फ्रास्ट्रक्चर (10 प्रतिशत) और एसेट मैनेजर हर्मिस इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के मालिकाना हक वाली एंकरेज पोर्ट्स एलएपी शामिल हैं।

2026 की पहली छमाही में 11 प्रतिशत बढ़ी घरों की बिक्री

रियल एस्टेट सेक्टर में तेज जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2026 की पहली छमाही में भारत का रियल एस्टेट बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की हालिया रिपोर्ट के आंकड़ों ने यह साबित कर दिया है कि प्रॉपर्टी बाजार में खरीदारों का रुझान अब भी काफी मजबूत है। लग्जरी और प्रीमियम सेगमेंट की जबरदस्त मांग के कारण न केवल घरों की बिक्री के मूल्य में उछाल आया है, बल्कि कीमतों में भी खासी तेजी देखी गई है। लेकिन इस शानदार ग्रोथ के बीच बाजार के रुझान बदल रहे हैं; दक्षिण भारत के शहर विकास का इंजन बन गए हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर का हाउसिंग बाजार सुस्त पड़ता दिखाई दे रहा है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि प्रॉपर्टी बाजार के मौजूदा आंकड़े क्या कहते हैं और आने वाले समय में रियल एस्टेट सेक्टर किस दिशा में जाएगा।

वर्ष 2026 की पहली छमाही में देशभर में घरों की बिक्री का क्या हाल रहा?- नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 के शुरुआती छह महीनों में देशभर में घरों की बिक्री के मूल्य (वैल्यू) में 11 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। अगर सिर्फ दूसरी तिमाही की बात करें, तो यह बढ़ोतरी 9 फीसदी रही। इसके अलावा, जून 2026 में प्रॉपर्टी बिक्री मूल्य में सालाना आधार पर 5 फीसदी और मासिक आधार पर छह फीसदी का इजाफा देखा गया है। ये आंकड़े साफ इशारा करते हैं कि महंगे होते कर्ज के बावजूद प्रॉपर्टी मार्केट में निवेशकों और घर खरीदारों का पैसा लगातार आ रहा है।

रियल एस्टेट सेक्टर के भविष्य और शेयरों के लिए क्या है आउटलुक?

नुवामा रिपोर्ट के मुताबिक, रियल एस्टेट कंपनियों के शेयरों का प्रदर्शन मुख्य रूप से वॉल्यूम ग्रोथ यानी बिकने वाले घरों की संख्या पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में बिल्डरों को साफ सलाह दी गई है कि बिक्री की इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए उन्हें अपना फोकस सिर्फ लग्जरी सेगमेंट से हटाकर मिड-इनकम और प्रीमियम सेगमेंट की तरफ मोड़ना होगा। साथ ही, कीमतों और टिकट साइज को सीमित रखकर अफोर्डेबिलिटी बरकरार रखना सबसे जरूरी होगा। रिपोर्ट का अनुमान है कि एनसीआर के बाजार में, विशेषकर 5 से 10 करोड़ रुपये वाले ब्रैकेट में, अभी और चुनौतियां बनी रहेंगी। वहीं, बेंगलुरु और चेन्नई लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए सबसे मजबूत स्थिति में हैं। रियल एस्टेट बाजार का यह रुख स्पष्ट करता है कि खरीदार अब बहुत सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं। जहां बेंगलुरु और चेन्नई जैसे आईटी हब मिड-सेगमेंट और प्रीमियम घरों की मांग के कारण उड़ान भर रहे हैं, वहीं एनसीआर के बाजार को वापसी करने के लिए डेवलपर्स को अपनी रणनीति और प्राइसिंग में बड़ा बदलाव करना होगा।

नए प्रोजेक्ट्स (सप्लाई) और बिना बिके घरों (इन्वेंट्री) का क्या गणित है?

सप्लाई यानी नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग में क्षेत्रीय स्तर पर काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। एच1सीवाय26 के दौरान बाजार में कुल सप्लाई में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। एमएआर, बेंगलुरु, कोलकाता और हैदराबाद में नई लॉन्चिंग में 10 से 43 फीसदी की तेजी आई। वहीं, एनसीआर और चेन्नई में नए प्रोजेक्ट्स 21 से 34 फीसदी तक घट गए।

सिर्फ असली नूरजहां, पिता से सीख ली ऐसी कला कि आज 16 लाख सालाना की कमाई, कोई आसपास नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है शिवराज सिंह जादव की। वह मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के रहने वाले हैं। अपने पिता से उन्होंने ऐसी कला सीख ली जिससे आज वह सालाना 16 लाख रुपये की कमाई कर रहे हैं। उनकी इस ताबड़तोड़ कमाई का जरिया है आम का बाग। इसमें नूरजहां के अलावा आम की करीब 40 दुर्लभ किस्में उगाई जाती हैं। 1965 में शिवराज के पिता ठाकुर पवनेंद्र सिंह जादव ने शौक के तौर पर इस बाग को आम की प्रयोगशाला बनाया था। आज वही एक सफल व्यावसायिक मॉडल बन चुका है। साल 1965 में ठाकुर पवनेंद्र सिंह जादव ने अपने शौक और कृषि प्रयोगों के चलते जहांगीर और राजापुरी किस्मों की कलम बांधकर एक नई प्रजाति विकसित की। फिल्मों और संगीत के शौकीन पवनेंद्र सिंह ने तब की जानी-मानी गायिका के नाम पर इसका नाम नूरजहां रखा। साल 1974 से 1978 के बीच जब इस पेड़ पर पहला फल आया तो उसका वजन करीब 4.75 किलो था। इस विशालकाय आम की खबर फैलते ही इसे मुंबई के दूरदर्शन स्टूडियो में दिखाया गया।

पिता से बेटे ने सीख लिया फन

1980 के दशक में पवनेंद्र के बेटे शिवराज सिंह जादव भी अपने पिता से आम उगाने और कलम बांधने की तकनीकें सीखने लगे। पिता के निधन के बाद शिवराज और उनके परिवार ने इस विरासत को आगे बढ़ाया। 16 एकड़ में फैले इस फार्म में लगभग 300 से 400 पेड़ हैं। यहां किसी कमर्शियल केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता है। पतझड़ के पत्तों को बारिश में सड़ने देकर ट्रैक्टर से जुताई की जाती है। यही नेचुरल फर्टिलाइजर का काम करती है।

'इश्क़नामा' के 'नरक' को शहनाज़ गिल ने दी अपनी आवाज़

इश्क़नामा की रिलीज़ से पहले शहनाज़ गिल ने फैंस को एक खूबसूरत सरप्राइज़ दिया है। फिल्म के सबसे पसंद किए जा रहे गानों में से एक 'नरक' को शहनाज़ ने अपनी आवाज़ और अपने अंदाज़ में पेश किया है। ओरिजिनल गाने को बी प्राक और ज्योतिका टांगरी ने अपनी आवाज़ दी है, वहीं अब शहनाज़ का स्पेशल कवर वर्ज़न इस गाने में इमोशन्स की एक नई परत जोड़ता है। जानी के लिखे और कंपोज़ किए गए 'नरक' ने पहले ही सुनने वालों के दिलों को छू लिया है। यह गाना फिल्म के मुख्य किरदार नसीमा और निम्मा के बीच के दर्द, तड़प और अनकहे प्यार को बयां करता है। पर्दे पर इन किरदारों को शहनाज़ गिल और जय रंधावा ने निभाया है। फिल्म में नसीमा का किरदार निभाने वाली शहनाज़ इस कवर के जरिए गाने को एक अलग नज़रिए से सामने लाती हैं। ओरिजिनल को दोहराने के बजाय उन्होंने इसे बेहद सॉफ्ट और दिल के करीब अंदाज़ में गाया है, जिसमें नसीमा के जज़्बात साफ महसूस होते हैं। अपने कवर वर्ज़न को लेकर शहनाज़ गिल ने कहा, ''नरक' 'इश्क़नामा' के मेरे सबसे पसंदीदा गानों में से एक है, इसलिए इसका अपना वर्ज़न रिकॉर्ड करना मेरे लिए बेहद खास रहा। मैंने फिल्म में नसीमा का किरदार निभाया है, इसलिए इस गाने से मेरा पहले से ही एक इमोशनल कनेक्शन था। मैं ओरिजिनल को दोबारा बनाने की कोशिश नहीं कर रही थी, क्योंकि बी प्राक और ज्योतिका ने इसे पहले ही इतनी खूबसूरती और रूह के साथ गाया है। मैं बस इसे अपने अंदाज़ में गाना चाहती थी और उम्मीद करती हूं कि लोग मेरे इस वर्ज़न से भी जुड़ेंगे।' शहनाज़ पिछले कई सालों में पंजाबी और हिंदी गानों के जरिए अपनी सिंगिंग का हुनर दिखा चुकी हैं। अब 'नरक' के इस कवर के साथ उन्होंने इश्क़नामा से अपने जुड़ाव को और भी पर्सनल बना दिया है। फिल्म की रिलीज़ से पहले यह कवर दर्शकों को इसकी इमोशनल दुनिया को एक नए अंदाज़ में महसूस करने का मौका देता है।
निम्मा और नसीमा की असाधारण सच्ची कहानी से प्रेरित इश्क़नामा की कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शहनाज़ गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा स्टारर इस फिल्म का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है। 'नरक' के अपने कवर वर्ज़न के साथ शहनाज़ गिल ने फैंस को इश्क़नामा की इमोशनल दुनिया की एक और खूबसूरत झलक दे दी है, जिसने फिल्म की रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

'कहानी 3' में नजर आएंगी यामी गौतम

यामी गौतम के सितारे बुलंदी पर हैं। हाल ही में फिल्म 'आर्टिकल 370' में शानदार अदाकारी के लिए यामी गौतम के नाम का एलान नेशनल फिल्म अवॉर्ड के लिए हुआ। उन्होंने 2024 में आई इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। इस बीच अभिनेत्री के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। यामी गौतम फिल्म 'कहानी 3' में नजर आएंगी।

सुजॉय घोष की चर्चित फ्रैंचाइजी की दो फिल्में आ चुकी हैं। पहली फिल्म 'कहानी' साल 2012 में रिलीज हुई थी। वहीं, दूसरा पार्ट 2016 में रिलीज हुआ। दोनों फिल्मों के निर्देशन का जिम्मा सुजॉय घोष ने निभाया। वहीं, लीड रोल में विद्या बालन नजर आई थीं। अब सुजॉय इसकी तीसरी किस्त लेकर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'कहानी 3' में यामी गौतम की एंट्री हो गई है।

शूटिंग के लिए शुरू हुई तैयारी

खबरों के मुताबिक अभिनेत्री यामी गौतम 'कहानी 3' में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, सुजॉय घोष एक बार फिर डायरेक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। यह फिल्म इस फ्रैंचाइजी की दुनिया में एक नई कहानी दिखाएगी। कहा जा रहा है कि टीम इसकी शूटिंग के शेड्यूल की तैयारी कर रही है। फिलहाल प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। टीम फिल्म के दूसरे पहलुओं पर काम कर रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, पहली दो फिल्मों में विद्या बालन लीड रोल में थीं, लेकिन 'कहानी 3' इस फ्रैंचाइजी को एक नई दिशा में ले जाएगी।

एकदम नई होगी फिल्म की कहानी

कहा जा रहा है कि यह फिल्म पिछली फिल्मों की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी, बल्कि 'कहानी' की दुनिया पर आधारित एक नई कहानी होगी। मेकर्स अभी शूटिंग की टाइमलाइन पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही शेड्यूल तय कर लेंगे। यामी को आखिरी बार उनके पति निर्देशक आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' (2026) में एक कैमियो रोल में देखा गया था।

काशी पहुंचकर भावुक हुईं निवेथा पेथुराज

वाराणसी साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री ने रविवार को वाराणसी स्थित काशी की अपनी यात्रा की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं और एक भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि कुछ जगह सिर्फ घूमने की जगह नहीं होती, बल्कि वे इंसान को ईश्वर से जुड़ने और खुद को समझने का मौका देती हैं। काशी के अनुभव को साझा करते हुए निवेता ने मां गंगा, भगवान शिव और काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। निवेथा पेथुराज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर काशी यात्रा का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, जब भी मैं मणिकर्णिका घाट पर बैठकर मां गंगा को बहते हुए देखती हैं, तो मैं वहां से जवाबों के बजाय और ज्यादा सवाल लेकर लौटती हूं। मां गंगा ने सदियों का इतिहास देखा है, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार बहती रहती हैं। वह न किसी चीज से जुड़कर रुकती हैं और न ही किसी परिस्थिति का विरोध करती हैं। अभिनेत्री ने खुद से सवाल करते हुए आगे लिखा - क्या मां गंगा हमें भी यही सीख देने की कोशिश कर रही हैं। अपनी पोस्ट में निवेता ने काशी से जुड़े अपने धार्मिक अनुभवों को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे काशी विश्वनाथ मंदिर में गंगाजल अर्पित करने का अवसर मिला। मैंने महाशिवरात्रि के मौके पर रुद्री पाठ पूजा में हिस्सा लिया और पवित्र निशिता काल पूजा के दौरान काल भैरव के दर्शन करने का भी अनुभव प्राप्त किया। अभिनेत्री ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए लिखा, कई बार मुझे ऐसा महसूस होता है कि भगवान भैरव खुद मुझे दोबारा काशी बुलाते हैं। जैसे कोई न कोई माध्यम बनकर रास्ते खोल देता है और मुझे फिर से मंदिर तक पहुंचा देता है। आखिर काशी मुझे बार-बार अपनी ओर क्यों आकर्षित करती है। निवेता ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा, शायद कुछ जगह सिर्फ यात्रा की मंजिल नहीं होते। वे ईश्वर के साथ होने वाली ऐसी बातचीत होते हैं, जो वहां से वापस आने के बाद भी लंबे समय तक इंसान के मन में चलती रहती है। अभिनेत्री के इस आध्यात्मिक अनुभव को उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अगले साल तक के लिए टल सकती है सलमान की फिल्म 'मातृभूमि'

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर एक बड़ी रिपोर्ट सामने आई है। इस फिल्म की रिलीज अप्रैल 2026 में तय की गई थी, लेकिन रीशूट और स्क्रिप्ट में बदलाव के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज साल 2027 तक के लिए आगे खिसक सकती है। फिल्म के कंटेंट और चीन से जुड़े संवेदनशील संदर्भों को लेकर रक्षा मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे अभी तक पूरी तरह से सुलझ नहीं पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि अगर ये समस्याएं जल्द ही हल हो भी जाती हैं, तब भी 2026 में एक उपयुक्त रिलीज स्लॉट मिलना काफी मुश्किल होगा, क्योंकि साल की ज्यादातर बड़ी और खास डेट्स पहले ही दूसरी फिल्मों द्वारा बुक की जा चुकी हैं। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर रक्षा मंत्रालय से जुड़े सभी मुद्दे समय रहते सुलझ जाते हैं, तो मेकर्स इसे इसी साल दशहरा वीकेंड पर रिलीज करने पर विचार कर सकते हैं।

'प्रहार...' में राजकुमार ने नकल नहीं, निकम की बारीकियां आत्मसात कीं

राजकुमार राव स्टारर फिल्म 'प्रहारः द उज्वल निकम स्टोरी' जल्द ही रिलीज होगी। इसकी तैयारी और राजकुमार की मेथड एक्टिंग को लेकर खुद वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व पब्लिक प्रॉसिक्यूटर निकम ने खास बातें साझा कीं....
उज्ज्वल निकम बताते हैं कि 'राजकुमार राव ने पारंपरिक रिसर्च की तरह लगातार सवाल नहीं पूछे। वह लंबे समय तक सामने बैठकर केवल यह देखते थे कि मैं कैसे बैठता हूं, फाइल कैसे पकड़ता हूं और अदालत में बहस करते समय हाथों का इस्तेमाल कैसे करता हूं। राजकुमार ने मेरी नकल नहीं की, बल्कि पूरी बॉडी लैंग्वेज को आत्मसात किया। उन्होंने मुझसे सवाल कम पूछे, लेकिन मेरी हर सूक्ष्म बारिकियों को बखूबी पकड़ा।' निकम के मुताबिक, 'राजकुमार की दिलचस्पी संवाद याद करने से ज्यादा उस व्यक्तित्व को समझने में थी, जिसे उन्हें परदे पर जीना था। वह रियल लाइफ में इंट्रोवर्ट हैं लेकिन किरदार की तैयार के लिहाज से की जाने वाली हर चीज जेहन में दर्ज करते जाते हैं। खास बात ये है कि वह अनावश्यक बातचीत में समय नहीं गंवाते। यही उनकी तैयारी की सबसे बड़ी ताकत है।'

वॉइस पर भी खास मेहनत की गई

निकम का कहना है कि 'अदालत में किसी वकील की पहचान केवल कानूनी ज्ञान से नहीं, बल्कि प्रस्तुति से भी बनती है। वॉइस कब ऊंची होगी, कब धीमी होगी और किस तर्क पर कितना विराम लेना है। इन बारीकियों पर राजकुमार ने खास तौर पर विशेष मेहनत की। उन्होंने सिर्फ संवाद याद नहीं किए, बल्कि उस लय को पकड़ने की कोशिश की जिसमें मैं अदालत में दलीलें रखता हूं।'

पुराने वीडियो देखकर राजकुमार ने पकड़ी निकम की शैली

व्यक्तिगत मुलाकातों के अलावा राजकुमार ने निकम की कई पुराने दलीलों और रिकॉर्डिंग्स को बार-बार देखा। बकौल निकम, 'मैंने देखा कि वह शब्दों पर जोर, बोलने की स्पीड और चेहरे के भावों को समझने के लिए मेरे वीडियोज बार-बार देखते थे। यह किसी संवाद को याद करने का नहीं, बल्कि एक इंसान के व्यक्तित्व को आत्मसात करने का अभ्यास था।'

असली कोर्ट जाकर लाइव माहौल भी समझा

निर्देशक अविनाश अरुण के साथ राजकुमार ने वास्तविक अदालत की कार्यवाही भी देखी। निकम कहते हैं कि 'राजकुमार को असल कोर्ट में जाकर समझ आया कि कोर्टरूम फिल्मों से बिल्कुल अलग दुनिया है। वहां हर शब्द का महत्व होता है, हर प्रतिक्रिया नियंत्रित होती है।' शूटिंग के दौरान खुद सेट पर पहुंचे थे निकम, बोल दिए संवाद निकम के अनुसार, किसी व्यक्ति की हूबहू नकल करना आसान है लेकिन उसे परदे पर विश्वसनीय बनाना मुश्किल। राजकुमार ने मेरी आवाज या चाल की कॉपी करने की कोशिश नहीं की। उन्होंने मेरी सोच, प्रतिक्रिया और ऊर्जा को समझने की कोशिश की।

'द इंडिया...' का क्लाइमैक्स निभाना आसान नहीं था

श्रेयस तळपदे इन दिनों अपनी फिल्म 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें उनके साथ काजल अग्रवाल भी हैं। श्रेयस ने खास बातचीत में अपने किरदार, फिल्म के विषय और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभव साझा किए...

बतौर एक्टर आपके लिए 'द इंडिया स्टोरी' की सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

'द इंडिया स्टोरी' का सबसे मुश्किल हिस्सा क्लाइमैक्स का एक इमोशनल सीन था। अस्पताल के माहौल में पिता और बेटी के संघर्ष को इतनी वास्तविकता के साथ फिल्माया गया कि उसे निभाना मेरे लिए भी काफी डिस्टर्बिंग रहा। कुछ सीन कलाकार के मन में लंबे समय तक रह जाते हैं और यह उन्हीं में से एक है। हालांकि निर्देशक और पूरी टीम के सहयोग से उस चुनौती को पार कर पाया।

यह फिल्म करने के बाद आप खुद खाद्य पदार्थों को लेकर कितने सतर्क हुए हैं?

इस फिल्म के बाद मैं खुद भी ज्यादा सावधान हो गया हूं। डेयरी प्रोडक्ट्स काफी कम कर दिए हैं और कच्ची सब्जियां सीधे खाने के बजाय स्टीम करके खाता हूं। मुझे लगता है कि लोगों को कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जो खाना उनकी थाली में है, वह कहां से आ रहा है, उसमें कितना कीटनाशक इस्तेमाल हुआ है और वह किस स्रोत से आया है। जब उपभोक्ता जागरूक होकर सवाल पूछेंगे, तब खाद्य उत्पादकों को भी बेहतर और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

असल भीड़ के साथ शूट करने में कोई परेशानी हुई?

हमारे डायरेक्टर ने जिस तरह से सीन सेटअप किया था, जो माहौल क्रिएट किया है, वह बहुत ही रियलिस्टिक रहा। जैसे हॉस्टिपटल के कुछ सीक्वेंस और कोर्ट के अंदर-बाहर के कुछ सीन सीक्वेंस हैं। वहां जितने क्राउड की जरूरत थी, उन्हें रियल में बुलाकर फिल्माया गया है। पूरे क्राउड के साथ शूट करने का फिल्म पर एक अलग ही असर होता है।

स्क्रिप्ट चुनने का पैमाना क्या है?

कहानी से एक जुड़ाव महसूस होना जरूरी है। ऐसा लगना चाहिए कि यह कहानी बतौर एक्टर मेरे पोटेंशियल को थोड़ा चैलेंज करेगी। मैं इस कहानी के जरिए दर्शकों को कुछ नया दिखा पाऊंगा। हमारे फैंस भी चाहते हैं कि हम कुछ न कुछ नया लेकर आएं। ऐसा लगता है कि कहानी दिलचस्प हो सकती है, तब उसे करने के लिए तैयार हो जाता हूं।

पहली बार काजल अग्रवाल के साथ काम की यादें और काई वाकया साझा करेंगे?

काजल बहुत सुलझी हुई, समझदार और प्रोफेशनल एक्ट्रेस हैं। सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। अगर ऐसे शानदार एक्ट्रेस हों, तब उनके होने से सामने वाले का काम बेहतर हो जाता है। ऑफकोर्स, हमारे बीच खाने, स्क्रिप्ट और बच्चों को लेकर काफी डिसकशन होते थे।

सीडब्ल्यूजी 2026

पहले ही प्रयास में 8.01 मीटर की जंप

ग्लासगो । भारतीय लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार शुरुआत की है। उन्होंने सोमवार को पुरुषों की लॉन्ग जंप के क्वालिफिकेशन राउंड में 8.01 मीटर की छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। श्रीशंकर ने ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क को आसानी से पार कर लिया। क्वालीफाइंग 'ग्रुप-ए' में 27 वर्षीय एथलीट को फाइनल में सीधा प्रवेश पाने के लिए कम से कम 8.00 मीटर की छलांग लगाने की जरूरत थी। श्रीशंकर ने यह लक्ष्य केवल एक प्रयास में हासिल कर लिया, जिसके बाद उन्होंने अपना क्वालिफिकेशन राउंड समाप्त कर दिया और बुधवार को होने वाले मेडल इवेंट के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखी। केरल के इस एथलीट ने अपने पहले प्रयास से ही 'ग्रुप-ए' में शीर्ष स्थान हासिल किया।

श्रीशंकर मुरली ने हासिल किया फाइनल का टिकट

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास

10,000 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

ग्लासगो। ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ष्टङ्खत्र 2026) के छठे दिन भारत के स्टार धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए गुलवीर ने रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स की इस स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले भारत के पहले एथलीट बन गए हैं। 27 मिनट 49.78 सेकंड में पूरा किया ऐतिहासिक सफर 27 वर्षीय गुलवीर सिंह ने ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार और धैर्य का परिचय देते हुए 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकाला और दूसरा स्थान हासिल किया।

● **गोल्ड मेडल :** ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ● **सिल्वर मेडल :** भारत के गुलवीर सिंह (27 :49.78) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। ● **कांस्य पदक :** डेविड मुलार्की ने कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास मानी जा रही है क्योंकि लंबी दूरी की दौड़ में पारंपरिक रूप से दबदबा रखने वाले कीनिया और युगांडा के दिग्गज धावक इस बार पोडियम (शीर्ष तीन) में जगह बनाने में नाकाम रहे।

'मेरे को नंगी कर के सड़क पर फेंक दिया था'

● कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने वाली एथलीट शर्मीला धनकड़ की प्रेरक कहानी

नई दिल्ली । ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में पहले 5 दिन के बाद भारत ने 10 पदक जीत लिए हैं। भारत की बेटियों ने स्कॉटलैंड में तिरंगे का मान बढ़ाया है। उसमें से कई खिलाड़ियों की कहानी ऐसी है जिसमें उन्होंने बेहद कठिनाइयों का सामना किया है। ऐसी ही प्रेरक कहानी है भारत के लिए पैरा एथलेटिक्स में इतिहास रचने वाली शर्मीला धनकड़ की। उन्होंने 40 साल की उम्र में गोला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतते हुए अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया। आज इस स्वर्ग जैसी जिंदगी में नजर आ रहीं शर्मीला का जीवन 14 साल पहले किसी नर्क से कम नहीं था। उनके पहले पति ने उन पर इस कदर यातनाएं की थीं कि उन्हें बिना कपड़ों के सड़क पर बेटियों के साथ फेंक दिया था।
ग्लासगो में सोमवार रात गोल्ड मेडल जीतने के बाद शर्मीला ने इंडियन एक्सप्रेस और अपनी 14 साल पहले की दर्द भरी कहानी को भी सबके सामने बताया। वहीं ङ्गद्ग द्वारा आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में जनसत्ता के सवालों का भी जवाब दिया और यह भी बताया कि दूसरे पति अजीत सिंह का उनकी जिंदगी में बेहद खास रोल रहा।
उन्होंने बताया कि 2012 में उनके नशेड़ी पति ने रेवाड़ी में उनको दो बेटियों के साथ निर्वस्त्र करके सड़क पर फेंक दिया था। यह मामला रेवाली के गुरकावास गांव का था। इसके बाद पड़ोसियों ने उन्हें कंबल और रजाई से लपेटा। फिर शर्मीला के माता-पिता जय लाल और सरोज उन्हें अपने महेंद्रगढ़ स्थित गांव छिथरौली ले गए। इस हादसे के 14 साल बाद अब भारत की इस बेटी ने ग्लास्गो में गोल्ड मेडल जीता और अपनी मां व दूसरे पति अजीत सिंह को साथ सेलिब्रेट करने के लिए सबके सामने बुलाया।

शर्मीला ने सुनाई दर्द भरी दास्तां

शर्मीला 2 साल की उम्र में ही एक पैर में पोलियो से पीड़ित हो गई थीं। उन्होंने गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपनी आपबीती को बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे को नंगी करके मेरी बेटियों के साथ सड़क पर फेंक दिया था मेरे पहले हस्बैंड (पति) ने। मेरे पड़ोसियों ने मुझे कंबल से लपेटा और फिर मेरे माता-पिता मुझे वहां से ले गए। मेरी 19 साल की उम्र में शादी कर दी गई थी। वह ड्रग्स लेता था और उसका आदि था। जब मेरी दूसरी बेटी पैदा हुई थी तब से चीजें खराब हो गई थीं।' वहीं शर्मीला की माता सरोज भी बचपन से नेत्रहीन हैं। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बेटी की सफलता के बाद कहा, 'मेरी बेटी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक टॉपर रही है। लेकिन हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी तो हमने उसकी शादी कर दी। जब यह हुआ (पहले पति की बर्बरता) तो मैंने अपने पति से कहा कि उसे वापस ले आओ। यह गोल्ड मेडल शर्मीला के जज्बे का नतीजा है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली । कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13

गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं। मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। मंगलवार को महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो का भार उठाते हुए सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने स्नैच में 101 और क्लीन एंड जर्क राउंड में 126 किलो का भार उठाया। वहीं, गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ को 27 :49.78 सेकंड में पूरा करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। गुलवीर इस प्रतियोगिता में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। मुक्केबाजी में प्रीति, प्रिया और जादुमणि सिंह ने अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इन तीनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्के कर दिए हैं।

5 ओवर में 5 विकेट और रन दिए 0

● पाकिस्तान पर कहर बरपा जस्टिन ग्रीव्स ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने सोमवार को (27 जुलाई) को पाकिस्तान के खिलाफ इतिहास रच दिया। वह टेस्ट क्रिकेट में लगातार पांच विकेट मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ग्रीव्स ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 2016 में जोहान्सबर्ग में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के लगातार चार मेडन विकेट के रिकॉर्ड को तोड़ा। पाकिस्तान ने 38 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। ग्रीव्स ने त्रिनिदाद में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट के तीसरे दिन लंच से

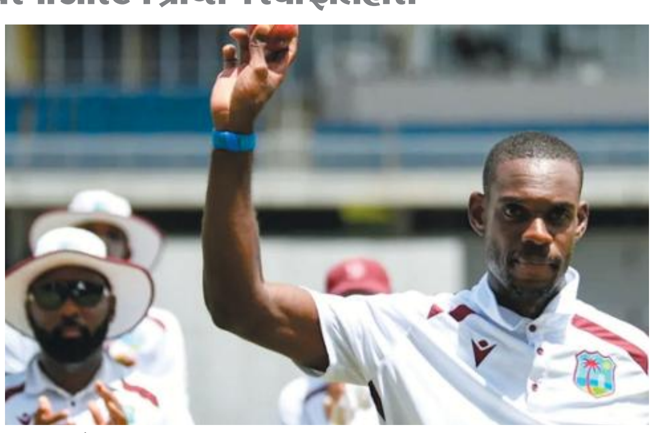

पहले और बाद के स्पेल में कहर बरपाया। पाकिस्तान पहली पारी में अच्छी बढ़त बनाने की राह पर था। एक समय उसका स्कोर 244/3 था। पूर्व कप्तान शान मसूद ने शतक पूरा किया।

पाक 282 रन पर ऑल आउट

इसके बाद ग्रीव्स ने उन्हें आउट किया। फिर लगातार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान और मोहम्मद रिजवान को बिना कोई रन दिए आउट कर दिया। इससे पाकिस्तान का स्कोर लंच तक 267/8 हो गया। ग्रीव्स ने लंच के बाद अपने पहले ओवर में मोहम्मद अब्बास को विकेट के पीछे कैच कराया और लगातार पांच विकेट मेडन किए। इससे पाकिस्तान 282 रन पर ऑल आउट हो गया।

इंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ाई

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी लड़खड़ा गई है। उसने 43 ओवर में 7 विकेट पर 126 रन बनाए हैं। उसके पास 155 रनों की बढ़त है। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद अब्बास ने 14 रन देकर 3 विकेट झटके। केमार रोच 5 और शमार जोसेफ 13 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद क्रीज पर। कैरेबियाई टीम के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा तेगनरायण चंद्रपाल ने 35 रन बनाए हैं। तीसरे दिन 14 विकेट गिरे।

188 विकेट और 2200 रन, कौन हैं सारांश जैन?

वाशिंगटन की जगह श्रीलंका दौरे पर मिला मौका

नई दिल्ली। श्रीलंका दौरे पर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का मंगलवार(28 जुलाई) को ऐलान हो गया। वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण सारांश जैन को चुना गया है। मध्य प्रदेश के इस ऑलराउंडर का चयन चौंकाने वाला है क्योंकि उन्हें 33 साल की उम्र में मौका मिला है। भारतीय क्रिकेट में 30 साल के होने के बाद पहली बार चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा नहीं है।

घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले सारांश को इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में गेंद और बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 70 रन बनाने के अलावा छह विकेट लिए थे। सारांश जैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 188 विकेट लिए हैं और दो शतक के साथ 2200 से ज्यादा रन बनाए हैं। श्रीलंका की टीम में काफी बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी की वजह से चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम में शामिल किया है।

360 रन और 35 विकेट

सारांश जैन ने उस सीजन में उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए 360 रन बनाए और 35 विकेट लिए। इससे उन्हें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए की टीम में चुना गया, जहां उन्होंने एकमात्र खेले मैच की दोनों पारियों में हाफ-सेंचुरी बनाई। सारांश की खासियत है कि वह किसी भी मौके का पूरा फायदा उठाते हैं।

टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में दो बड़े बदलाव

श्रीलंका दौरे पर नए कोच के साथ उतरेगी टीम

नई दिल्ली। भारतीय टीम 15 अगस्त से अब इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना अगला मुकाबला खेलेगी। टीम इंडिया श्रीलंका का दौरा करेगी जिसमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ से दो पूर्व सदस्यों का नाम हट जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह अपने बयान में साफ कर दिया है कि असिस्टेंट कोच रियान टेन डशकाटे और फील्डिंग कोच टी दिलीप का कार्यकाल नहीं बढ़ेगा।

मंगलवार को पीटीआई से बात करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिन देवजीत सैकिया ने यह बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया नए फील्डिंग कोच के साथ उतरेगी। वहीं कोचिंग स्टाफ में दो बदलाव होना तय है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका दौरे से पहले ही फील्डिंग कोच के नाम का ऐलान होगा। वहीं इसके लिए दो से तीन नामों पर चर्चा भी जारी है।

क्या बोले देवजीत सैकिया?

सैकिया ने बताया, 'असिस्टेंट कोच रियान डसकाटे का दो साल का कॉन्ट्रैक्ट 10 जून को टीम इंडिया के साथ खत्म हो चुका है। फील्डिंग कोच टी दिलीप का पिछले साल एक साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया गया था।

पिता इलेक्ट्रीशियन, आर्थिक तंगी में गुजरा बचपन

अब कॉमनवेल्थ गेम्स में पूरा किया पिता का अधूरा सपना; ज्ञानेश्वरी यादव की कहानी

नई दिल्ली। एक प्रसिद्ध कहावत है, 'जिसमें कुछ करने का जुनून होता है वह किसी भी परिस्थिति में अपनी राह बना लेता है।' इसी कहावत को सच कर दिखाया है भारतीय वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने। परिवार की आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी, कोरोना जैसी महामारी और कई तमाम तरह की परेशानियों का सामना करते हुए ज्ञानेश्वरी यादव ने अपने सपने को साकार किया है। ज्ञानेश्वरी यादव ने सोमवार (27 जुलाई) को राष्ट्रमंडल खेलों में 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता और अपना नाम इतिहास के पन्नों पर अमर कर दिया।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक यादव बिजली मिस्त्री हैं, जिन्होंने कभी बॉडी बिल्डर बनने का सपना देखा था लेकिन परिवार की जिम्मेदारियों के बीच उनका सपना अधूरा रह गया। अपनी बेटी के जन्म के साथ ही दीपक ने यह निश्चय कर लिया था कि वह अपनी बेटी को एक स्पोर्ट्सपर्सन ही बनाएंगे। 13 साल की ज्ञानेश्वरी को उनके पिता दीपक ने पहली बार पॉवर लिफ्टिंग से परिचय कराया। ज्ञानेश्वरी के प्रतिभा को देखते हुए दीपक उनको वेटलिफ्टिंग कोच अजय लोहार विश्वकर्मा के पास ले गए, जो इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को देखकर तुरंत प्रभावित हो गए।

कम संसाधनों में की कड़ी मेहनत- कोच लोहार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया,'ड्राई लिफ्टिंग के पहले दिन ही उन्होंने 15 किलोग्राम के लकड़ी के तख्ते को आसानी से उठा लिया। मुझे उस एहसास हो गया कि वह एक अच्छी वेटलिफ्टर बनेंगी। उनमें संतुलन और शारीरिक ताकत शुरू से ही अच्छी थी। इसलिए उन्होंने खेल की बुनियाद को जल्दी सीख लिया। वेटलिफ्टिंग के सफर की शुरुआत के साथ ही ज्ञानेश्वरी को संसाधनों की कमी से जुझना पड़ा।

ज्ञानेश्वरी के पिता ने कहा, ज्ञानेश्वरी भीषण गर्मी में बिना पंखे वाले हॉल में अभ्यास किया करती थीं। ज्ञानेश्वरी यादव ने एक दिन के लिए भी अपने अभ्यास में कमी नहीं की। कोरोना महामारी के दौरान जब सब कुछ ठप हो चुका था, ऐसे समय में भी ज्ञानेश्वरी ने बिना संसाधनों के ही अपने अभ्यास को जारी रखा। छह महीने से अधिक तक जिम बंद रहने की वजह से ज्ञानेश्वरी ने घर को ही प्रशिक्षण स्थल बना लिया। पिता दीपक ने सीमेंट की पट्टियां बनाई और गैस सिलेंडर का इंतजाम किया ताकि वह बिना किसी रुकावट के प्रशिक्षण कर सके।

ज्ञानेश्वरी यादव के पिता दीपक ने बताया, 'ज्ञानेश्वरी के जन्म के साथ ही मैंने और उसकी मां दुर्गा ने यह फैसला ले लिया था कि हम उसे खिलाड़ी बनाएंगे। जब उसने रजत पदक जीता तो मुझे खुद को पोडियम पर देखने का मौका मिला। वह 14 साल की उम्र में भी आसानी से बेंच प्रेस कर लिया करती थी। चाहे बारिश हो या गर्मी उसने अभ्यास कभी नहीं छोड़ा। जहां वह प्रशिक्षण करती थी वहां पंखा भी नहीं था।

जंगली मशरूम खाने से तीन बीमार

तिसरी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी थाना क्षेत्र में जंगली मशरूम खाने से एक महिला समेत दो बच्चे बीमार हो गए। तीनों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तिसरी में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार तिसरी निवासी विजय यादव की 42 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी और दो बच्चों ने जंगल से लाए गए मशरूम का सेवन किया था। मशरूम खाने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासी विकास शर्मा मौके पर पहुंचे और बिना देर किए तीनों को तीन पहिया वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तिसरी पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सक डॉ. ज्ञानेंद्र और उनके सहयोगी अनूप ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। फिलहाल तीनों की स्थिति चिकित्सकीय निगरानी में बताई जा रही है चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि जंगलों में मिलने वाले अज्ञात मशरूम का सेवन न करें। उन्होंने बताया कि कई जंगली मशरूम जहरीले होते हैं और इनके सेवन से गंभीर या जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो सकती है। समय पर अस्पताल पहुंचने से मरीजों की स्थिति में सुधार की संभावना बढ़ जाती है।

अलग-अलग मामलों में तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने बताया कि औरंगाबाद न्यायालय द्वारा निर्गत गिरफ्तारी वारंट के आधार पर पुलिस ने तीनों वारंटियों को उनके घरों से गिरफ्तार किया।

जन समाधान दिवस में कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

भूमि विवादों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रत्येक बुधवार की भांति समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में जन समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जन समाधान दिवस के दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जुड़े कई मामले सामने आए। लाभुकों ने पेंशन भुगतान में तकनीकी त्रुटि, आधार सीडिंग, बैंक खाते से संबंधित समस्याओं सहित अन्य शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके बाद कई मामलों का मौके पर ही सत्यापन कर तकनीकी त्रुटियों का ऑन-द-स्पॉट निराकरण किया गया, जिससे संबंधित लाभुकों की पेंशन भुगतान की प्रक्रिया पुनः सुचारू हो सकी।बैठक के दौरान भूमि विवाद एवं राजस्व से संबंधित कई आवेदन भी प्राप्त हुए। इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित अंचलाधिकारियों से दूरभाष पर बात कर प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा आमजनों को समय पर न्याय मिलना चाहिए।इसके अलावा जन समाधान दिवस में राजस्व, आपूर्ति, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को जन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जीटी रोड सिक्स लेन का निर्माण कार्य अबतक नहीं हो सका पूर्ण

वर्ष 2014 में पूर्ण करने का लक्ष्य था निर्धारित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जीटी रोड के सिक्सलेन निर्माण कार्य अबतक पूर्ण नहीं हो सका है। निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। एनएचएआई ने निर्माण कंपनी को दिसंबर 2026 तक सभी कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य दिया है। अधिकांश सड़क निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब केवल कुछ प्रमुख संरचनाओं जैसे वाहन अंडरपास और पब्लिक अंडर पास का कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

शिवगंज में वीयूपी, ओरा में पीयूपी बनकर तैयार है। इन संरचनाओं के पूरा होने के बाद जीटी रोड पूरी तरह से छह लेन में परिवर्तित हो जाएगी। एनएचएआई के एक अधिकारी के अनुसार निर्धारित समय सीमा के अंदर कार्य पूर्ण कराने के लिए निर्माण कंपनी को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। बता दें कि सड़क के सिक्सलेन होने से यातायात सुगम होगा और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। बता दें कि यह परियोजना वर्ष 2011 में शुरू हुई थी जिसे वर्ष 2014 में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित था परंतु जमीन अधिग्रहण में आई बाधाओं और निर्माण कंपनी सोमा आइसोलक्स के कार्य अधूरा छोड़ देने के कारण परियोजना अबतक पूरी नहीं हो सकी है। इसके बाद नए सिरे से कार्य शुरू होने पर परियोजना ने रफ्तार पकड़ी है। बता दें कि जीटी रोड देश की महत्वपूर्ण लाइफलाइन है जो नई दिल्ली को सीधे कोलकाता से जोड़ती है। जहां भी फ्लाईओवर और ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है वहां पर सोलर आधारित स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही है।

गुरु पूर्णिमा पर रेड क्रॉस योग केंद्र में गुरुजनों का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रेड क्रॉस योग केंद्र में बुधवार को गुरु पूर्णिमा उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत, पुष्प वर्षा और दिव्य आरती के बीच योग कक्षा के शिष्यों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की इस अवसर पर योग गुरु अरिंदम घोषाल एवं हास्य योग गुरु अरविंद कुमार को शिष्यों ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

गुरु सम्मान समारोह में सभी शिष्यों ने बारी-बारी से दोनों गुरुजनों का मुंह मीठा कराया और सप्रेम उपहार अर्पित किए अपने संबोधन में योग गुरु अरिंदम घोषाल ने नियमित योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए लोगों से सकारात्मक सोच अपनाने और नकारात्मक प्रवृत्ति वाले लोगों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी।

वहीं हास्य योग गुरु अरविंद कुमार ने कहा कि हास्य योग तन और मन दोनों को स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने क्रोध पर नियंत्रण रखने और जीवन में प्रसन्नता बनाए रखने के कई उपयोगी सुझाव भी दिए कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय कुमार, प्रभात खेतान, गुड्डी भारती, पिंकी खेतान, सोनम सेठ, ज्योति तरवे, पिंकी साहा, पवन खंडेलवाल, मीरा साहू, अंजू अग्रवाल, रश्मि तरवे, विष्णु शर्मा, सुलेखा बसईवाला, सुमन बसईवाला, शंभु चौधरी, कविता बर्णवाल, अनुपमा गुप्ता, रूबी सिंह, आशा देवी, रामविलास सिंह, ज्योति चंद्रा, आराधना एवं मधु देवी सहित सभी शिष्यों का सक्रिय योगदान रहा।

हर बड़ी वारदात में बंद मिल रहे कैमरे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

परवलपुर। नगर पंचायत क्षेत्र में करीब 50 लाख रुपये की लागत से लगाए गए सीसीटीवी कैमरे अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थापित किए गए थे, लेकिन बड़ी आपराधिक घटनाओं के समय इनके बंद मिलने से पूरी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। शनिवार की रात परवलपुर बाजार में हुई फायरिंग की घटना के दौरान घटनास्थल के पास लगा सीसीटीवी कैमरा बंद था, जिससे पुलिस को जांच और अपराधियों की पहचान में परेशानी हो रही है। इससे पहले करीब एक वर्ष पूर्व हुई छिनतई की घटना के समय भी इसी क्षेत्र का कैमरा खराब पाया गया था।थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने पुष्टि की कि फायरिंग स्थल के आसपास लगा कैमरा कार्यरत नहीं था। वहीं नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अश्वनी कुमार से इस संबंध में संपर्क करने का प्रयास किया गया। उन्होंने पहले जानकारी लेकर बताने की बात कही, लेकिन बाद में फोन रिसीव नहीं किया। लगातार दो बड़ी घटनाओं में कैमरों के बंद मिलने से स्थानीय लोगों में नाराजगी है।

मदनपुर में बिजली की आंख मिचौली से ग्रामीण परेशान

नवबिहार टाइम्स, संवाददाता

औरंगाबाद । विगत तीन दिनों से मदनपुर में बिजली की आंखमिचौली से इन दिनों ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। यहां बिजली, जंगल की तितली बन चुकी है। बता दें कि बीते शनिवार से ही एक-दो मिनट के लिए बिजली आती है। घंटा-दो चार घंटा के लिए फुर्र हो जाती है। एक तो बरसात के मौसम में भी प्रयाप्त वोल्टेज का नहीं होना, बिजली विभाग की लचर व्यवस्था की पोल खोल रही है।

छत के पंखें अपनी गति से चलते नहीं है, सिर्फ हिलते हैं। उपर से भीषण गर्मी का ताप अब बर्दास्त नहीं हो रहा है । हांथों का बेना (पंखा) ही एकमात्र सहारा बना है। बिजली की कमी और वोल्टेज का कम होनें से न तो नल जल ही चल रहा है और न निजी मोटर ही। नतीजन पेयजल की भी समस्या बन चुकी है। तो वहीं स्कूली बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। बिना बिजली के न तो बच्चे घर पर इस भीषण गर्मी में पढ़ ही पा रहे हैं और न होमवर्क ही बना पा रहे हैं । नतीजन स्कूलों में शिक्षकों की डांट सुननी पड़ रही है। मिट्टी का तेल भी नहीं मिलता जो कि लालटेन और ढ़िबरी में जला कर बच्चे पढ़ाई करते और माताएं रात में खाना बना पाती। आखिर उसका जवाबदेह कौन होगा या फिर बिजली विभाग या फिर सरकार। एक तरफ वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी नें वादा किया है कि किसानों को कृषि कार्य करनें हेतु सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक निर्वाध बिजली आपूर्ति की जाएगी तो फिर बिजली विभाग सरकार के आदेश को क्यों नहीं अनुपालन करनें को तैयार है। क्या यह 125 यूनिट फ्री बिजली देनें का खामियाजा तो नहीं है।

किसान एवं मिडिल क्लाश का नागरिक किसे शिकायत करे इस बिजली त्रादशी की। कोई सुननें वाला भी तो नहीं है । धान की रोपणी बिजली की कमी से प्रभावित हो रही है। नतीजन धान नहीं लगेंगे, तो उपज कहां से होगी। राष्ट्रीय खाद्यान संकट की ओर बिहार बिजली की कमी से बढ़ता जा रहा है। भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है। ऐसे में बिजली को तितली बननें से कौन रोकेगा।

एचएमएसआई ने भारत में

10 मेड इन इंडिया मोटरसाइकिल और स्कूटरों का नया पोर्टफोलियो किया पेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भारतीय बाजार के लिए 10 मोटरसाइकिलों और स्कूटर्स का नया पोर्टफोलियो पेश किया है। इस पोर्टफोलियो में सात नए मॉडल और तीन नए रंग विकल्पों के साथ अपडेट किए गए मॉडल शामिल हैं। नई रेंज में क्रूजर, एडवेंचर टूरर, रोडस्टर, लाइफस्टाइल राइडिंग, इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स-फ्यूल मोबिलिटी से जुड़े उत्पाद शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन मॉडलों का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण उसकी उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करेगा। साथ ही, ग्राहकों को होंडा की वैश्विक तकनीकों तक बेहतर पहुंच मिलेगी तथा स्थानीय सोर्सिंग और विनिर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा कि 10 उत्पादों का यह नया पोर्टफोलियो एडवांस इंटरनल कंबशन इंजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के माध्यम से ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों के अनुरूप विकल्प उपलब्ध कराता है। कंपनी के अनुसार, इस पोर्टफोलियो के चुनिंदा मॉडलों में होंडा ई-क्लच तकनीक भी उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रमाण पत्रों का वितरण

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश राम एवं बिहार कांग्रेस प्रभारी महासचिव कृष्णा अलावरू के द्वारा पटना में दो दिवसीय प्रखंड अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर के बाद प्रमाण पत्र दिया गया। प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त होंने पर बधाई देने वाले इन्द्र देव भुईयां, मनोज सिंह,मो जावेद अंसारी, योगेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

सूची में नाम, फिर भी नहीं मिला आवास

स्कूल के कमरे में रहने को मजबूर आदिवासी परिवार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से हर गरीब को पक्का मकान उपलब्ध कराने के दावों के बीच गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड की थानसिंहडीह पंचायत के बड़की लतबेधवा गांव से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने आवास योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आवास योजना की सूची में नाम होने के बावजूद एक आदिवासी परिवार आज भी गांव के विद्यालय के एक कमरे में रहने को मजबूर है। गांव निवासी सोरेन ने बताया कि उनका खपरैल मकान वर्षों पहले जर्जर हो गया था। लगातार बारिश के कारण घर रहने लायक नहीं बचा, जिसके बाद वे अपने पति और बच्चों के साथ गांव के विद्यालय के एक कमरे में शरण लेने को विवश हो गईं। परिवार मजदूरी कर किसी तरह जीवनयापन करता है और आर्थिक तंगी के कारण खुद पक्का मकान बनवाने में असमर्थ है। उन्होंने बताया कि कर्ज लेकर पुराने घर की मरम्मत कराई थी, लेकिन बारिश शुरू होते ही छत फिर टपकने लगी। ऐसे में सुरक्षित आवास का सपना अब भी अधूरा है।

उन्होंने बताया कि उनका नाम आवास योजना की लाभुक सूची में शामिल है। उन्हें उम्मीद थी कि जल्द ही पक्का घर मिलेगा, लेकिन अब तक योजना का लाभ नहीं मिल पाया। उनका कहना है कि परिवार आज भी सरकारी सहायता का इंतजार कर रहा है। महिला ने आरोप लगाया कि अशोक नामक व्यक्ति ने मनरेगा के तहत पशु शेड दिलाने और उसमें रहने की व्यवस्था कराने का भरोसा देकर उनसे 10,000 लिए, लेकिन न तो पशु शेड मिला और न ही पैसे वापस किए गए। हालांकि, अशोक ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस विद्यालय का कमरा बच्चों की पढ़ाई के लिए होना चाहिए, वही आज एक गरीब परिवार का आश्रय स्थल बना हुआ है। उनका कहना है कि यदि योजनाओं का लाभ समय पर मिलता, तो परिवार को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।

मुखिया प्रतिनिधि मदन यादव ने स्वीकार किया कि संबंधित परिवार अत्यंत गरीब है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में तत्काल राहत के तौर पर पशु शेड उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन आवंटन नहीं मिलने के कारण भुगतान नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि परिवार का नाम आवास योजना की सूची में है, किंतु प्राथमिकता सूची में पीछे होने के कारण अब तक आवास स्वीकृत नहीं हो पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में प्राथमिकता मिलने पर परिवार को योजना का लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि सबसे जरूरतमंद परिवारों को भी वर्षों तक आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, तो योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। उनका कहना है कि ग्रामसभा द्वारा चयनित लाभुकों को समय पर सहायता मिलनी चाहिए। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र आवास उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि उन्हें भी सम्मानपूर्वक अपने घर में रहने का अधिकार मिल सके।

घर से अवैध आरा मिल चलाने का आरोप

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के तिसरी प्रखंड के बड़की लतबेदवा गांव में एक घर से कथित तौर पर अवैध आरा मिल संचालित होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां लंबे समय से लकड़ियों की चिराई का काम धड़ल्ले से किया जा रहा है, जबकि वन विभाग को इसकी जानकारी तक नहीं थी। ग्रामीणों के कथित अनुसार, यह आरा मिल पहले खुले स्थान पर संचालित होती थी, जिसे बाद में संचालक अपने घर में ले आया। कुछ समय तक मिल बंद रहने के बाद अब दोबारा इसका संचालन शुरू हो गया है।

ग्रामीणों का दावा है कि आसपास के जंगलों से लकड़ी के बोटे लाकर यहां उनकी चिराई की जाती है मामले को लेकर जब वन विभाग के रेंजर अनिल कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने प्रारंभ में इस संबंध में जानकारी होने से इनकार किया। हालांकि उन्होंने कहा कि

वन विभाग ने जांच का दिया भरोसा

यदि बिना अनुमति आरा मिल का संचालन किया जा रहा है तो मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो यह वन संरक्षण और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन का गंभीर मामला हो सकता है। उन्होंने लकड़ियों के स्रोत तथा आरा मिल की वैधता की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है इस मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग जांच पूरी कर कब और क्या कार्रवाई करता है। फिलहाल वन विभाग ने जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

पंचायत स्तरीय कैंप में 62 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट मिला लर्निंग लाइसेंस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। आम नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सेवाएं उनके घर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के निदेशानुसार बुधवार को पंडवा प्रखंड के पतरा पंचायत क्लस्टर में पंचायत स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में पतरा, छेछौरी, मझीगांवा एवं मुरमा पंचायत के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कैंप में परिवहन विभाग की टीम सभी आवश्यक तकनीकी उपकरणों एवं संसाधनों के साथ पंचायत पहुंची, जिससे ग्रामीणों को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं पड़ी। इससे समय, धन और श्रम—तीनों की बचत हुई तथा दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सुविधा उपलब्ध कराई गई।प्रेस विज्ञप्ति तैयार किए जाने तक कुल 106 लर्निंग लाइसेंस आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 62 युवाओं को ऑन-द-स्पॉट लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया।इस अवसर पर मोटरयान निरीक्षक एवं सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने लाभुकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल वाहन चलाने की अनुमति नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी से हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने की अपील की।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान जाना अत्यंत चिंताजनक विषय है। दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन और प्रत्येक नागरिक की जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आम लोगों तक परिवहन विभाग की सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार पंचायत स्तर पर कैंप आयोजित कर रहा है, ताकि दूर-दराज के ग्रामीणों को बिना किसी परेशानी के ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा मिल सके।

कैंप के दौरान सड़क सुरक्षा प्रबंधक विनीत कुमार ने गुड सेमेरिटन एवं हिट एंड रन योजना की भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति की सहायता कर उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। ऐसे नेक नागरिकों को सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है। साथ ही हिट एंड रन मामलों में पात्र पीड़ित परिवारों को सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा उपलब्ध कराने का भी प्रावधान है।इस अवसर पर मोटरयान निरीक्षक, सड़क सुरक्षा प्रबंधक, जिला परिवहन कार्यालय के बड़ा बाबू, विभागीय कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

नबिटा संवाददाता

गयाजी। मोदी सरकार विगत 12 वर्षों से लगातार वोट चोरी, पेपर चोरी और चंदा चोरी जैसे घृणित कार्य करके लोकतंत्र को कलंकित, शिक्षा को तार-तार और आस्था पर विश्वासघात करने का कार्य कर रही है। काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, शिव कुमार चौरसिया आदि ने कहा कि केंद्र सरकार विगत लोकसभा एवं विभिन्न विधानसभा चुनावों में वोट चोरी का खेला, खेल कर लोकतंत्र को कलंकित करने का काम करते आ रही है, साथ ही साथ पेपर लीक की घटना विगत 12 वर्षों में एक तंत्र बन गया है जिसे देश के छात्र युवा सहते आ रहे हैं।

दो बजे से पहले ही सूना हो जाता है उत्क्रमित मध्य विद्यालय साखम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के सरकारी दावों के बीच तिसरी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, साखम की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में निर्धारित समय से पहले ही छुट्टी कर दी जाती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मामले ने शिक्षा विभाग की मॉनिटरिंग व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में दो शिक्षक पदस्थापित हैं, लेकिन इसके बावजूद नियमित रूप से शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं हो पा रही हैं। उनका कहना है कि कई बार दोपहर दो बजे से पहले ही विद्यालय परिसर सूना हो जाता है और शिक्षक व छात्र दोनों ही वहां नहीं मिलते विद्यालय के एक छात्र ने भी बताया कि मंगलवार को निर्धारित समय से पहले छुट्टी दे दी गई थी। उसके अनुसार दोपहर बाद न तो कक्षाएं चलीं और न ही विद्यालय में कोई शिक्षक मौजूद था मामले पर विद्यालय के सचिव भीम लाल साव ने दूरभाष पर बताया कि वे मंगलवार को करीब साढ़े 12 बजे बीआरसी से संबंधित विभागीय कार्य के लिए विद्यालय से निकल गए थे। उन्होंने कहा कि उनके जाने के बाद दूसरे शिक्षक को विद्यालय में रहकर पठन-पाठन जारी रखना चाहिए था। साथ ही उन्होंने दावा किया कि विद्यालय प्रतिदिन निर्धारित समय पर ही बंद होता है। हालांकि, ग्रामीणों और छात्र के दावों ने विद्यालय संचालन को लेकर कई सवाल खड़े किये हैं। यदि सचिव विभागीय कार्य से बाहर गए थे, तो विद्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे दूसरे शिक्षक की उपस्थिति और भूमिका पर भी प्रश्न उठ रहे है। लोगों ने विभाग से मामले की जांच कराने तथा समय से पहले विद्यालय बंद किए जाने के आरोपों की सत्यता सामने लाने की मांग की है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और जांच के बाद क्या कार्रवाई करता है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-21-26, दिनांक 24.07.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-21-26 के तहत ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैं, बंद होने की तारीख/समय 17.08.2026 को 15.00 बजे। **कार्य का नाम साथ में उसका स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के अधीन जीजीएलई, जेएचबीएन, एसएएलई, एमएचटीआर, टीवाईएई, पीएनडीआई, जीएनएनडी, केएनएचआर, एलबीपी, सीडब्ल्यूटी, टीपीएफ, आरपीएच, एसडीएलई, एनएचटी, सीटीआर, एमआरआर, बीएसबीआर, आरजेजी, एनजीएफ, पीकेआर, टीबीबी, केएलपी, जीएमएएन, पीआरजीआर, एचआरएनएस, एसकेआईपी उपनगरीय स्टेशनों में पीएफ शेडों के प्रावधान के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 95,85,465.40; **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 1,91,700; **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **कार्य समापन अवधि:** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.08.2026 को 15.00 बजे। **निविदा खोला जाना:** निविदा बंद होने के उपरांत किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्यौरा/विनिर्देशन के लिए निविदादातागण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा करें। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (HWH-242/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

गुरु सूत्र बंधन और गुरु वंदना का कार्यक्रम

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तरन्नुम संगीत संस्थान अंतू चौक मोराहाबादी मे गुरु सूत्र बंधन और गुरु वंदना का कार्यक्रम

रखा गया था जिसमें संस्थान में संगीत सीख रहे प्रशिक्षणर्थियों ने गुरु वंदना गाकर संस्थान की निदेशक और संगीत गुरु डा मृणालिनी अखौरी की वंदना की और मृणालिनी ने अपने छात्र-छात्राओं को कलाई पर सूत्र बांधकर आशीर्वाद दिया और भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार गुरु शिष्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संगीत के क्षेत्र में उनके अच्छे भविष्य और शास्त्रीय संगीत के पथ पर अग्रसर रहने की कामना की, इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्र निरंजन, रीमा, खुशी, स्नेहा, सौम्या, वर्षा, सुषमा, मनोज, रूपक, ऋषभ, तेजस, हिमांशी और इंदु कुमारी आदि मौजूद रहे।

सऊदी अरब से सत्येंद्र महतो का शव गांव पहुंचा, परिजनों में मचा कोहराम

गोमिया (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत कतवारी गांव के प्रवासी मजदूर सत्येंद्र महतो का शव एक महीने बाद बुधवार सुबह सऊदी अरब से गांव पहुंचा. शव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम छा गया. अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. शव देखते ही परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया. पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था. इस दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं.

रोजगार की तलाश में 2024 में पहुंचा था सऊदी अरब

जानकारी के अनुसार सत्येंद्र महतो 26 नवंबर 2024 को रोजगार की तलाश में सऊदी अरब गए थे. वहां वे हमद सालेह अल-काफ कॉन्ट्रैक्टिंग एस्टैब्लिशमेंट कंपनी में ट्रक ड्राइवर के रूप में काम करते थे. 25 जून को सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी. सत्येंद्र महतो अपने पीछे पत्नी, पुत्री प्रीति कुमारी (21 वर्ष), पुत्र अरविंद कुमार और मंगेश कुमार (13 वर्ष) को छोड़ गए हैं. मौके पर प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सिकंदर अली पहुंचे. उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी विदेशों से महीनों बाद शव आने के मामले सामने आते रहे हैं.

बोकारो इस्पात संयंत्र के परियोजना विभाग में सुरक्षा सम्मान पुरस्कार समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के परियोजना विभाग की ओर से 'सुरक्षा सम्मान समारोह' का आयोजन अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सुरक्षित कार्यप्रणाली को प्रोत्साहित करना तथा सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मियों का उत्साहवर्धन करना था. कार्यक्रम का शुभारम्भ अधिशासी निदेशक (परियोजना) ने किया. कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यस्थल पर निर्धारित सुरक्षा मानकों एवं प्रक्रियाओं के सतत अनुपालन पर विशेष बल दिया गया. साथ ही, उपस्थित कर्मियों को सुरक्षा संबंधी सुझाव देकर दैनिक कार्यों में सजगता, सतर्कता एवं सुरक्षित कार्य व्यवहार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया. समारोह में परियोजना विभाग के अंतर्गत पांच जोन के नौ श्रमिक बंधुओं को सुरक्षित कार्यप्रणाली एवं सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया. इसके अतिरिक्त, परियोजना सुरक्षा विभाग के दो कर्मियों को भी सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने में उनके योगदान के लिए प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया. यह आयोजन कार्यस्थल पर 'सुरक्षा सर्वोपरि' की भावना को और सुदृढ़ करने तथा प्रत्येक स्तर पर सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक पहल है. कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ.

उपायुक्त ने समाहरणालय के विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने का दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने पूर्वाह्न समाहरणालय स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं शाखाओं का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन कर समयबद्ध उपस्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण क्रम में उपायुक्त ने विकास शाखा, योजना शाखा, ग्रामीण विकास शाखा, गोपनीय कार्यालय, एनडीसी कार्यालय तथा एडीडीएस कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालयों में संचालित कार्यों की जानकारी लेते हुए कार्य संस्कृति एवं अनुशासन बनाए रखने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने समाहरणालय के प्रथम तल्ले पर स्थित शौचालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने का निर्देश

दिया। निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मी समय पर अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित पाए गए। मौके पर डीडीसी श्रीमती शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, डीपीआरओ रवि कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार, डीडीएमओ शक्ति कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बोकारो में एसआईआर-2026 का प्रथम चरण सफलतापूर्वक संपन्न

एसआईआर को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर किया, 05 अगस्त के बाद भी मतदाता सूची में नाम जोड़ने का रहेगा अवसर : डीसी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सेक्टर- टू स्थित जायका हैपनिंग्स में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत आम मतदाताओं एवं बीएलओ की सहभागिता वाला चरण बुधवार रात 12 बजे के साथ संपन्न हो जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रांति रखने की आवश्यकता नहीं है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से संचालित की गई है। उन्होंने कहा कि जिन पात्र नागरिकों की किसी कारणवश एसआईआर प्रक्रिया में भागीदारी नहीं हो सकी है, वे 05 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में नाम शामिल करा सकेंगे। मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं स्थानांतरण की प्रक्रिया निरंतर जारी रहने वाली व्यवस्था है।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण का महत्वपूर्ण अभियान

डीईओ सह डीसी ने कहा कि वर्ष 2003 के बाद पहली बार इस स्तर पर विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया है। इसका उद्देश्य स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत अथवा अन्य आवश्यक संशोधनों का सत्यापन कर मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बनाना

है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से किसी भी पात्र मतदाता का मतदान का अधिकार समाप्त नहीं होता, बल्कि भविष्य में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत नाम जोड़ा जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों का सराहनीय सहयोग, शहरी मतदाताओं से की विशेष अपील

उन्होंने कहा कि बोकारो जैसे भौगोलिक एवं सामाजिक रूप से विविध जिले में एसआईआर अभियान चुनौतीपूर्ण था। गोमिया के दुर्गम क्षेत्रों से लेकर शहरी बोकारो तक बीएलओ एवं प्रशासनिक टीम ने पूरी निष्ठा से कार्य किया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहयोग किया, वहीं शहरी क्षेत्रों के शिक्षित एवं जागरूक नागरिकों से उन्होंने लोकतांत्रिक दायित्वों के प्रति अधिक संवेदनशील एवं सक्रिय रहने की अपील की।

सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन

डीईओ सह डीसी ने बताया कि जिले के सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर-2026 के तहत डिजिटाइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। 34-गोमिया विधानसभा क्षेत्र में 3,19,737, 35-बेरमो विधानसभा क्षेत्र में 3,31,728, 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र में 5,97,439 तथा 37-चंदनकियारी (अजा.) विधानसभा क्षेत्र में 2,86,363 गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया गया। इस प्रकार जिले के कुल 15,35,267 गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण कर जिला ने निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल कर लिया।

जनजागरूकता अभियान से मिली सफलता

डीईओ सह डीसी ने बताया कि एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रचार रथ, सोशल मीडिया, मीडिया संवाद, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के सहयोग से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अंतिम समय तक प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों की ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित कर अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, उप निदेशक सह डीपीआरओ रवि कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जेएएस प्रोबेशनर कुनाल कुमार, सौम्या सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मिशन 1.5 मिलियन : बीएलओ के दृढ़ संकल्प और 'प्रचार रथों' ने बोकारो को जोड़ा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो की कोयला खदानों, बोकारो की गगनचुंबी इमारतों और गोमिया की दुर्गम पगडंडियों के बीच, पिछले एक महीने से एक मौन लोकतांत्रिक क्रांति स्वरूप ले रही थी। यह रैलियों के शोर से नहीं, बल्कि दरवाजे-दरवाजे पर दी जा रही दस्तक से चिह्नित थी। 'एक भी वोटर न छूटे' के मंत्र से प्रेरित, बोकारो में संचालित विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान मानवीय संकल्प और तकनीकी सटीकता का एक ऐतिहासिक महाभियान बन गया। इस लोकतांत्रिक मानचित्रण का पैमाना विशाल था। जिले के नौ प्रखंडों, 251 पंचायतों और 1,581 बूथों पर बीएलओ की एक बड़ी टीम तैनात थी। उनका लक्ष्य 15,35,267 मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करना था, जहां हर बीएलओ पर औसतन 971 नागरिकों का जिम्मा था। अत्यधिक गतिशील औद्योगिक आबादी के कारण विस्थापित और मृत मतदाताओं की भारी संख्या का अनुमान था। कोई भी वैध मतदाता सूची से न कटे, इसके लिए बीएलओ ने हर दरवाजे तक पहुंचने का अथक प्रयास किया। 30 जून को शुरू हुई स्फ़्र प्रक्रिया की शुरूआत चुनौतीपूर्ण रही। डमी प्रशिक्षण के कारण कई बीएलओ ऐप चलाने में असहज थे। ऊपर से मुहर्रम के कारण प्रशासनिक तंत्र के विधि-व्यवस्था में व्यस्त होने से अभियान धीमा हो गया। लेकिन पर्व समाप्त होते ही प्रशासन ने पूरी ताकत से वापसी की। पारंपरिक अनुमानों को त्याग कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग से लैस एक तकनीकी 'वॉर रूम' स्थापित किया गया। उपायुक्त ने प्रतिदिन शाम 6:30 बजे कड़ी समीक्षा बैठकें कीं। आसन्न चुनाव न होने से मतदाताओं की संभावित उदासीनता को तोड़ने के लिए 'प्रचार-प्रसार' रथ (टोटो) उतारे गए, जिनसे लगातार उद्घोषणाएं की गईं। सबसे बड़ी बात यह रही कि बीडीओ और अंचलाधिकारी कार्यालय छोड़ बीएलओ के साथ मैदान में उतर आए। संपूर्ण प्रशासन का यह दृष्टिकोण इस अभियान की रीढ़ बना, जिसकी वास्तविक परीक्षा चार विविध विधानसभा क्षेत्रों में हुईः

बोकारोः शहरी उदासीनता से संघर्ष

66% शहरी आबादी वाले बोकारो में बीएलओ को मनोवैज्ञानिक दृढ़ता की परीक्षा देनी पड़ी। बहुमंजिला इमारतों में सुरक्षा गार्डों और आरडब्ल्यूए ने अक्सर उनका प्रवेश रोका। निजता के डर और तस्वीर की आवश्यकताओं के भ्रम के कारण लोग दस्तावेज देने से कतराते थे। शहरी दिनचर्या को देखते हुए बीएलओ

ने अलसुबह और देर शाम काम करना शुरू किया। एक घटना में पालतू कुत्ते ने बीएलओ को दौड़ाया, जबकि मकान मालिक मूकदर्शक बना रहा। फिर भी, इन कर्मियों ने हिम्मत नहीं हारी और आधी रात तक फॉर्म डिजिटाइज किए। अंततः चास निगम क्षेत्र में वार्ड पार्षदों की मदद से इस शहरी जड़ता को तोड़ा गया।

गोमियाः अजेय भौगोलिक बाधाएं

जंगलों और झुमरा पहाड़ के दुर्गम इलाकों में बसे पीवीटीजी बहुल गोमिया में भौगोलिक चुनौतियां चरम पर थीं। यहां बस्तियां दूर-दूर बिखरी थीं। हार न मानते हुए, फील्ड टीमों ने दैनिक आवाजाही छोड़कर कई-कई दिन सुदूर इलाकों में ही डेरा डाला। कथारा पंचायत में बिना मकान संख्या वाले घरों को पैदल ढूंढकर सत्यापित किया। जब सुदूर फुटकडीह में शून्य नेटवर्क की समस्या आई, तो प्रशासन ने रातों-रात 'सेल ऑन व्हील्स' टावर खड़ा करवाकर डेटा सिंक करवाया। लुगू बुरु की खड़ी पगडंडियों को नापकर बीएलओ ने जिले का पहला "बीएलओ ऑफ द डे" पुरस्कार जीता।

बेरमोः कोयले की धूल और डिजिटल अपील

सक्रिय खदानों वाले बेरमो (3.31 लाख मतदाता) में खदानों के विस्तार से श्रमिक कॉलोनियों का विस्थापन सबसे बड़ी बाधा थी। शिफ्ट से लौटे थके हुए खनिक फॉर्म भरने में अनिच्छुक थे। उन्हें 2003 के पुराने बेसलाइन डेटा से मिलान न होने पर नाम कटने का डर था। इसका समाधान स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने निकाला। खोरठा और हिंदी में बने उनके डिजिटल वीडियो—"अरे दादा-काका! बीएलओ तोर घर आवे हठो, फॉर्म भरबो कि ना?"—वायरल हो गए। मजदूर नाइट शिफ्ट के बाद खुद बीएलओ का इंतजार करने लगे, जिससे यहाँ फॉर्म वितरण दर 99.99% पहुँच गई।

चंदनकियारीः शत-प्रतिशत का कीर्तिमान

पश्चिम बंगाल सीमा से सटे चंदनकियारी में मौसमी पलायन और अंतर-राज्यीय दोहरे पंजीकरण की समस्या थी। बेरमो की तरह यहां भी 2003 के रिकॉर्ड को लेकर डर था। लेकिन डिजिटल अभियान के असर से ग्रामीण जागरूक हुए और खुद आगे बढ़कर दस्तावेज दिए। बीएलओ ने खेतों की मेड़ों और सुदूर टोलों तक पैदल चलकर फॉर्म वितरण में 100% (शत-प्रतिशत) की त्रुटिहीन दर हासिल की।

एक पूर्ण किया गया संकल्प

एक महीने की यह सफलता महज संयोग नहीं, बल्कि संवेदनशील सुशासन का परिणाम थी। विशेष शिविरों और ऑन-स्पॉट तकनीकी समाधानों से प्रशासन ने कुछ भी भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा। इस ऐतिहासिक प्रयास पर उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहाः 'SIR प्रक्रिया एक समावेशी और सफल लोकतांत्रिक अभ्यास रहा है। हमारी फील्ड टीमों के पूर्ण समर्पण से हमने सभी चार विधानसभा क्षेत्रों में 100% प्रपत्र वितरण और शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल किया है। जो पात्र नागरिक अभी छूट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 6 के माध्यम से अपना नाम जुड़वा सकते हैं।" अंततः, बोकारो का यह अभियान केवल प्रपत्रों तक सीमित नहीं था। गोमिया के जंगलों में टावर लगाने से लेकर बेरमो की वायरल रील्स और बोकारो की देर रात डेटा एंट्री तक—यह सिद्ध करता है कि जब टीम वर्क, नवाचार और जनभागीदारी का तालमेल होता है, तो लोकतंत्र सीधे नागरिकों के दरवाजे तक पहुंचता है।

एसएमएस-01 की 21 समस्याओं पर प्रबंधन से वार्ता

कर्मचारियों ने उठाए मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने एसएमएस 01 के मुख्य महाप्रबंधक के साथ बुधवार को बैठक की. विभागीय समस्या को लेकर वार्ता हुई. 21 समस्या पर वार्ता हुई. संघ के विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने कहा कि आधुनिकीकरण के बाद एसएमएस - 01 विभाग उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है. लेकिन, विभाग में कार्यरत गैर कार्यपालक कर्मचारियों की समस्या हर दिन बढ़ रही है. संघ ने 18 से 36 मीटर ऊंचाई वाले कार्य क्षेत्र में कर्मचारियों के लिए पेयजल का मुद्दा उठाया. विभागीय प्रतिनिधि ने कहा : पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से कर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है. इसी तरह क्षेत्र में कर्मचारियों के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है. संघ ने कहा : कास्टर मैकेनिकल सेक्शन में चार्जमैन का पद लंबे समय से रिक्त है. साथ ही कास्टर क्षेत्र व बॉयलर मेंटेनेंस की टॉप रूफ के जर्जर व क्षतिग्रस्त शीट के कारण वर्षा का पानी लगातार टपक रहा है. वक्ताओं ने कहा कि एसएमएस-01 कन्वर्टर व कास्टर क्षेत्र की एप्रोच रोड, प्लांट मेडिकल से एसएमएस-01 जाने वाली सड़क समेत बॉयलर से कॉस्टर जाने वाले मार्ग की सड़क क्षतिग्रस्त है. इससे दिक्कतों का सामना रना होता है. क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था बहुत खराब है, इसे ठीक करने की जरूरत है. वहीं इस मामले को लेकर विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने कहा कि इन समस्या को अविलंब दूर करने की जरूरत है, ताकि कार्य संस्कृति बेहतर रखने में मदद मिले. उन्होने कहा : प्रबंधन की ओर से हर समस्या के समाधान की बात कही गयी. मौके पर अध्यक्ष, महासचिव, उपमहासचिव, कोषाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य समेत विभागीय यूनियन सदस्य मौजूद थे.

गुरु-शिष्य परंपरा का अनूठा उदाहरण

रामरूद्र हाई स्कूल के 1974 बैच ने गुरुजनों के प्रति जताई कृतज्ञता

चास/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रामरूद्र हाई स्कूल, चास के वर्ष 1974 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों ने बुधवार को चास स्थित दीपांजली पैलेस में गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया.कार्यक्रम के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत रखने का प्रेरणादायक संदेश दिया. इस दौरान पूर्ववर्ती छात्रों ने रामरूद्र हाई स्कूल के तत्कालीन शिक्षक मुश्ताक अहमद व श्यामलाल माहथा का सम्मान के साथ चरण पखारकर, पुष्पांजलि अर्पित कर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम के आयोजक व सेवानिवृत्त शिक्षक अजीत प्रसाद महतो ने कहा कि गुरु के प्रति सम्मान भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसे आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है. गुरु-शिष्य की गौरवशाली परंपरा को जीवंत बनाए रखने और नई पीढ़ी को संस्कार और सम्मान का संदेश देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. समारोह में 74 बैच के पूर्ववर्ती छात्र अंबुज कुमार महथा, अशोक कुमार नाग, अंजनी कुमार सिंह, अश्वनी कुमार महतो, बहादुर महतो, भक्ति पदा माझी, बैद्यनाथ सिंह चौधरी, बिपिन सिंह, दिलीप कुमार वर्मा, इंदु भूषण प्रसाद, जयंत कुमार मलिक, कामता प्रसाद राय, निरंजन रजवार, नागेंद्र नाथ मंडल, सुफल चंद्र महतो, सुकुमार साहा, तारालाल महतो, उमेश सिंह चौधरी, उमा पदा दत्ता, युगल किशोर अग्रवाल सहित अन्य पूर्ववर्ती छात्र उपस्थित रहे. उपस्थित सभी पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को जीवन की अमूल्य पूंजी बताया.कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सेवानिवृत्त शिक्षक मंटू लाल महतो ने किया. मौके पर अमर सिंह चौधरी, उत्थान सिंह चौधरी, मदन लाल महतो, सेवानिवृत्त शिक्षक खिरोधर महतो, भूषण महतो, बसंत महतो सहित दर्जनों गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए .

भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना शुरू होगा सावन, शिवभक्ति में डूबेगा बोकारो

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन गुरुवार से शुरू होगा. सावन के आगमन को लेकर जिले के प्रमुख शिवालयों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं. मंदिरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन और आकर्षक सजावट की गई है. श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, कतारबद्ध दर्शन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक इंतजाम किए गए हैं. पहले दिन से ही भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने की संभावना है. सेक्टर-03 स्थित जगदिश्वर शिवनाथ मंदिर के पंडित कौशल कुमार पांडेय ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार सावन भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना माना जाता है. पूरे माह श्रद्धालु जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव की आराधना करेंगे. महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखेंगी, जबकि अविवाहित युवतियां मनचाहे वर की कामना से शिव पूजा करेंगी. जिले के प्रमुख शिवालयों में पूरे माह भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक, शिव महाआरती और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा. सावन की पहली सोमवारी 3 अगस्त को पड़ेगी, जबकि पांचवीं व अंतिम सोमवारी 31 अगस्त को होगी. सावन के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरियों की सुविधा के लिए बोकारो से सुलतानगंज के लिए विशेष बस सेवा भी उपलब्ध रहेगी. नयामोड़ बस स्टैंड से राजनंदनी बस, बबुआन बस, श्री हरि बस (ठाकुर मोटर्स) की बसें प्रतिदिन शाम 6:30 बजे सुलतानगंज के लिए रवाना होंगी. इससे श्रद्धालुओं को बाबा बैद्यनाथ धाम की यात्रा के लिए सीधी और सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था मिलेगी. सावन माह के दौरान पूरे जिले में 'हर-हर महादेव', 'बोल बम' और 'जय भोलेनाथ' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय रहेगा. मंदिरों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है. जिला प्रशासन और मंदिर समितियां भी श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं.

होली क्रॉस प्री प्राइमरी स्कूल में एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बालीडीह स्थित होली क्रॉस प्री प्राइमरी स्कूल में बुधवार को एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से यूकेजी तक के करीब दर्जनों छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. प्रतिभागियों ने अलग अलग गीतों पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों का मनसेरंजन किया. प्राचार्य सिस्टर केविन ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता छात्र छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ रचनात्मकता विकास में सहायक होती है.

बीएसएल द्वारा आयोजित 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में 29 जुलाई को 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का शुभारंभ हुआ. बोकारो के परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने, सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ करने तथा उभरते फुटबॉल प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन 29 जुलाई से 02 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का उद्घाटन बीएसएल के निदेशक प्रभारी ने सयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया. इस टूनार्मेंट का आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र के भूतपूर्व कर्मचारी (1976-1997), अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, पूर्व ओलंपियन फुटबॉलर तथा वर्ष 1958 में 'एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' रहे स्वर्गीय पीटर थंगराज की स्मृति में किया जा रहा है. इस चैंपियनशिप में बोकारो ग्रामीण फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 की क्वार्टर फाइनलिस्ट 8 ग्रामीण एवं अकादमिक टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें भर्रा क, तुपकाडीह, परटांड, झोपड़ो, नरकरा, राधानगर, शिबुटांड़ और सेल फुटबॉल अकादमी की टीम शामिल हैं. प्रतियोगिता का आगाज 29 जुलाई को राउंड ऑफ ऐट के रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ. इस चरण में खेले गए मैचों में भर्रा ने नरकरा को 2-1 से पराजित किया, सेल फुटबॉल अकादमी ने तुपकाडीह को 9 -0 से पराजित किया, परटांड़ ने झोपड़ो को 2-0 से मात दिया जबकि राधानगर की टीम शिबुटांड़ के खिलाफ 2-1 से विजयी रही. इस चरण के सफल संचालन के पश्चात 31 जुलाई को दोनों ग्रुपों की शीर्ष टीमों के मध्य सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे, जबकि 01 अगस्त 2026 को इस चैंपियनशिप का खिताबी फाइनल मुकाबला आयोजित किया जाएगा.

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर बीजीएच में निःशुल्क फाइब्रोस्कैन शिविर आयोजित

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के मेडिसिन विभाग द्वारा निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच शिविर का आयोजन किया गया. दिनभर चले इस शिविर का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) ने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सकों तथा अस्पताल के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में किया. फाइब्रोस्कैन जांच के माध्यम से लीवर की स्टिफनेस का आकलन किया जाता है. यह जांच विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा, लंबे समय तक शराब के सेवन, क्रोनिक हेपेटाइटिस-बी तथा क्रोनिक हेपेटाइटिस-सी संक्रमण से संबंधित फैटी लिवर के मरीजों के लिए उपयोगी मानी जाती है. यह एक त्वरित, दर्दरहित और बिना किसी चीरे-टांके वाली (नॉन-इनवेसिव) जांच है. चिकित्सकों के अनुसार, यह क्रोनिक लिवर रोगों की पहचान के लिए अल्ट्रासोनोग्राफी की तुलना में अधिक उन्नत तकनीक है, जिससे गंभीर लिवर रोगों का प्रारंभिक चरण में पता लगाकर समय पर उपचार संभव हो पाता है. शिविर के दौरान उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि लिवर रोगों की समय पर पहचान से उनका प्रभावी उपचार किया जा सकता है. उन्होंने लोगों से बीजीएच में आयोजित निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की. शिविर के दौरान लगभग 90 मरीजों की चिकित्सकों द्वारा फाइब्रोस्कैन के माध्यम से जांच की गई.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K